हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • बुधवार • 07.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 163 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 ~~रुपये~~ 2 रुपये

मुख्यमंत्री ने की दावोस एवं यूनाइटेड किंगडम दौरे की तैयारियों की समीक्षा

झारखंड को निवेश हब बनाने की दिशा में दावोस-लंदन दौरा अहम कदम : हेमन्त सोरेन

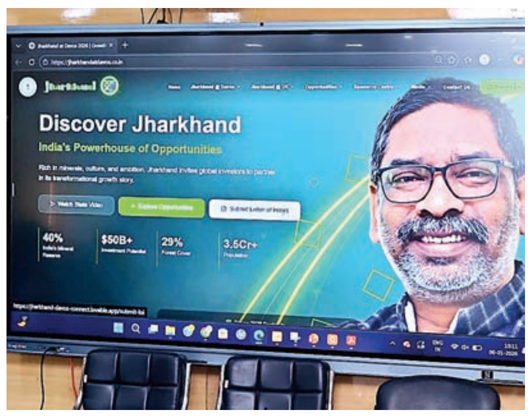

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को कांके रोड, रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में अधिकारियों के साथ 18 से 26 जनवरी 2026 तक प्रस्तावित दावोस एवं यूनाइटेड किंगडम (लंदन) दौरे की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री एवं अधिकारियों के बीच दौरे से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उनके नेतृत्व में झारखंड से 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) की वार्षिक बैठक में सहभागिता करेगा। यह पहला अवसर होगा जब झारखंड का प्रतिनिधिमंडल वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम जैसे वैश्विक मंच पर भाग लेगा। राज्य के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। इस सम्मेलन में विश्व के प्रमुख निवेशक, उद्योगपति एवं गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता होगी।

अधिकारियों ने बताया कि दावोस में प्रस्तावित बैठकों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से झारखंड की खनिज संपदा, औद्योगिक ढांचा, सतत विकास आधारित दृष्टिकोण, पर्यटन क्षमता तथा निवेश की विविध संभावनाओं को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में विभागीय तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि दावोस यात्रा के उपरांत प्रतिनिधिमंडल यूनाइटेड किंगडम (लंदन) का दौरा करेगा। लंदन दौरे के दौरान संस्थागत, शैक्षणिक एवं निवेश-उन्मुख सहयोग, नीति एवं ज्ञान आधारित संवाद, तथा भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संवाद प्रस्तावित हैं। लंदन यात्रा से संबंधित प्रस्तावित बैठकों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी गई।

यह अंतरराष्ट्रीय दौरा राज्य में निवेश आकर्षित करने, औद्योगिक विकास को गति देने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। दावोस एवं यूनाइटेड किंगडम प्रवास के दौरान उद्योगपतियों, निवेशकों एवं संस्थागत प्रतिनिधियों के साथ संवाद के माध्यम से दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि निवेश के दृष्टिकोण से राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल का यह अंतरराष्ट्रीय दौरा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकार की ओर से सभी तैयारियाँ समन्वित, प्रभावी एवं सुव्यवस्थित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने तथा बहुराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग के नए अवसर सृजित करने हेतु राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दावोस एवं यूनाइटेड किंगडम का यह प्रस्तावित दौरा राज्य में निवेश एवं विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव (गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन) वंदना दादेल, मंत्रिमंडल सचिव प्रशांत कुमार, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण सचिव कृपानंद झा, उद्योग सचिव अरवा राजकमल, पर्यटन सचिव मनोज कुमार, आदिवासी कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, निदेशक (खान एवं भू-तत्व) राहुल सिन्हा, प्रबंध निदेशक, जियाडा वरुण रंजन, निदेशक उद्योग विशाल सागर, निदेशक आईपीआरडी राजीव लोचन बक्शी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हेमन्त सोरेन से सांसद-विधायकों ने की मुलाकात, नववर्ष 2026 की दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन से मंगलवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सांसद, विधायक और पूर्व जनप्रतिनिधियों ने मुलाकात की। इस दौरान सभी ने मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन को नववर्ष 2026 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुलाकात करने वालों में सांसद सुखदेव भगत, विधायक लुईस मरांडी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, पूर्व मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी, पूर्व विधायक केदार हाजरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और उनके मंगलमय जीवन की कामना की। मुलाकात सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, जहां नए वर्ष को लेकर सकारात्मक संदेश और शुभेच्छाओं का आदान-प्रदान किया गया।

गोइलकेरा में हाथियों का तांडव, पिता समेत दो बच्चों की कुचलने से मौत

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा प्रखंड में जंगली हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार देर रात हुए एक भयावह हादसे में हाथी के हमले से एक ही परिवार के तीन लोगों—पिता और उसके दो मासूम बच्चों—की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 10 :30 बजे गोईलकेरा प्रखंड क्षेत्र में एक खूंखार दंतैल हाथी आबादी वाले इलाके में घुस आया। इसी दौरान उसने एक परिवार पर अचानक हमला कर दिया। हाथी के हमले में कुंदरा बाहदां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पुत्र कोदमा बाहदां और पुत्री सामू बाहदां ने भी दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना में परिवार की एक अन्य बच्ची जिंगीं बाहदां गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए राउरकेला, ओडिशा रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि जिंगीं के सिर में गंभीर चोट आई है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया।

एक नजर

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश कलमाडी का पुणे में निधन

पुणे : पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाडी का पुणे में मंगलवार की तड़के सुबह लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने 81 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, उन्होंने सुबह करीब 3 :30 बजे पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में अंतिम सांस ली। वह यहां कुछ समय से भर्ती थे। सुरेश कलमाडी के पार्थिव शरीर को दोपहर दो बजे तक पुणे के एरंडवाने स्थित कलमाडी हाउस में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद अंतिम यात्रा दोपहर 3 :30 बजे नवी पेठ स्थित वैकुंठ श्मशान भूमि पहुंचेगी।

बांग्लादेश : नरसिंगदी में हिंदू दुकानदार की हत्या, 18 दिनों में छठे हिंदू की मौत

एजेंसी

नयी दिल्ली : बांग्लादेश में पंजीकृत समाचार पत्र वीकलीब्लिट्ज के अनुसार, ढाका के निकट नरसिंगदी में सोमवार रात अज्ञात हमलावरों द्वारा धारदार हथियारों से हमला किए जाने के बाद 40 वर्षीय हिंदू व्यक्ति शरत चक्रवर्ती मणि की हत्या कर दी गई। स्थानीय निवासियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हमला उस समय हुआ जब मणि पलाश उपज़िला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराने की दुकान चला रहे थे। हमलावर अचानक आए और धारदार हथियारों से उन पर हमला करने के बाद मौके से फरार हो गए। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें गंभीर चोटें आईं और अस्पताल ले जाते समय उनकी मृत्यु हो गई।

यह घटना पिछले 18 दिनों में बांग्लादेश में किसी हिंदू व्यक्ति की हत्या की छठी घटना है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में हिंसा को लेकर चिंता व्यक्त की और अपने जन्मस्थान को "मौत की घाटी" बताया। पुलिस इस घटना की जांच कर रही है। यह हत्या सोमवार को जेस्सोर में एक अन्य हिंदू व्यक्ति की कथित हत्या के बाद हुई है। प्रोथोम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, जेस्सोर के मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री के मालिक की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई।

शरजील-उमर को जमानत न मिलने के बाद जेएनयू में प्रदर्शन, पीएम मोदी और शाह के खिलाफ नारेबाजी

एजेंसी

नयी दिल्ली : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ सोमवार रात को साबरमती हॉस्टल के बाहर कथित तौर पर आपत्तिजनक और भड़काऊ नारेबाजी की गई। इस संबंध में सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया है। इस मामले पर जेएनयू सुरक्षा विभाग ने वसंत कुंज थाना एसएचओ को मुकदमा दर्ज करने के लिए शिकायत पत्र दिया है। नारेबाजी का आरोप जेएनयू छात्र संघ के पदाधिकारियों सहित कई दूसरे छात्रों पर लगा है। दरअसल, छात्र सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली दंगे मामले में आरोपी जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने और पांच जनवरी 2020 को परिसर में हुई हिंसा के खिलाफ नाराजगी और आक्रोश व्यक्त करने के लिए जुटे थे।

इस बीच छात्रों की ओर से कथित आपत्तिजनक और भड़काऊ नारेबाजी की गई। इस मामले पर जेएनयू सुरक्षा विभाग द्वारा एसएचओ को लिखे पत्र के अनुसार साबरमती हॉस्टल के बाहर जेएनयू छात्र संघ से जुड़े छात्रों की ओर से गुरिल्ला ढाबा पर प्रतिरोध की रात शीर्षक के तहत एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य पांच जनवरी 2020 को जेएनयू में हुई हिंसा की छठी वर्षगांठ मनाना था। कार्यक्रम की शुरूआत के समय ऐसा लगा कि छात्र सिर्फ वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ही आए थे। इस मौके पर छात्रों की संख्या लगभग 30-35 थी।

जेएनयू घटना पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने की पुलिस से शिकायत

नयी दिल्ली : जेएनयू सुरक्षा विभाग ने दिल्ली पुलिस को सबरमती हॉस्टल के बाहर कथित रूप से आपत्तिजनक और भड़काऊ नारे लगाने के मामले में शिकायत दी है। घटना सोमवार रात की है और इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जेएनयू सुरक्षा विभाग की ओर से आज इस संबंध में वसंत कुंज (नॉर्थ) थाना प्रभारी को पत्र भेज एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। पत्र में कहा गया है कि 5 जनवरी की रात करीब 10 बजे सबरमती हॉस्टल के बाहर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसे जेएनयू में 5 जनवरी 2020 को हुई हिंसा की छठी बरसी के रूप में बताया गया। कार्यक्रम का शीर्षक 'ए नाइट ऑफ रेज़िस्टेंस विद गोरिल्ला ढाबा' था और इसमें लगभग 30–35 छात्र मौजूद थे। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के छात्र संगठन की ओर से आयोजित किया गया था। पत्र के अनुसार, कार्यक्रम की शुरूआत में यह आयोजन केवल बरसी मनाने तक सीमित प्रतीत था। हालांकि बाद में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाओं पर आए न्यायिक फैसले के बाद कार्यक्रम का स्वर बदल गया।

पदमा सीएचसी प्रभारी पर अभद्र भाषा के आरोप, सहियाओं का उग्र प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : पदमा प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब दर्जनों सहियाओं ने अस्पताल प्रभारी डॉ. धीरज कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सहियाओं का आरोप है कि स्पष्टीकरण मांगने के दौरान डॉक्टर ने उनके साथ बेहद अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, जिससे उनकी गरिमा को ठेस पहुंची है।

घटना का मुख्य कारण

मामले की शुरूआत तब हुई जब प्रभारी डॉ. धीरज कुमार ने किसी कार्य में लापरवाही या प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत एक सहिया से स्पष्टीकरण मांगा। सहियाओं का कहना है कि पूछताछ के दौरान डॉक्टर अपना आपा खो बैठे और उन्होंने अभद्र व्यवहार किया। इस बात की खबर जैसे ही अन्य सहियाओं को मिली, वे संगठित होकर अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन करने पहुंच गईं।

जनप्रतिनिधियों की मध्यस्थता रही विफल

हंगामे की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया, विधायक प्रतिनिधि और अन्य जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। घंटों तक चली वार्ता और समझाने-बुझाने के बावजूद मामला शांत नहीं हो सका। सहियाएं डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई और लिखित माफी की मांग पर अड़ी रहीं। जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप के बाद भी सहियाओं का आक्रोश कम नहीं हुआ और उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वे इस अपमान के खिलाफ न्याय की मांग को लेकर उच्च अधिकारियों तक जाएंगी।

डॉक्टर की सफाई: "याद नहीं क्या कहा"

वहीं दूसरी ओर, आरोपी डॉक्टर धीरज कुमार ने इस मामले पर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि काम के दबाव या उस परिस्थिति में उन्होंने क्या कहा, उन्हें स्वयं याद नहीं है। उन्होंने स्थिति को संभालने की कोशिश करते हुए कहा: "हमारे लिए सभी सहियाएं हमारी मां, बहन और बेटियों के समान हैं। मेरा उद्देश्य किसी को अपमानित करना नहीं था।" आगे की राह सहियाओं ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया है कि वे इस दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगी और जिला स्वास्थ्य समिति तथा उपायुक्त से इसकी लिखित शिकायत करेंगी। उनका कहना है कि अगर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग ही महिलाओं के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे, तो वे सुरक्षित महसूस कैसे करेंगी।

एक नजर

आरएसएस की बरही शाखा ने बिरसा विद्या मंदिर डेमोटांड़ का किया भ्रमण

बरही : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शिवाजी शाखा बरही ने बिरसा विद्या मंदिर छात्रावास डेमोटांड़ का भ्रमण किया। संघ के सेवा प्रकल्प दर्शन और विश्व हिंदू परिषद के सेवा प्रकल्प के तहत डेमोटांड़ स्थित बिरसा विद्या मंदिर छात्रावास का पर्यटन किया गया। बिरसा मंदिर के छात्रावास में 47 बच्चे मौजूद थे। संघ और विहिप के सदस्यों ने बच्चों के साथ सामूहिक गीत,भजन, खेल, सुभाषित,प्रेरक प्रसंग और जय घोष का उत्साह पूर्वक आयोजन किया। संघ और विहिप के सदस्यों ने बच्चों से बातचीत कर पारिवारिक, सामाजिक स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस बीच बच्चों ने सामुहिक भजन गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध किया। संघ और विहिप के सदस्यों ने सभी छात्रों के बीच बिस्कुट के पैकेट का वितरण किया। बच्चों से कहा कि वे लोग उनके छात्रावास में शीघ्र आएंगे और जो कभी है उसे पूरा करेंगे। संघ और विहिप के सेवा उपक्रम में क्षेत्र सेवा प्रमुख त्रिवेणी साव, विहिप के जिला सह मंत्री गुरूदेव गुप्ता, जिला बौद्धिक प्रमुख सुबोध कुमार,शाखा के मुख्य शिक्षक कुंदन कुमार, शाखा के कार्यवाह सुभाष कुमार और सहायक गण शिक्षक बसंत कुमार शामिल थे।

श्मशान घाट सेवा समिति के द्वारा नि:शुल्क लकड़ी दिया गया

बडकागांव : बड़कागांव प्रखंड के कुशवाहा समाज के ललकु महतो पिता स्वर्गीय महतो रात्रि में देहांत हो गया जिसका अग्नि संस्कार के लिए श्मशान घाट सेवा समिति के द्वारा निशुल्क लकड़ी दिया गया ललकु महतो का परिवार के द्वारा श्मशान घाट सेवा समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिए और साथ ही साथ काहे की जब से या संस्था हमारे बड़का गांव में खुला है उसे समय से कई लोगों को निशुल्क लकड़ी दिया गया है इन सभी सदस्यों को भगवान हमेशा खुश रखे और स्वस्थ रखें मौके पर श्मशान घाट सेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश सिंहा,मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार ,सरोज कुमार उपमुखिया सत्यदेव कुमार, सुरेन्द्र महतो इत्यादी उपस्थित थे।

सदर अंचल कर्मियों द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग सदर अंचल में सदर अंचल कर्मियों द्वारा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर एक प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, वाहन चालकों एवं युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना था। कार्यक्रम के दौरान अंचल कर्मियों ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे की हालत में वाहन न चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही पैदल यात्रियों की सुरक्षा और जेब्रा क्रॉसिंग के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। अंचल कर्मियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियम केवल दंड का विषय नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा का आधार हैं। नियमों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार से ही दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सड़क सुरक्षा सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, और इसके लिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग आवश्यक है।

सूर्यकुंड मेला में सुरक्षा व्यवस्था की लेकर एसडीओ ने की बैठक

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बरकट्ठा : बरकट्ठा के सूर्यकुण्ड मेला की तैयारियां जोरों पर है। मेले में आने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किया गया है। वहीं सुरक्षा के मद्देनजर एसडीओ जोहन टुड्डू ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए बैठक की। जिसमें एसडीपीओ अजीत कुमार विमल एवं बरकट्ठा प्रखंड के बीडीओ एवं सीओ मौजूद थे। बैठक में मेले के दौरान शांति व्यवस्था, असामाजिक तत्वों पर नजर रखने, पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती और घायलों के लिए समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और बेहतर माहौल मिल सके। इस

दौरान एसडीओ ने कहा कि मेला परिसर में घूमने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर निगरानी रखी जाएगी, मेले में स्थानीय पुलिस के साथ-साथ अन्य जिलों से पुलिसकर्मियों को बुलाया जाएगा। मेले में भीड़ नियंत्रण को लेकर खास रणनीति बनाई गई है। वहीं एसडीओ ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर, श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा - निर्देश दिए। बता दें कि बरकट्ठा का सूर्यकुण्ड मेला एशिया का सबसे गर्म जलकुंड और इसके पौराणिक महत्व के कारण प्रसिद्ध है, जहां मकर संक्रांति पर लगने वाले इस 15 दिवसीय मेले में लोग पवित्र स्नान कर बीमारियों से मुक्ति और संतान प्राप्ति की कामना करते है।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएं, त्वरित निष्पादन का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आमजनों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी-अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचे। जनता दरबार के दौरान रोड निर्माण कार्य प्रारंभ कराने, जमीन हड़पने, पारिवारिक बंटवारा, बाउंड्री निर्माण कार्य, रैयती जमीन पर अवैध रूप से सड़क निर्माण, पेंशन का लाभ दिलाने, जमीन पर

असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन कब्जा, आवास से संबंधित समस्याएं एवं एनटीपीसी भूमि अधिग्रहण मुआवजा से जुड़े कई मामले सामने आए। उपायुक्त ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सभी मामलों को संबंधित विभागों को हस्तांतरित करते हुए ससमय निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 9 जनवरी को लगेगा स्वास्थ्य मेला

बड़कागांव : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़का गांव में मंगलवार को चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अविनाश कुमार ने प्रेस वार्ता की जिसमें उन्होंने बताया कि 9 जनवरी को बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पूछताछ, पंजीकरण, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन परामर्श, ईएनटी जांच, मोतियाबिंद जांच, दंत चिकित्सा जांच, किशोरी जांच, युवा मैत्री, पोषण के लिए परामर्श, कुष्ठ नियंत्रण, टीवी जांच, मलेरिया जांच, धूम्रपान निषेध, कैंसर नियंत्रण जागरूकता, भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद होम्योपैथी, आयुष्मान भारत, वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श, योग एवं ध्यान, एक्स–रे और ईसीजी इत्यादि जांच का स्टॉल लगाया जाएगा। आगे उन्होंने बताया कि ग्रामीण ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर इस स्वास्थ्य मेला का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का जांच कराएं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से हेल्थ मैनेजर मृत्युंजय सिंह, नंदलाल दास के अलावा कई लोग शामिल थे।

ओरिया में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : मंगलवार को सदर प्रखंड के सदर ब्लॉक अंतर्गत ओरिया में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का बतौर मुख्य अतिथि शामिल सदर विधानसभा सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा और पश्चिमी मंडल के सांसद प्रतिनिधि दामोदर प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत मेले का उद्घाटन किया। यह मेला 6 से 10 जनवरी 2026 के बीच झारखंड सरकार द्वारा प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया, जहाँ लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाएं, आयुष्मान/आभा कार्ड बनवाने और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई, जिसमें एलएनजेपी नेत्र चिकित्सालय ने भी भागीदारी की और मोतियाबिंद के मरीजों की जांच कर ऑपरेशन की व्यवस्था की, जिससे स्थानीय लोगों को काफी फायदा हुआ। इस बीच सदर विधानसभा सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा ने बताया कि हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य पहुंच रहा है। उन्होंने और भी बताया कि ओरिया में लगा यह स्वास्थ्य मेला स्थानीय समुदाय के लिए स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मौके पे सदर विधानसभा सांसद प्रतिनिधि किशोरी राणा, पश्चिमी मंडल के सांसद प्रतिनिधि दामोदर प्रसाद, डॉ मुकेश चंद्र झा, डॉ फातिमा खातून, कृति, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सहिया, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और स्वास्थ्य अधिकारी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम निरी में बीडीओ और स्थानीय मुखिया ने संयुक्त रूप से गांव वासियों के बीच 50 कंबल का वितरण

केरेडारी : प्रखंड मे कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन के निदेर्शानुसार उत्क्रमित मध्य विद्यालय निरी सुदूरवर्ती क्षेत्र के प्रांगण में मंगलवार को केरेडारी प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार, और सलगा पंचायत के मुखिया पार्वती देवी के द्वारा संयुक्त रूप से 50 कंबल गंझू परिवारों बीच कंबल वितरण किया गया। इस वितरण कार्यक्रम में केरेडारी प्रखंड विकास पदाधिकारी बीडीओ विवेक कुमार ने कहा कि इस शीतलहर से कड़ाके ठंड से बच्चे । जरूरी काम पड़ने पर है ,तभी बाहर निकले। बच्चे बूढ़े को ठंड से बचावे।गर्म पानी पीयें ,और खाना खाएं। आगे कहा कि प्रशासन के द्वारा निरी सुदूरवर्ती क्षेत्र गांव वासियों को सरकारी सहायता पहुंचाने का लगातार प्रयास किया जायेगा इस कार्यक्रम में मौके पर मुखिया पार्वती तालेश्वर गोप,देवी,कृष्णा कुमार, जागेश्वर कुमार,,नागेश्वर गंझू, तिलकचंद गंझु झमनी देवी,बिलसी देवी, समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

कट ऑफ डेट की मांग को लेकर युवाओं को फिर मिला आश्वासन

बड़कागांव : युवा विस्थापित मोर्चा बड़कागांव ने बीते मंगलवार को बड़कागांव अंचल सह प्रखंड कार्यालय में अपनी मांगों को लेकर धरना दिया और अंचल कार्यालय के मुख्य द्वार पर सैकड़ो युवक लगभग 5 घंटे तक धरना दिया और अंचल कार्यालय के कार्य को अवरुद्ध किया। ज्ञात हो की युवा विस्थापित मोर्चा की एक पुरानी मांग है जिसमें कट ऑफ डेट को 2016 से बढ़ाकर वर्तमान विस्थापित समय को माना जाए। की मांग कर रहे हैं, जिसे लेकर युवा लगातार धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन पिछले दो वर्षों से करते चले आ रहे हैं। पिछले 3 दिसंबर 2025 को युवा स्थापित मोर्चा के युवाओं के द्वारा अपनी मांगों को लेकर एन टी पी सी का कोयला ट्रांसपोर्टिंग बंद करने की कोशिश की गई थी परंतु अंचल अधिकारी मनोज कुमार ने हस्तक्षेप करते हुए एक सप्ताह के अंदर त्रिपक्षीय वार्ता करने का आश्वासन दिया था। परंतु अंचल अधिकारी के द्वारा त्रिपचिये वार्ता एक सप्ताह के अंदर नहीं कराया गया। इसलिए मंगलवार को अंचल कायुर्यालय के मुख्य द्वार पर युवा धरने पर बैठ गए और अंचल कार्यालय का कार्य अवरुद्ध किया। हालांकि एक दिन पहले ही अंचल अधिकारी ने लिखित रूप से डीसी महोदय को इसकी सूचना दे दी थी । धरने पर बैठे युवाओं को जिला उपयुक्त कार्यालय से मौखिक आश्वासन मिला की 27 जनवरी के बाद त्रिपक्षीय वार्ता कराई जाएगी तब जाकर युवाओं ने धरना समाप्त किया। आज के धरना में शामिल युवाओं के साथ अधिवक्ता अनिरुद्ध कुमार दांगी,समाजसेवी लखींद्र ठाकुर , सोनू इराकी, राकेश कुमार, युवा विस्थापित मोर्चा से अमित कुमार साव,मनीष कुमार,मुकुल कुमार ,सुनील कुमार राम,राहुल कुमार,सुमित कुमार ,श्रीकांत कुमार ,राहुल कुमार,,शंकर कुमार रजक,सुनील कुमार,,विक्की कुमार ठाकुर,रोशन कुमार बीरेंद्र कुमार ,अरविंद कुमार ,ब्रह्मदेव कुमार ,सागर कुमार ,भुनेश्वर प्रजापति ,शंकर कुमार ,अशोक,कुमार,शांबिहारी प्रजापति ,लोचन महतोलट्टू महतो ,चंदन कुमार,विशाल कुमार,मंटू कुमार जितेंद्र कुमार ,राहुल कुमार ठाकुर,निरंजन कुमार ,विकाश कुमार,जितेंद्र कुमार इत्यादि शामिल थे।

महुदी विद्यालय में शौचालय को क्षतिग्रस्त एवं तोड़ देने को लेकर थाना में दिया आवेदन

बड़कागांव : प्रखंड संसाधन केंद्र बड़कागांव के संकुल अंतर्गत संचालित उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुदी में शौचालय को क्षतिग्रस्त एवं तोड़ देने के संबंध में थाना में आवेदन दिया गया। मामले को लेकर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रेम कुमार राणा ने बताया कि उत्क्रमित मध्य विद्यालय महुदी शीतकालीन अवकाश को लेकर 25 दिसंबर 2025 से लेकर 5 जनवरी 2026 तक विद्यालय बंद था।जैसे ही 6 जनवरी को विद्यालय पहुंचे तो देखा की शौचालय का तीन दरवाजा टूटा हुआ है। मामले को लेकर स्नहा दर्ज करने को लेकर बड़कागांव थाना में आवेदन दिया हूं। बताते चलें की शौचालय का दो कमरा सहित 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत प्रकृति राशि 2,49, 500 .00 की लागत से निर्माण करवाया गया था। वहीं दो कैमरा टीएमएफटी मद से कुछ दिन पूर्व निर्माण करवाया गया है।

स्कूल व कोचिंग सेंटर के छात्रों का शैक्षणिक-सांस्कृतिक भ्रमण, पारसनाथ समेत ऐतिहासिक स्थलों का किया दर्शन

चौपारण : प्रखंड स्थित मिशन पब्लिक स्कूल महुदी एवं कोचिंग सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस भ्रमण के अंतर्गत गिरिडीह जिले के पारसनाथ पर्वत, खंडोली तथा मधुबन जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को इन स्थलों के धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विशेष रूप से पारसनाथ पर्वत में तीर्थंकरों से जुड़ी मान्यताओं, साधना स्थल तथा वहां की प्राकृतिक विशेषताओं के बारे में बताया गया, जिससे छात्रों में धर्म, इतिहास और प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ी। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक भक्त वत्सल पांडे, धर्मदेव शर्मा, मिंशु सिंह एवं नितेश कुमार ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्थल भ्रमण के साथ–साथ अनुशासन, आपसी सहयोग और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है।

युवती की मौत के बाद चौपारण अस्पताल पर गंभीर आरोप, शव हटाने का दबाव बनाने का दावा

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

चौपारण : प्रखंड के सामुदायिक अस्पताल, चौपारण की कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों में घिर गई है। सोमवार रात्रि इलाज के दौरान एक युवती की मौत के बाद क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रह्मोरिया पंचायत अंतर्गत बुढ़िया डाबर गांव में भाई-बहन के बीच हुए आपसी विवाद के बाद एक युवती द्वारा जहर सेवन करने का मामला सामने आया है। जिसमें गन्ने की गुल्लक खाने को लेकर हुए झगड़े के बाद प्रियांश कुमारी ने कथित तौर पर जहर खा लिया। मृतका की पहचान प्रियांश कुमारी , निवासी ग्राम बुढ़िया डाबर के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, युवती ने कथित रूप से जहर का सेवन कर लिया था, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सामुदायिक अस्पताल लाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि देर रात अस्पताल कर्मियों द्वारा शव को शीघ्र परिसर से हटाने का दबाव बनाया गया। परिजनों का आरोप है कि रात्रि होने के कारण पोस्टमार्टम की प्रक्रिया नहीं हो सकी, इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन द्वारा शव के सुरक्षित रख-रखाव की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। जबकि नियमों के अनुसार, पोस्टमार्टम तक शव की सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी संबंधित अस्पताल प्रशासन की होती है।

एनएचआरए के प्रदेश सह संयोजक बने रवि शंकर कुमार, प्रदीप बने जिला कल्याण सचिव

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

हजारीबाग : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश इकाई की ओर से संगठन का विस्तार करते हुए हजारीबाग जिला अंतर्गत करसो निवासी समाजसेवी रवि शंकर कुमार को प्रदेश सह संयोजक बनाया गया है। इनका मनोनयन प्रदेश विधि सचिव सुनील कुमार दत्त की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति के द्वारा किया गया है। रवि शंकर कुमार सामाजिक कार्यकर्ता है । इनके द्वारा सामाजिक कार्यों में काफी सहभागिता रहती है। वही करसो निवासी समाजसेवी प्रदीप कुमार यादव को हजारीबाग जिला कल्याण सचिव बनाया गया है। इनका मनोनयन प्रदेश

संगठन सचिव राजकुमार यादव के अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा किया गया। दोनों नव मनोनीत पदाधिकारियों को प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेश संगठन सचिव बिपिन बिहारी पांडेय, राजकुमार यादव, प्रदेश विधि सचिव डॉ सुनील कुमार दत्त, प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव, जिला कल्याण सचिव अमित गौरव ने अंगवस्त्र से स्वागत किया। दोनों पदाधिकारियों को मनोनीत किए जाने राष्ट्रीय एवं प्रदेश टीम का आभार व्यक्त करते हुए दोनों ने कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई, उसका पूर्ण निर्वहन ईमानदारी पूर्वक करेंगे। मानवाधिकार संरक्षण के लिए काम करेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार सुमन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिलीप राय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार चौधरी, राष्ट्रीय विधि सचिव आत्मानंद कुमार पांडेय, प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव,महिला प्रदेश अध्यक्ष प्रीति उपाध्याय, महासचिव मंजू सिंह, प्रदेश संयोजक भरत यादव, प्रदेश संगठन सचिव बिपिन बिहारी पांडेय, जगदीश दास, प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव, प्रमंडल अध्यक्ष हीरा देवी, कामिनी देवी,जिलाध्यक्ष हजारीबाग डॉ दीनानाथ ठाकुर, कोडरमा जिलाध्यक्ष धीरज कुमार, रांची जितेंद्र सिंह, सिमरन कुमारी, अनुमंडल अध्यक्ष कमल शंकर पंडित, महासचिव प्रभाकर पाठक, मो तैयब, मनोज कुमार, महेश प्रसाद, शरीफुल हक आदि ने बधाई दी है।

एक नजर

रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल में कैदियों के नाचते वीडियो पर हाई कोर्ट सख्त

रांची: रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद कैदियों का डांस करते हुए वीडियो वायरल होने के मामले को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान न्यायालय जेल प्रशासन और राज्य सरकार के जवाब से असंतुष्ट नजर आया। मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे को अधूरा करार देते हुए कहा कि केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को निलंबित करना पर्याप्त नहीं है। अदालत ने सवाल उठाया कि जेल सुरक्षा में इतनी गंभीर चूक के लिए अब तक जेल अधीक्षक और जेल महानिरीक्षक की जवाबदेही क्यों तय नहीं की गई खंडपीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि जेल परिसर के भीतर मोबाइल फोन और इंटरनेट की उपलब्धता है, तो यह न केवल जेल प्रशासन बल्कि पूरी न्याय व्यवस्था और सुरक्षा प्रणाली के लिए गंभीर खतरा है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह दो सप्ताह के भीतर एक पूरक रिपोर्ट दाखिल करे। रिपोर्ट में यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि क्या जेल के भीतर मोबाइल जैमर कार्यरत थे या नहीं सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से उन बाहरी व्यक्तियों या कर्मचारियों की पहचान हुई है या नहीं, जिन्होंने कैदियों को ये सुविधाएं उपलब्ध कराई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या फुलप्रूफ कार्ययोजना तैयार की गई है अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यदि अगली सुनवाई तक ठोस जवाब और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई से संबंधित जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई, तो इस मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय समिति के गठन पर विचार किया जा सकता है।

झारखंड के 17 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

रांची: झारखंड में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के 17 जिलों में 07 जनवरी तक कहीं-कहीं शीतलहर चलने की संभावना जताई है। इसे लेकर मंगलवार को येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, शीतलहर का असर राज्य के मध्यवर्ती, दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में अधिक देखने को मिलेगा। जिन जिलों में अलर्ट जारी किया गया है, उनमें रांची, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, गुमला, धनबाद, कोडरमा और बोकारो के साथ ही पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां शामिल है। इसके अलावा गढ़वा, पलामू, लातेहार और चतरा जिले के लोगों को भी शीतलहर सताएगी। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के कारण बना निम्न दबाव का क्षेत्र उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश के आसपास सक्रिय है। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही भारी बर्फबारी के चलते ठंडी और नमीयुक्त हवाएं मध्यवर्ती व उत्तरी राज्यों में प्रवेश कर रही हैं। इसी कारण झारखंड समेत कई राज्यों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 24.8 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 18.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री, जमशेदपुर में 23.4 और 9.3 डिग्री, डालटेनगंज में 17.6 और 4.6 डिग्री, बोकारो में 20.2 और 6.7 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 24.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

राज्यपाल की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण निदेशालय की 17वीं प्रबंध समिति बैठक संपन्न

पूर्व सैनिकों व शहीदों के आश्रितों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में मंगलवार को लोक भवन में सैनिक कल्याण निदेशालय की 17वीं प्रबंध कमिटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा कि पूर्व सैनिकों तथा शहीदों के आश्रितों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और उनके कल्याण से जुड़े विषयों पर प्रत्येक परिस्थिति में संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने दीपाटोली स्थित झारखण्ड युद्ध स्मारक को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निदेश दिए। साथ ही उन्होंने परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद लांसनायक अल्बर्ट एक्का के पैतृक ग्राम को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किए जाने पर बल देते हुए, वहाँ अतिशीघ्र भ्रमण करने की भी बात कही। राज्यपाल महोदय ने कहा कि वे राज्यहित के लिए सदैव उपलब्ध हैं तथा यदि किसी के पास राज्य के हित से संबंधित कोई सुझाव हो, तो वह कभी भी मेरे पास आ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि इस क्षेत्र को एक विशिष्ट और प्रेरणादायी पहचान स्थापित हो। यहीं से हमारे माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री भी आते हैं और कोई भी अच्छी योजनाओं से उन्हें अवगत करा सकते हैं। उक्त अवसर पर राज्य में एक और सैनिक विद्यालय खोलने पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा सैनिक विद्यालय गोड्डा में खोलने का प्रस्ताव रखा गया। इसके अतिरिक्त, देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि में वृद्धि किए जाने पर भी विमर्श किया गया। बैठक में राज्यपाल महोदय ने कहा कि राज्य के कितने अग्निवीर सेवा से वापस आए हैं, इसका समुचित आकलन किया जाना चाहिए। उन्होंने निदेश दिया कि इन अग्निवीरों को राज्य पुलिस बल सहित अन्य सुरक्षा एवं सेवा क्षेत्रों में अवसर प्रदान करने की संभावनाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाए। राज्यपाल महोदय ने यह भी निदेश दिया कि जब सैनिक अवकाश पर राज्य में आते हैं और उनके कुछ निजी अथवा प्रशासनिक कार्य लंबित रहते हैं, तो ऐसे मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

राज्यपाल से मुख्य सचिव ने की भेंट, नव वर्ष की दीं शुभकामनाएं

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को लोक भवन में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने भेंट कर नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दीं। राज्यपाल महोदय ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय ने उन्हें राज्यहित में और सक्रिय होकर पूर्ण प्रतिबद्धता एवं समन्वय के साथ कार्य करने हेतु कहा, ताकि राज्य के विकास को तेज गति मिल सके। इस अवसर पर उन्होंने राज्य में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की।

रांची में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान चलाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री के निर्देश पर शहर के विभिन्न कॉरपोरेट कार्यालयों में मंगलवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने किया और इसे रिलायंस के सहयोग से संचालित किया गया।

अभियान के दौरान आईडीबीआई बैंक क्षेत्रीय कार्यालय मेन रोड, रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस कार्यालय सहित अन्य प्रमुख कॉरपोरेट संस्थानों में कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इसमें हेलमेट और सीटबेल्ट के उपयोग, नशे में ड्राइविंग से बचाव, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, ओवरस्पीडिंग के दुष्परिणाम और गुड समैरिटन कानून जैसे विषयों पर चर्चा की गई। कर्मचारियों को यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की शपथ भी दिलाई गई। अभियान के दौरान प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा से जुड़ी पुस्तकें भी वितरित की गईं। मौके पर जिला रोड इंजीनियर एनालिस्ट गौरव कुमार, तकनीकी सहायक अभय कुमार, रिलायंस निदेशक आशुतोष द्विवेदी, बैंक अधिकारी ऋषि गुप्ता और रिलायंस निप्पोन लाइफ इंश्योरेंस के कई प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री से पुलिस अधिकारियों और प्रशासनिक अफसरों ने की शिष्टाचार भेंट, नव वर्ष की दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मंगलवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रशासनिक और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सभी अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नव वर्ष 2026 की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने भी सभी का स्वागत करते हुए नववर्ष की शुभकामनाओं के लिए आभार प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नव वर्ष नया संकल्प, नई ऊर्जा और नए अवसर लेकर आता है। वर्ष 2026 को झारखंड की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बनाने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच और प्रतिबद्धता के साथ शासन-प्रशासन राज्य के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार और जनता के सहयोग से झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल करने की दिशा में यह वर्ष मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने सभी से एकजुट होकर सरकार की विकास योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया और राज्यवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शिष्टाचार भेंट के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों में राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अमरेंद्र प्रताप सिंह, जेएसएलपीएस के सीईओ अनन्य मित्तल, अपर सचिव प्रीति रानी, धनंजय सिंह, सीता पुष्पा, निदेशक सामाजिक सुरक्षा विजय कुमार सिंह सहित पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और कोडरमा के उपायुक्त उपस्थित रहे। वहीं पुलिस अधिकारियों में डीजी होमगार्ड एम. एस. भाटिया, डीआईजी दुमका अमर लकड़ा सहित लोहरदगा, सरायकेला-खरसावां, गोड्डा, गुमला, खूंटी और मुसाबनी ट्रेनिंग सेंटर के एसपी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

अपर मुख्य सचिव ने की स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा, कम खर्च वाले जिलों को शोकॉज का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

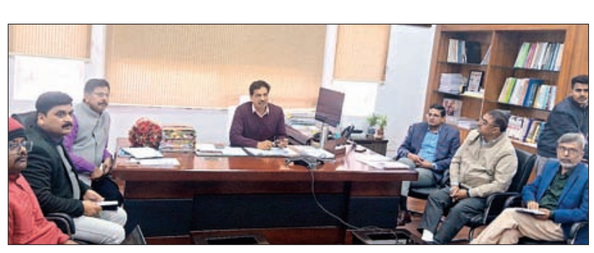

रांची : झारखंड में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को नेपाल हाउस स्थित विभागीय सभागार में सभी जिलों के सिविल सर्जन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर मुख्य सचिव ने समीक्षा के दौरान कम राशि खर्च करने वाले पांच जिलों को चिन्हित करते हुए उन्हें शोकॉज नोटिस जारी करने का आदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन एवं रखरखाव योजना, 15वें वित्त आयोग की राशि का उपयोग, पीएम एचआईएम, टीबी मुक्त भारत अभियान, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रम, दवा उपलब्धता और आउटसोर्स के माध्यम से बहाली जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। अपर मुख्य सचिव ने अस्पताल संचालन एवं रखरखाव योजना के तहत लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने 15वें वित्त आयोग की राशि के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर देते हुए सात दिनों के भीतर कम से कम 50 प्रतिशत राशि खर्च सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले जिलों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी।

झारखंड पशुचिकित्सा परिषद के निबंधक डॉ. सेमसन संजय टोप्पो ने किया पदभार ग्रहण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड पशुचिकित्सा सेवा संघ के अध्यक्ष डॉ. सेमसन संजय टोप्पो ने मंगलवार को झारखंड पशुचिकित्सा परिषद के निबंधक के रूप में औपचारिक रूप से प्रभार ग्रहण किया। इस अवसर पर संघ और परिषद से जुड़े चिकित्सकों ने उनका स्वागत किया और बधाई दी। प्रभार ग्रहण करने के बाद डॉ. सेमसन संजय टोप्पो ने कहा कि वे पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि निबंधक के रूप में उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी आगामी तीन माह के भीतर झारखंड पशुचिकित्सा परिषद की चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराना होगी। डॉ. टोप्पो ने झोलाछाप पशु चिकित्सकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के संकेत देते हुए कहा कि कुछ लोग चंद पैसों के लालच में पशुओं के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं और डॉक्टर बनकर आम लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं। ऐसे अवैध और अपंजीकृत पशु चिकित्सकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जेवीएसए के महामंत्री और कार्यकारिणी सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संघ की ओर से कहा गया कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डॉ. सेमसन संजय टोप्पो अपने कार्यकाल में बेहतर कार्य करेंगे और हर कदम पर जेवीएसए की कार्यकारिणी उनके साथ खड़ी रहेगी।

रांची विश्वविद्यालय के छात्रों को मिलेगा डिजिटल लिटरेसी और स्किल डेवलपमेंट का प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के छात्रों को अब डिजिटल लिटरेसी और स्किल डेवलपमेंट का प्रशिक्षण मिलेगा। इस दिशा में मंगलवार को रांची विश्वविद्यालय और निलेट के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर हस्ताक्षर विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में किए गए, जिसमें कुलपति डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि एमओयू के तहत रांची विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों में निलेट के प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे। इन केंद्रों में निलेट की ओर से विशेषज्ञ प्रशिक्षक उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे विश्वविद्यालय के छात्रों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से निर्धारित बेहद कम शुल्क पर छात्रों को डिजिटल लिटरेसी के साथ-साथ राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा से जुड़े स्किल ट्रेनिंग कोर्स कराए जाएंगे। कुलपति ने बताया कि इस एमओयू के अंतर्गत फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी), सेमिनार, गेस्ट लेक्चर, छात्रों के लिए प्लेसमेंट सपोर्ट और करियर गाइडेंस जैसी कई गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। इससे छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ेगी और वे तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बन सकेंगे। उन्होंने बताया कि डोरंडा कॉलेज में निलेट का एक सेंटर पहले से ही सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उसी मॉडल को अब अन्य कॉलेजों में भी लागू किया जाएगा। एमओयू पर रांची विश्वविद्यालय की ओर से रजिस्ट्रार डॉ. गुरुचरण साहु और निलेट की ओर से कार्यकारी निदेशक डॉ. प्रो. नितिन कुमार पुरी ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहु, सीवीएस निदेशक डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, उपनिदेशक डॉ. स्मृति सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजय सिंह, मारवाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार, डोरंडा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.के. शर्मा, आरएलएसवाई कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विष्णु चरण महतो सहित जेएन कॉलेज धुर्वा, मांडर कॉलेज और बेड़ो कॉलेज के प्राचार्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड पैसा कानून का अस्तित्व पंचायती ढांचों पर निर्भर : जेपी पांडेय

रांची : भाजपा किसान मोर्चा झारखंड प्रदेश के नेता सह हिन्दू धर्म रक्षा मंच के प्रदेश मंत्री जय प्रकाश पांडेय ने झारखंड राज्य में लागू पैसा कानून पर चर्चा के दौरान कहा कि राज्य में पंचायती ढांचों को मजबूत किए बीना पैसा कानून का कोई अस्तित्व नहीं लगता,जब से हेमंत सरकार बनी है राज्य की पंचायतें लगभग शून्य अवस्था में पड़ी हुई है, पंचायतों में मुखिया जन्म प्रमाण पत्र बनवाने तथा अन्य कार्यों में व्यस्त है और दूसरी तरफ झारखंड सरकार पैसा कानून लागू कर अपना पीठ थपथपा रही है,आखिर पैसा कानून को पंचायती ढांचे में क्यों रखा गया है,जो अभी भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है,जब आम धारणा है कि पैसा कानून आदिवासियों के परम्परागत स्वशासी व्यवस्थाओं को मान्यता प्रदान करती है,जिसका पंचायती राज व्यवस्था से कोई रिश्ता नहीं हो,जब की सच्चाई यह है कि पैसा कानून संविधान के 73 वे संशोधन से जन्मी पंचायती राज प्रणाली पर टीका हुआ है,ग्रामसभा से लेकर ग्राम पंचायत और जिला परिषद की कड़ी बिना पैसा कानून के किताबों में दर्ज कुछ पंक्तियों के समान भर रह जाता है,जमीन पर नहीं। संविधान के 73 वे संशोधन ने डेढ़ भर के त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के तहत पंचायतों और जिला परिषद को स्थानीय स्वशासन का दर्जा देकर 11 वीं अनुसूची में शामिल किया है जो इस प्रकार है, कृषि, जल, लघु शिक्षा, ग्रामीण सड़के,प्राथमिक शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ,सामाजिक वन प्रबंधन,गरीबी उन्मूलन जैसे तमाम जिम्मेवारियों को पंचायतों और जिला परिषद को सौंपा गया है,परंतु यह प्रावधान किया गया है कि आदिवासी अनुसूचित क्षेत्रों में इन संशोधनों को तुरंत लागू नहीं कर आदिवासी स्वशासन परम्परा को देखते हुए अलग से कानून बनाकर लागू किया जाएगा जिसे हम झारखंड में पैसा कानून के रूप में आज देख रहे है।

वीबी-जी राम जी रोजगार के कानूनी अधिकार पर संकट : नायक

रांची : झारखंड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जहां आदिवासी और भूमिहीन मजदूरों की आजीविका मुख्य रूप से कृषि और दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है, वहां रोजगार की गारंटी न केवल एक योजना है, बल्कि जीवन का आधार है। कांग्रेस द्वारा 2005 में संसद से पारित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम ने लाखों मजदूरों को कानूनी रूप से 100 दिनों का रोजगार प्रदान कर उनकी गरिमा और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित की। लेकिन भाजपा सरकार की नई योजना, वीबी-जी राम जी, जो मूल रूप से मनरेगा का एक पुनर्ब्रांडिंग और संशोधित रूप है, मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। यह योजना सतही तौर पर रोजगार के अवसरों का वादा करती है, लेकिन वास्तव में यह मजदूरों की कानूनी सुरक्षा को छीनकर उन्हें सरकारी कृपा पर निर्भर बनाती है। इस लेख में हम मनरेगा और वीबी-जी राम जी की तुलना करेंगे, साथ ही उन अनछुए पहलुओं को उजागर करेंगे जो भाजपा की नीतियों के पीछे छिपे दलित आदिवासी गरीब मजदूर विरोधी एजेंडे को उजागर करते हैं – जैसे फंडिंग में कटौती, आदिवासी समुदायों पर प्रभाव, भ्रष्टाचार के बहाने कानूनी अधिकारों का हनन, और पर्यावरणीय न्याय की अनदेखी।

रांची में राष्ट्रीय बहुभाषी शिक्षा कॉन्क्लेव का आयोजन आज से

रांची: स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से शिक्षा व्यवस्था में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा मातृभाषा आधारित शिक्षण के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बुधवार से राष्ट्रीय स्तरीय बहुभाषी शिक्षा कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन राजधानी रांची के स्टेशन रोड स्थित बीएनआर चाणक्य होटल में किया जाएगा। यह जानकारी झारखंड शिक्षा परिषद की ओर से मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई। परिषद ने बताया कि कॉन्क्लेव का उद्घाटन विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू होंगे। कार्यक्रम में स्कूली शिक्षा और साक्षरता के सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्राथमिक शिक्षा निदेशक मनोज रंजन के अलावा एनसीईआरटी की प्रो उषा शर्मा, एलएलएफ के डॉ धीर झिंगरन, यूनिसेफ की पारुल शर्मा, पैनल चर्चा में प्रो रामानुजन मेघनाथन, अनुभव राजेश और डॉ महेंद्र मिश्र शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम में शामिल होनेवाले शिक्षक वक्ताओं में रमेनी मुंडा, दिलीप कुमार किस्कू और दमयंती बिरुआ सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, शिक्षक एवं कई शिक्षाविद शामिल होंगे। इस दो दिवसीय कॉन्क्लेव का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीतिइ2020 के अनुरूप देशभर में मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को सुदृढ़ करना और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार के बीच साझा समझ और रणनीति विकसित करना है। कॉन्क्लेव में झारखंड, बिहार, असम, छत्तीसगढ़, राजस्थान, त्रिपुरा, हरियाणा, ओडिशा और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के शिक्षाविदों की ओर से बहुभाषी शिक्षा के अनुभव, नवाचार और सीख को साझा किया जाएगा। इस राष्ट्रीय स्तरीय कॉन्क्लेव के जरिये देश में समावेशी, गुणवत्तापूर्ण और बाल-केंद्रित शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच साझा किया जाएगा, जिससे न केवल बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार होगा, बल्कि स्थानीय भाषाओं और सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण को भी राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलेगी।

186 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का किया गया आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 186 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने अखण्ड ज्योति एवं पूजन के सभी कार्य सम्पन्न करवाएं। श्री श्याम सेवा परिवार के भक्तों ने बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। भक्तों ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का वंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया अशोक लड़ियां अंकित सिंह संकेत चौधरी ऋषभ चौरसिया हर्ष मिश्रा प्रणव पांडे तुषार खेतान ईशानी गुप्ता रेनू अग्रवाल उपस्थित थे।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल

कोडरमा : सतगावां प्रखंड अंतर्गत तमोरिया पुल के समीप एक भीषण सड़क दुर्घटना का मामला प्रकाश में आया है। एक तेज रफ्तार हाईवा ने मोटरसाइकिल सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दिया, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार युवक अपने बहन को कोचिंग से छोड़कर घर लौट रहा था। वहीं जानकारी के अनुसार,घायल युवक की पहचान गावां सीमावर्ती थाना क्षेत्र के पसनौर ग्राम निवासी रितिक कुमार 22 वर्ष, पिता स्वर्गीय सचिन यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रितिक अपनी बहन को कोचिंग छोड़कर वापस घर लौट रहा था, इसी दौरान ब्लू डायमंड होटल के पास अनियंत्रित हाइवा ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।वहीं घटना के बाद स्थानीय राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस को सूचना दिया। जहां घायल रितिक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद, युवक की नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए कोडरमा सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। वहीं परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ इस घटना ने पीड़ित परिवार को झकझोर कर रख दिया है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही सतगावां थाना पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का जायजा लिया है और फरार हाइवा की तलाश की जा रही है।

सतगावां प्रखंड के डांडी गांव पहुंचे जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे

कोडरमा : सतगावां प्रखंड दौरा कार्यक्रम के दौरान डांडी गांव पहुंचकर सपना कुमारी भारतीय बॉर्डर फोर्स/ बीएसएफ मैं सफलता हासिल कर प्रशिक्षण देकर लौटी सपना कुमारी जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडे ने उनके आवास पर जाकर माला एवं गुलदस्ता देकर उन्हें सम्मानित किया। मौके पर केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार प्रखंड अध्यक्ष गणेश राय अजीत भगत धर्मेंद्र कुमार इम्तियाज आलम राजेश सिंह विजय सिंह इत्यादि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

मरकच्चो में राशन दुकान से डेढ़ लाख रुपये की चोरी

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के बन्धन चौक अस्पताल रोड के एक गल्ला की दुकान से नकद डेढ़ लाख रुपये की चोरी का मामला सामने आया है। इस सम्बंध में दुकान मालिक खुर्शीद आलम ने मरकच्चो थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दिए गए आवेदन में खुर्शीद आलम ने बताया है कि वह बन्धन चौक मरकच्चो में राशन दुकान चलाता हूँ। सोमवार को रात साढ़े 9 बजे दुकान बंद कर घर चला गया। मंगलवार की सुबह जब दुकान खोलने पहुंचा तो देखा कि दुकान का ताला गायब है तथा शटर का ताला भी खुला है। शटर उठाकर अंदर गया तो देखा कि गल्ला में महाजन को देने के लिए रखा गया 1,52,500 रुपये गायब है। तब पता चला कि दुकान में चोरी हुई है। जिसे लेकर खुर्शीद आलम ने थाना में आवेदन देकर उचित कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आवेदन के आलोक में मामले की छान बीन में जुट गई है।

झुमरी तिलैया में भाजपा का एकदिवसीय धरना नगर निकाय चुनाव में देरी पर जताया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : भाजपा नगर मंडल द्वारा राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं नगर निकाय चुनाव में जानबूझकर की जा रही देरी के विरोध में नगर परिषद कार्यालय, झुमरी तिलैया के समक्ष एकदिवसीय धरना का आयोजन किया गया। धरना की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुधीर सेठ ने की तथा संचालन झुमरी तिलैया मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी ने किया। धरना का उद्देश्य नगर निकाय चुनाव की तिथियों को तत्काल घोषित करने, दलियआधारित चुनाव कराने एवं मतदान प्रक्रिया में ईवीएम के प्रयोग की मांग करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हजारीबाग के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रभारी टुन्नू गोप ने कहा कि झारखंड की मौजूदा सरकार लोकतंत्र का गला घोंटने का काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर नगर निकाय चुनाव नहीं करा रही है क्योंकि उसे जनता के जनादेश से डर है। यह सीधे-सीधे संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि पाँच वर्षों से चुनाव नहीं होने के कारण नगर परिषद पूरी तरह पंगु हो चुकी है। शहर में गंदगी, जलापूर्ति, सड़क, स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाएं चरमरा गई हैं और राज्य सरकार आंख मूंदे बैठी है। टेंडर के नाम पर लूट व्याप्त है यह जनता का दिया हुआ टैक्स का पैसा है हमलोग इसे लूटने नहीं देंगें । प्रदेश कार्य समिति सदस्य नितेश चंद्रवंशी ने कहा कि नगर निकाय चुनाव टालना राज्य सरकार की नीयत और नाकामी को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों को हटाकर अफसरशाही के भरोसे शहर चलाना सरकार की तानाशाही मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा इस लोकतांत्रिक लूट को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। मौके पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य रामचंद्र सिंह प्रदेश कार्य समिति सदस्य रवि मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह, जिला महामंत्री शिवेंद्र नारायण सिन्हा, भाजपा नेता रमेश हर्षधर, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अरशद खान, सूरज प्रताप मेहता, दिनेश्वर प्रसाद, विजय राम, किशोर पंडित, विनोद सिंहा,राजेंद्र सिंह, महादेव दास, सहित अन्य वक्ताओं ने भी धरना प्रदर्शन में अपनी बातों को रखा। कार्यक्रम में जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद, ,राजकिशोर प्रसाद, रोहित शर्मा, बैजू यादव, पिंटू यादव, संतोष वर्मा,राजेश कुमार, दामोदर सिंह, पवन सिंह, अजय महतो, मुकेश कुमार साव, पिंटू यादव, परमेश्वर विश्वकर्मा, विकास जैन, विशाल भदानी, राजेश राणा, सुनीति सेठ, रीता देवी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

एएसआई बलिराम प्रसाद सिंह ने जन्मदिन पर गरीबों के बीच बांटे कंबल और मिठाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : मरकच्चो थाना में पदस्थापित ए एस आई बलिराम प्रसाद सिंह ने मंगलवार को अपने 46वें जन्म दिन के अवसर पर सामाजिक सरोकार का मिशाल पेश करते हुवे क्षेत्र के गरीब,बृद्ध व असहाय लोगों के बीच 21 कम्बलों व मिठाई का वितरण किया। इस दौरान अ३ बलिराम प्रसाद सिंह ने कहा कि जन्मदिन जैसे खास मौके पर जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित करना आत्म संतोष देता है। कड़ाके की ठंड में कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। स्थानीय लोगों ने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यों से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। इस मौके पर थाना प्रभारी मरकच्चो नंदकिशोर तिवारी एस आई गोविंद सिंह,ए एस आई मो इशराफुल समेत कई पुलिस कर्मी व लाभार्थी उपस्थित थे।

सतगावां सामुदायिक स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल : जिप सदस्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सतगावां : जिले के सुदूरवर्ती प्रखंड सतगावां की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से वेंटिलेटर पर आ गई है। प्रखंड के एकमात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की भारी कमी के कारण स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। इस गंभीर समस्या को लेकर जिला परिषद सदस्य नीतु कुमारी ने कोडरमा उपायुक्त को पत्र लिखकर अविलंब हस्तक्षेप की मांग की है। नीतु कुमारी के अनुसार, सतगावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वर्तमान में एक भी एम.बी.बी.एस. डॉक्टर मौजूद नहीं है। बताया गया कि यहाँ केवल एक डॉक्टर प्रतिनियुक्त थे, जो 3 जनवरी से 8 जनवरी तक अवकाश पर हैं। ऐसी स्थिति में पूरे प्रखंड की चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है और आम जनमानस त्राहि-माम कर रहा है। केवल GNM के भरोसे चल रहा है अस्पताल। जिप सदस्य ने अपने पिछले पत्राचार (दिसंबर 2025) का हवाला देते हुए बताया कि प्रखंड मुख्यालय से कई पंचायतें 20 से 25 किलोमीटर दूर जंगली और पहाड़ी इलाकों में स्थित हैं। सांप-बिच्छू के डंक, भालू के हमले या सड़क दुर्घटना में घायल लोग बड़ी उम्मीद लेकर इस केंद्र पर आते हैं, लेकिन यहाँ उन्हें केवल आधे-अधूरे प्राथमिक उपचार के बाद कोडरमा मुख्यालय रेफर कर दिया जाता है। अस्पताल वर्तमान में केवल जी.एन.एम. के सहारे चल रहा है। शिकायत पत्र में यह दर्दनाक सच्चाई भी सामने आई है कि सतगावां से कोडरमा मुख्यालय तक पहुँचने में लगभग डेढ़ घंटे का समय लगता है। उचित प्राथमिक इलाज और डॉक्टर न होने के कारण कई गंभीर मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। विशेषकर गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से घायलों के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो रही है।नीतु कुमारी ने उपायुक्त से आग्रह किया है कि सतगावां की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए यहाँ कम से कम एक महिला चिकित्सक सहित कुल चार डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए। इंजेक्शन और अन्य चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। व्यवस्था में अविलंब सुधार किया जाए ताकि लोगों की जान बचाई जा सके। सतगावां की जनता को उनके मौलिक स्वास्थ्य अधिकार मिल सकें।

कोडरमा में ठिठुरते गरीबों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने कंबल का किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक मे जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान मे कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकांत मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन मे एंव जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार के नेतृत्व मे गठित प्राधिकार की टीम ने इस कडाके की ठंड से ठिठुरते हुए बिना छत के रात भर जीवन बीता रहे गरीब बेसहारा व जरूरतमंद लोगो को कम्बल वितरित करते हुए अपनी संवेदनशीलता को प्रकट किया है।जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा द्वारा जिला प्रशासन कोडरमा के सहयोग से जिले के कोडरमा लोचनपुर नौवाडीह बस्ती सहित अन्य जगहों पर घूम घूम कर जरूरतमंद लोगो के बीच कंबल का वितरण किया गया । उल्लेखनीय है कि बीते रात प्रधान जिला जज रमाकांत मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन मे जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा की पुरी टीम कोडरमा लोचनपुर नौवाडीह गावं सहित अन्य इलाको मे देर रात तक घूम घूम कर ऐसे लोगो की तलाश की जो इस कडाके की ठंड मे बिना छत के जीवन व्यतीत करने को विवश है।साथ ही झुग्गी झोपडी मे रहने वाले ऐसे करीब सैकडो लोगो के बीच सचिव गौतम कुमार ने कम्बल वितरित किया । इससे जहां ठंढ से ठिठुरते लोगो के चेहरे पर खुशी एंव आशा की एक किरण झलकने लगी वही प्राधिकार की इस संवेदनशीलता की काफी सराहना की जा रही है। विदित हो कि इन दिनो अचानक बढी ठंड के कारण ठिठुरते लोगो को देखकर प्रधान जिला जज बेहद दुख वयक्त करते थे। इसी क्रम मे कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकांत मिश्रा की नजर बेहद ठंड की वजह से ठिठुरते कुछ लोगो पर पडी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधान जिला जज ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार को ऐसे जरूरतमंद लोगो के लिए तत्काल कंम्बल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार ने जिला प्रशासन के सहयोग से कंम्बल उपलब्ध कराया।

कोलकाता उच्च न्यायालय ने क्रिश्चियन माईका इंडस्ट्रीज की संपत्ति पर लगाया रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : एकीकृत बिहार के हजारीबाग जिले के कोडरमा में कभी पूरे विश्व में अभ्रक के चमक बिखरने वाली क्रिश्चियन माईका इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड की चल अचल संपत्ति पर अब भू-माफियाओं की नजर पड़ चुकी है। जिसका गलत तरीके से फर्जी कागजात तैयार कर बेचा जा रहा है तथा कुछ लोगों के द्वारा उक्त जमीन का घेराबंदी निर्माण कार्य किया जा रहा है। चल- अचल संपत्ति को लेकर कोलकाता उच्च न्यायालय द्वारा- मुकदमा संख्या- C.P. 117/1979 के आलोक में न्यायालय द्वारा दिनांक- 20.11.2025 को एक आदेश पारित कर क्रिश्चियन माईका इंडस्ट्रीज लिमिटेड डोमचांच इंडिया की चल अचल- संपत्ति पर रोक लगाई है। जिसमें मुख्य रूप से शिवसागर, लोकाई, झुमरी तिलैया, कोडरमा गिरिडीह जिले के तीसरी घोरंजी के अन्य जगह शामिल है। इस संबंध में क्रिश्चियन माईका इंडस्ट्रीज कंपनी लिमिटेड डोमचांच, इंडिया के संस्थापक स्व.रामकुमार अग्रवाल के पोते विक्रम अग्रवाल ने बताया कि लगातार मुझे जानकारी मिल रही थी कि हम लोगों की जमीन पर भू-माफियाओं की नजर है तथा उसका फर्जी कागजात तैयार कर गलत तरीके से व लोगों से मोटी रकम लेकर जमीन बेचा जा रहा था। उसी को लेकर कोलकाता उच्च न्यायालय ने एक आदेश पारित कर रोक लगाई है। इसके साथ ही हम लोगों के द्वारा पंपलेट बटवाकर व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कर किया जा रहा है ताकि भू-माफियाओं के काली करतूत पर पूर्ण रूप से लगाम लग सके।

केरसई में एकीकृत जेंडर रिसर्च सेंटर का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरसई : झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) एवं जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) के संयुक्त प्रयास से सोमवार को सिमडेगा जिले के केरसई प्रखंड में एकीकृत जेंडर रिसर्च सेंटर (जीआरसी) का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा ने दीप प्रज्वलित कर किया। यह केंद्र महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा, सामाजिक न्याय एवं आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत विकसित यह केंद्र जेएसएलपीएस, टीआरआई एवं सामुदायिक स्तर के संघ (सीएलएफ) के सहयोग से संचालित किया जाएगा। जेंडर रिसर्च सेंटर की विशेषता यह है कि यहां महिलाओं को एक ही मंच पर लैंगिक न्याय, परामर्श सेवाएं, घरेलू एवं अन्य प्रकार की लैंगिक हिंसा से जुड़े मामलों में सहायता के साथ-साथ कौशल विकास एवं रोजगार से जुड़ाव की सुविधा मिलेगी। केंद्र के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, उनके अधिकारों एवं पात्रता की जानकारी भी दी जाएगी। यह केंद्र महिला एवं बाल विकास विभाग, वन स्टॉप सेंटर तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ समन्वय कर कार्य करेगा। इसके साथ ही वुमन ऑफ वर्क हब (डब्ल्यूओडब्ल्यू हब) के माध्यम से महिलाओं को कैरियर परामर्श, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार से जुड़ाव, उद्यमिता मार्गदर्शन, ऋण सुविधा एवं मेंटरशिप प्रदान की जाएगी, जिससे सामाजिक या हिंसा से प्रभावित महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी पैंकरा ने घरेलू हिंसा, डायन कुप्रथा, बाल विवाह एवं नशाखोरी से उत्पन्न सामाजिक कुरीतियों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जेंडर रिसर्च सेंटर जैसे प्रयासों से समाज में इन बुराइयों पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि केरसई, जिला परिषद सदस्य केरसई, प्रखंड प्रमुख केरसई, थाना प्रभारी केरसई, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित जेएसएलपीएस के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

स्वास्थ्य मेले में संतुलित भोजन और नियमित जांच पर दिया गया जोर

ठेठईटांगर : प्रखंड में 6 जनवरी से 10 जनवरी 2026 तक आयोजित स्वास्थ्य मेले का लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर एमओआईसी डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित भोजन पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और समय पर इलाज से कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित ठेठईटांगर पंचायत की मुखिया संगीता मिंज ने कहा कि स्वस्थ रहना हम सभी के लिए बेहद जरूरी है। हमें न केवल स्वयं स्वस्थ रहना है, बल्कि अपने पूरे परिवार के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना है। स्वास्थ्य मेला इस दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर है, जहां लोगों को मुफ्त जांच और परामर्श की सुविधा मिल रही है। प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज ने सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि एक ही स्थान पर सभी प्रकार की जांच एवं इलाज की सुविधा मिलना ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने अधिक से अधिक ग्रामीणों से स्वास्थ्य मेले में पहुंचकर इसका लाभ उठाने की अपील की। स्वास्थ्य मेला ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है, जहां जागरूकता, जांच और इलाज तीनों की सुविधा एक साथ उपलब्ध कराई जा रही है।

अखिल भारतीय रौतिया समाज का शपथ ग्रहण समारोह 18 जनवरी को

सिमडेगा: अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद, प्रदेश समिति झारखंड द्वारा प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 18 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम पर्यटक स्थल हीरादह, गुमला जिला अंतर्गत रायडीह प्रखंड में संपन्न होगा। इस समारोह में समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिव, केन्द्रीय समिति के सभी पदाधिकारी, पूर्व केन्द्रीय समिति सदस्य, झारखंड प्रदेश के वर्तमान प्रदेश समिति, जिला समिति, प्रखंड समिति, क्षेत्रीय समिति, युवा समिति, महिला समिति एवं छात्र संघ के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। इसके साथ ही ओडिशा एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के प्रदेश एवं जिला स्तरीय पदाधिकारियों सहित समाज के प्रबुद्ध जनों को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। प्रदेश समिति ने झारखंड के सभी जिला एवं प्रखंड समितियों से आग्रह किया है कि वे अपने–अपने क्षेत्र से कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों की सूची 15 जनवरी 2026 तक प्रदेश समिति को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम की व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जा सकें। समारोह में सभी आमंत्रित पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य बताई गई है। यह जानकारी अखिल भारतीय रौतिया समाज विकास परिषद, प्रदेश समिति झारखंड के अध्यक्ष एवं सचिव द्वारा संयुक्त रूप से दी गई।

झुमरी तिलैया में पुलिस ने चलाया सघन जांच अभियान

झुमरी तिलैया : कोडरमा पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देश पर आज झुमरी तिलैया के विश्राम बाग रोड में तिलैया पुलिस द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर हेलमेट चेकिंग और एंटी–क्राइम चेकिंग की।इस अभियान का नेतृत्व तिलैया थाना के एसआई विजय गुप्ता ने किया। उनके साथ तिलैया थाना के जवान शामिल थे। जांच के दौरान पुलिस ने दोपहिया वाहनों की सघन तलाशी ली और बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के ऑनलाइन चालान काटे गए। इसके साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की भी बारीकी से जांच की गई ताकि आपराधिक गतिविधियों पर लगाम कसी जा सके। पुलिस की इस अचानक कार्रवाई से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा।

चंदवारा में इफको का किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम नैनो उर्वरकों पर दी गई तकनीकी जानकारी

झुमरी तिलैया : इफको हजारीबाग के तत्वावधान में प्रखंड चंदवारा, जिला कोडरमा में कृषकों के लिए तकनीकी जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 50 किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में पूजा बीज भंडार के संचालक अजीत यादव के साथ किसान रामचंद्र रजक, किशोर रजक, दिलीप कुमार, बंटी कुमार, किसान मित्र एवं एसएफए कोडरमा विजय कुमार उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान इफको के प्रबंधक अमित आनंद ने किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी। उन्होंने नैनो उर्वरकों जैसे नैनो यूरिया, नैनो डीएपी एवं नैनो जिंक के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि इनके प्रयोग से उर्वरक लागत में कमी आती है, पोषक तत्वों की उपलब्धता बेहतर होती है और फसल उत्पादकता में वृद्धि होती है। इसके साथ ही फसलों में आवश्यक प्रमुख पोषक तत्वों की भूमिका, उनके संतुलित उपयोग, पोषक तत्वों की कमी से उत्पन्न समस्याओं तथा उनके समाधान के बारे में भी किसानों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जैव उर्वरक एनपीके कंसोर्टियम, सागरिका लिक्विड एवं बकेट विधि से इनके प्रयोग की प्रक्रिया, लाभ तथा मृदा स्वास्थ्य सुधार में इनकी उपयोगिता पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में किसानों के साथ खुली चर्चा हुई, जिसमें किसानों ने अपनी जिज्ञासाएँ रखीं और विशेषज्ञों से व्यावहारिक सुझाव प्राप्त किए। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उन्नत, किफायती एवं पर्यावरण–अनुकूल कृषि तकनीकों से जोड़ना था, जिसमें यह आयोजन पूर्णतः सफल रहा। किसानों ने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

समाजसेवी मो. असलम अंसारी ने जरूरतमंदों में वितरित किए कंबल

कोडरमा : कोडरमा जिले के गझंडी पंचायत झुमरी तिलैया थाना के अन्तर्गत के समाजसेवी मो. असलम अंसारी उर्फ गुड्डू ने सोमवार को गुरीयडीह, बूचीदंड अमकोल, गझंडी बस्ती के अलावे अन्य क्षेत्रों में गरीब जरूरतमंद असहाय लोगों के बीच कड़ाके के ठंड को देखते हुए कंबल का वितरण किया गया। इस संबंध में समाजसेवी मो. असलम अंसारी उर्फ गुड्डू ने बताया कि समाज में गरीब, असहाय जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है तथा समाज में ऐसे कार्यों में बढ़ चढ़कर अपनी भागीदारी लेनी चाहिए मौका पर मौजूद महेश सिंह संदीप साव फुरकान मेराज कलाम राजेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

एक नजर

कांड्रा में अवैध बालू परिवहन पर कड़ा एक्शन दो ओवरलोडेड वाहन जब्त

सरायकेला : जिले में खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त, सरायकेला–खरसावाँ नितिश कुमार सिंह के निदेशानुसार आज दिनांक 06 जनवरी 2026 को जिला खनन पदाधिकारी के नेतृत्व में जिला खनन विभाग द्वारा कांड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत कांड्रा–टाटा मार्ग पर औचक जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान पिंडराबेड़ा के समीप अवैध रूप से एवं निर्धारित क्षमता से अधिक बालू खनिज का परिवहन करते हुए दो वाहनों (क्रमांक: JH05BS-2996 एवं JH01DB-2401) को जब्त किया गया। जब्त वाहनों को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत संबंधित थाना को सुपुर्द किया गया है। प्रकरण में नियमानुसार अग्रेत्तर विधिक कार्रवाई की जा रही है। जिला खनन पदाधिकारी द्वारा स्पष्ट किया गया कि जिले के किसी भी क्षेत्र में खनिजों के अवैध खनन, भंडारण अथवा परिवहन को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों एवं वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पलामू में दो ऑटो की टक्कर, युवक की मौत

पलामू : झारखंड के पलामू जिले में मोहम्मदगंज–जपला मुख्य पथ पर मंगलवार को दो ऑटो की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए। यह सड़क हादसा सोनबरसा नाग बाबा बायो पेट्रोल पंप के पास हुआ। दुखद है कि मृतक रवि कुमार (30) के 80 वर्षीय चाचा गणेश दास का निधन भी आज ही हुआ और उनका अंतिम संस्कार चल रहा था। पुलिस के अनुसार, रवि कुमार जपला भट्टी मोड़ का निवासी था और ऑटो चालक के रूप में सवारियों को ले जा रहा था। इसी दौरान मोहम्मदगंज के राजू मेहता के ऑटो से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रवि गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसने दम तोड़ दिया।

डीडीसी की अध्यक्षता में हुई धान अधिप्राप्ति की समीक्षा बैठक

किसानों के पंजीकरण और भुगतान में तेजी लायें अधिकारी : रीना हांसदा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : मंगलवार को समाहरणालय सभागार, सरायकेला में उप विकास आयुक्त रीना हांसदा की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी पुष्कर सिंह मुंडा, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी रौशन नीलकमल सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में धान अधिप्राप्ति की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बताया गया कि जिले में अब तक 742 किसानों द्वारा कुल 42,089.02 क्विंटल धान की बिक्री की जा चुकी है। जिले में कुल

6,191 पंजीकृत किसान हैं, जिनमें से अब तक 447 किसानों को धान विक्रय की राशि का भुगतान किया जा चुका है, जबकि शेष किसानों का भुगतान प्रक्रियाधीन है। समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा धान अधिप्राप्ति केंद्रों (लैम्पसवार) की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने किसानों के पंजीकरण की संख्या में वृद्धि सुनिश्चित करने, सभी अधिप्राप्ति केंद्रों से समय पर धान का उठाव कराने तथा एडवांस सीएमआर की नियत समय-सीमा के भीतर जनरेशन एवं प्राप्ति सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि धान विक्रय के उपरांत किसानों को देय राशि का भुगतान नियमानुसार त्वरित एवं सुचारु रूप से किया जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को पारदर्शिता बनाए रखते हुए, दस्तावेजों के समयबद्ध संधारण, डेटा अद्यतन एवं नियमित अनुश्रवण के माध्यम से धान अधिप्राप्ति कार्य का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि धान अधिप्राप्ति कार्य में किसानों के हित सर्वोपरि हैं तथा राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी प्रक्रियाओं का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

सरिया में चोरों का बेखौफ हमला, परिवार को कमरे में बंद कर उड़ाए छह लाख के जेवरात और नकदी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। एक सप्ताह में दो बड़ी चोरी की वारदातों के बाद अब सोमवार की रात चोरों ने बड़की सरिया गांव निवासी विशेश्वर पासवान के घर पर धावा बोल दिया। परिवार के सभी सदस्यों के सोते समय चोरों ने कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया और आराम से बक्सा तोड़कर 1 लाख रुपये नकद सहित करीब 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ कर फरार हो गए। कुल चोरी की राशि 6 लाख रुपये आंकी जा रही है।पीड़ित विशेश्वर पासवान की पत्नी रेखा देवी ने बताया कि रात में पूरा परिवार खाना खाकर अपने-अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह करीब 5 बजे जब कमरे से बाहर निकलने की कोशिश की तो दरवाजा बाहर से बंद मिला। शोर मचाने पर पड़ोसी और ग्रामीणों ने आकर दरवाजा खोला। तब पता चला कि अलमारी वाला कमरा तोड़ा गया है और बक्से में रखे कीमती जेवरात व नकदी गायब हैं। छत पर चढ़कर देखा तो तोड़ा हुआ बक्सा फेंका मिला और सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था।इस सनसनीखेज घटना से पूरे परिवार का बुरा हाल है। सदस्य रो-रोकर बेहाल हैं, जबकि गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से चोरों पर अंकुश लगाने और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। रेखा देवी ने सरिया थाना में लिखित आवेदन देकर चोरी का खुलासा करने और दोषियों को सजा दिलाने की गुहार लगाई है।घटना की सूचना मिलते ही सरिया पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीण अब रात में चौकसी बढ़ाने को मजबूर हैं। पुलिस जल्द खुलासे का दावा कर रही है, लेकिन चोरों का यह बेखौफ तांडव कब थमेगा, यह बड़ा सवाल बना हुआ है।

एसडीओ संतोष गुप्ता ने दिलाई सड़क सुरक्षा की सामूहिक शपथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : मंगलवार को अनुमंडल कार्यालय परिसर में एक प्रेरणादायक आयोजन हुआ, जहां अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता के कुशल नेतृत्व में सभी कर्मचारियों और उपस्थित जनसमूह को सड़क सुरक्षा की पवित्र शपथ दिलाई गई। इस महत्वपूर्ण पहल से सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और सुरक्षित यातायात की संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश पूरे क्षेत्र में गूंज उठा। मौके पर एलआरडीसी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, संजय कुमार बरनवाल,तहसीन अंसारी समेत कई गणमान्य व्यक्ति और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में शपथ ली कि यातायात नियमों का पालन करेंगे, तेज गति और लापरवाही से बचेंगे तथा दूसरों को भी जागरूक करेंगे। यह आयोजन सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित किया गया, जो न

केवल प्रशासनिक स्तर पर बल्कि आमजन में भी सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी जगाने का सराहनीय प्रयास साबित हुआ। अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता ने कहा कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा है और हर व्यक्ति की भागीदारी से ही हम एक सुरक्षित समाज का निर्माण कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

डालसा ने पटमदा में लगाया मानसिक स्वास्थ्य शिविर

पटमदा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के संयुक्त तत्वाधान मे पटमदा प्रखंड के माचा सीएचसी मे नालसा डीएडब्लूएन 2025 के तहत नशा मुक्ति विषय पर जागरूक किया गया। वही मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों एवं मिर्गी मरीज के नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 66 पुराना तथा चार नए मरीजों को सदर अस्पताल से आये डॉ दीपक कुमार गिरी के द्वारा निशुल्क जाँच किया गया एवं एक महीने का दवा उपलब्ध कराया गया। इस शिविर मे पटमदा, बोड़ाम, नीमडीह के अलावे पश्चिम बंगाल से पहुचे मरीजों को नशा मुक्ति हेतु नि:शुल्क परामर्श दिया गया। अगला कैंप 3 फरबरी को आयोजित होगा। शिविर को सफल बनाने मे जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के डॉ दीपक कुमार गिरी, स्मिता हेंब्रम, तंजीन कुल्लू एवं डालसा पी एल वी शिबशंकर महतो,निताई चंद्र गोराई, नंदा रजक, फटिक चंद्र महतो एवं मिथिलेश तिवारी का योगदान रहा। वही दूसरी और डालसा सचिव के निदेशानुसार पटमदा नालसा (डी ए डब्लू एन योजना 2025 के तहत पीएम श्री कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पटमदा में निबंध लिखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों को नशा छोड़ो जीवन जोड़ो बिषय पर विस्तृत जानकारी दिया गया। जिसमें पीएलभी शिव शंकर महतो नन्दा रजक एवं फटिक चन्द्र महतो का योगदान रहा।

खरसावां पुलिस का सराहनीय अभियान: नशा मुक्त और सशक्त समाज की दिशा में कदम

सरायकेला : पुलिस अधीक्षक महोदय, सरायकेला–खरसावां के निदेशानुसार मंगलवार को चौका थाना अंतर्गत ग्राम बनसा में चौका थाना पुलिस एवं ररइ मतकमडीह के संयुक्त तत्वावधान में एक व्यापक जागरूकता एवं जनकल्याण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को डायल 112, डायल बिसाही, सड़क सुरक्षा, तथा अफीम की अवैध खेती व बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान के दौरान चौका थाना प्रभारी एवं ररइ के जवानों ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशा मुक्त समाज की दिशा में सहयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम के तहत सामुदायिक पुलिसिंग एवं CIVIC ACTION PROGRAMME के अंतर्गत करीब 100 जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण किया गया। वहीं बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुस्तक, कलम, चॉकलेट तथा खिलाड़ियों के बीच फुटबॉल का वितरण कर सामाजिक सौहार्द और विश्वास का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने पुलिस एवं ररइ के इस मानवीय और जनहितकारी पहल की जमकर सराहना की तथा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की।

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY LIMITED
(Govt. of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Road, Ranchi-834001, Jharkhand.
Ph No.: +91-651-2225878, CIN: U45200JH2013SGC001752, e-mail Id-juidcolimited@gmail.com

Project Name: Request for Proposal (RFP) for Selection of Consultant for Preparation of Alternative Analysis Report (AAR) & Detailed Project Report (DPR) for Transit Corridors in Ranchi, Jharkhand
NIT No.: JUIDCO/ NIT/ AAR/ RNC/ 2025- 681 **PR No.**: 368649 **Tender ID**: 2025_UDD_107917_1
This is for information of all the bidders that following Corrigendum is being made in the subjected tender.
The bidders are advised to take into account the following Corrigendum before submission of their bids against this tender.

Corrigendum - 1

Sl. No.	Bid Document Ref.	Description	As per NIT	As per Corrigendum 1
1.	NIT	Last Date & Time of submission of Bid, Tender Fee and EMD online	06.01.2026 at 17:00 Hrs	15.01.2026 at 17:00 Hrs
2.		Date & Time of Bid Opening	07.01.2026 at 17:00 Hrs	16.01.2026 at 17:00 Hrs

Note: Other terms and conditions remain unchanged.
Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd.
PR 370084 Urban Development (25-26)_D

पूर्णिमा साहू ने टाटा स्टील से की बैठक, क्षेत्रीय जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने सोमवार को टाटा स्टील यूआईएसएल के महाप्रबंधक आर के सिंह से उनके कार्यालय में भेंट कर विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी जनसमस्याओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान विधानसभा अंतर्गत सातों मंडल के भाजपा अध्यक्ष भी मौजूद रहे। वार्ता के दौरान विधायक पूर्णिमा साहू ने टाटा अधीन क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क और साफ-सफाई जैसी मूलभूत नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारू रूप से उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देना प्राथमिकता है और इसके लिए संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय और निगरानी आवश्यक है। वार्ता में विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों ने अपने मंडल क्षेत्र अंतर्गत टाटा कमांड एरिया से जुड़ी समस्याओं को लेकर भी मांगपत्र सौंपा। वहीं, वार्ता में टीएस यूआईएसएल के महाप्रबंधक आर के सिंह ने अपने अधिकारियों के साथ सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को और अधिक प्रभावी एवं बेहतर बनाने की दिशा में टाटा स्टील यूआईएसएल निरंतर कार्य करेगा। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, मंडल अध्यक्ष युवराज सिंह, रंजीत सिंह, विकास शर्मा, रितेश झा, कुमार अभिषेक, बापन बनर्जी एवं अशोक सामंत प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन अंचल अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : नीमडीह अंचल कार्यालय परिसर में मंगलवार को प्रस्तावित एसएम स्टील का जनसुनवाई के विरोध में मंगलवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। संयुक्त ग्रामसभा के बैनर तले बड़ी संख्या में महिला-पुरुष सड़क पर उतरे और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने नीमडीह अंचल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि जनसुनवाई प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की सहमति और हितों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की परियोजना से पहले ग्रामसभा की स्पष्ट मंजूरी आवश्यक है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बाहरी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए स्थानीय संसाधनों पर खतरा बढ़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि जनसुनवाई की प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए और ग्रामसभा की सहमति के बिना कोई निर्णय न लिया जाए। साथ ही प्रभावित गांवों के हितों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। अंचल अधिकारी ने ज्ञापन प्राप्त करते हुए मामले को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने और नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। मौके पर कई ग्राम प्रधान एवं सैकड़ों महिला पुरुष उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्त झारखंड और डायन प्रथा उन्मूलन पर अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : सामाजिक कुरीति निवारण योजना के अंतर्गत संचालित हमारा संकल्प- सुरक्षित एवं सशक्त महिला सशक्त झारखंड कार्यक्रम के तहत आज नगर भवन, सरायकेला में बाल विवाह मुक्त झारखंड एवं डायन प्रथा उन्मूलन विषयक अनुमंडल स्तरीय एकदिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जन-जागरूकता बढ़ाना, संबंधित विधिक प्रावधानों की जानकारी देना तथा बालिकाओं एवं महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हेतु सामूहिक प्रयासों को सुदृढ़ करना

रहा। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह मुक्त झारखंड विषय पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसके माध्यम से उपस्थित जनों को बाल विवाह से बालिकाओं, परिवार एवं समाज पर पड़ने वाले सामाजिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्यगत दुष्परिणामों के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही प्रतिभागियों को अपने आसपास अथवा समाज में घटित हो रहे बाल विवाह के मामलों पर आवाज उठाने एवं समय रहते प्रशासन को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। प्रशिक्षण सत्रों में बाल विवाह एवं डायन प्रथा से संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त छात्राओं एवं महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के संबंध में जानकारी देकर उन्हें शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में लाभ लेने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को बाल विवाह मुक्त झारखंड एवं दहेज/डायन प्रथा उन्मूलन हेतु शपथ दिलाई गई, जिसमें सभी ने अपने परिवार, पड़ोस एवं समाज में इन सामाजिक कुरीतियों को रोकने तथा किसी भी ऐसी घटना की सूचना संबंधित प्रशासन को देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने समस्त जिलेवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बाल विवाह मुक्त झारखंड के लिए बनाए गए कानूनी प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन तथा समाज को निरंतर जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बालक-बालिकाओं को समान शिक्षा का अवसर प्रदान करने, बेटियों एवं महिलाओं को सशक्त बनाने तथा न दहेज लेंगे, न दहेज देंगे का सामूहिक संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बेटियों की समान भागीदारी से ही परिवार, समाज, राज्य एवं राष्ट्र का समग्र विकास संभव है। उप विकास आयुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि सामाजिक कुरीतियों का मूल कारण शिक्षा एवं जागरूकता का अभाव है।

झारखंड सरकार
अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
(उप निदेशक कल्याण कार्यालय, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, राँची)
नामांकन सबंधी सूचना वर्ष–2026–27

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, राँची अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित निम्न अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन–जाति आवासीय विद्यालयों में वर्ष 2026–2027 के रिक्ति के अनुसार वर्ग प्रथम में नामांकन हेतु इच्छुक छात्र/छात्राओं से विहित प्रपत्र में आवेदन पत्र दिनांक 16.02.2026 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, राँची अन्तर्गत संचालित विद्यालय :–

राँची– अनुसूचित जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, कमड़े।
अनुसूचित जाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, बुण्डू।
टाना भगत अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, सोनचीपी।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय,बारीडीह, रॉंची।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, तमाड़।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, अमनबुरू।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, ओरमांझी पिस्का।
खूँटी– अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, कुन्दी।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, हूँट,अड़की।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, तपकरा।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, डोम्बारी।
बिरसा आवासीय बालक उच्च विद्यालय, उलीहातु।
गुमला– अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, सखुआपानी।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, जोभीपाट।
टाना भगत अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय, चापाटोली।
टाना भगत अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, घाघरा।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, डोकापाट।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय, चौरापाट।
आदिम जनजाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, जेहनगुटुवा। (एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित)
आदिम जनजाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, महेशपुर, चैनपुर।(एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित)
आदिम जनजाति आवासीय प्राथमिक विद्यालय, तुसगाँव, बिशुनपुर।(एन0जी0ओ0 द्वारा संचालित)
लोहरदगा– अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक उच्च विद्यालय, किस्को।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय, लोहरदगा।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, पेशरार।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, तुयुमुपाट।
टानाभगत अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, बमनडीहा।
सिमडेगा– अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, हाटिंगहोड़े।
अनुसूचित जनजाति आवासीय बालिका मध्य विद्यालय, सेवई।

1. वर्ग प्रथम में नामांकन हेतु आवेदन प्रपत्र संबंधित विद्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।
2. अनुसूचित जाति के विद्यालय में अस्वच्छ कार्य में लगे परिवार के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत तथा मुसहर एवं भुईंया जाति के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत स्थान नामांकन में सुरक्षित रहेगा। उसी प्रकार अनुसूचित जनजाति की सभी उपजातियों के लिए संचालित आवासीय विद्यालयों में आदिम जनजातियों के लिए नामांकन में 25 प्रतिशत स्थान सुरक्षित रहेगा। यदि उक्त कोटि की आरक्षित सीटों के लिए छात्र/छात्राएँ उपलब्ध नहीं होते हैं तो प्रमंडलीय उप निदेशक, कल्याण का अनुमोदन लेकर मेधा सूची से ही अन्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति की अन्य उपजातियों के बच्चों/बच्चियों का नामांकन आरक्षित सीट के विरूद्ध किया जायेगा।
3. टानाभगत के लिए संचालित विद्यालय (सोनचीपी, बमनडीहा, चापाटोली एवं घाघरा) में टानाभगत के समुदाय के ही आवेदन–पत्र वर्ग प्रथम के लिए विद्यालय में हीं स्वीकार किए जायेंगे।
4. नामांकन हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 16.02.2026 निर्धारित है।
5. वर्ग प्रथम में नामांकन हेतु मौखिक परीक्षा दिनांक 21.02.2026 को सबंधित विद्यालय में प्रातः 11:00 बजे से होगी।
6. नामांकन हेतु चयनित छात्र/छात्राओं की सूची विद्यालय के सूचना पट्ट पर प्रकाशित की जायेगी।
7. नामांकन के समय चयनित छात्र/छात्राओं को आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र एवं बी0 पी0 एल0/आय प्रमाण पत्र एवं टाना भगत आवासीय विद्यालयों के लिए टाना भगत समुदाय का प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
8. गरीबी रेखा से नीचे आय वाले परिवार के बच्चों को ही नामांकित किया जायेगा इसके लिये बी0 पी0 एल0/ आय प्रमाण की सूची में नाम अंकित होने के आधार पर नामांकन की पात्रता निर्धारित की जायेगी।
9. बिरसा आवासीय उच्च विद्यालय, उलिहातु में प्रथम वर्ग में 40 छात्रों का नामांकन किया जायेगा जिसमें 10 बच्चे उलिहातु ग्राम के एवं 30 बच्चे अड़की प्रखंड के विभिन्न गाँव के होंगे।
10. जिन छात्र/छात्राओं के माता पिता सरकारी सेवा में कार्यरत है उनके बच्चों का नामांकन हेतु आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। इस आशय का घोषणा पत्र आवेदक के माता पिता/अभिभावक के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा करना अनिवार्य होगा। असत्य/फर्जी घोषणा देने वाले अभिभावक के विरूद्ध आवश्यक कानुनी कारवाई की जायेगी।
11. चयनित छात्र/छात्राओं को दिनांक– 20.03.2026 तक नामांकन कराना अनिवार्य होगा। प्रतीक्षा सूची से नामांकन– 01.04.2026 तक किया जायेगा।
12. इच्छुक छात्र/छात्राओं का चयन विभाग द्वारा गठित चयन समिति द्वारा करने के उपरान्त चयनित छात्र/छात्राओं के नामांकन हेतु कार्यवाही पंजी सभी सदस्यो से हस्ताक्षर के उपरान्त पंजी उप निदेशक कल्याण, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, राँची को दिनांक 25.02.2026 को उपस्थापित कर अनुमोदन प्राप्त कर लेंगें।

उप निदेशक, कल्याण,
दक्षिणी छोटानागपुर प्रमण्डल, राँची
PR 370102 (Welfare)25-26*D

'पर्याप्त' संख्या नहीं सोच है!

हर कोई अपने लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना चाहता है ताकि हर स्थिति का मुकाबला किया जा सके और इस बात की दौड़ लगी रहती है कि थोड़ा और हो जाता तो अच्छा होता। पर पर्याप्त की मरीचिका आगे-आगे भागती है और हम पीछा ही करते रहते हैं। आम आदमी की जिंदगी में अकसर ऐसी परिस्थिति आती रहती है जब सामने कोई नए मॉडल का फोन या कार, शर्ट या बैग या फिर कुछ भी नया लिए सजा-धजा दिखता है। इसे देख हमें भी लगता है कि वह सब मेरे पास भी हो। एक बार मेरे सामने भी एक युवा एक नए मॉडल के फोन के साथ फोटो खींच रहा था। मेरे मन में भी हिलोर उठी और मुझे लगा कि मेरे पास भी यह फोन होना चाहिए। फिर मैंने अपनी इच्छा पर किसी तरह काबू पाया। मेरे पास दो साल बाद भी आज अपना पहले वाला ही फोन है और वह ठीक काम कर रहा है और मैं खुश भी हूं। अब एक दूसरी घटना लीजिए। पिछले साल मैंने एक आई पैड खरीदा। सोचा था इससे लिखने-पढ़ने का काम और अच्छी तरह और सुविधापूर्वक कर सकूँगा। पर आई पैड के आने के बाद मेरे काम धाम में कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा। ज्यादातर समय वह आई पैड पड़ा ही रहा और मैं अपने पुराने लैपटाप से ही काम करता रहा। आई पैड को दो एक बार पोंछ-पाछ कर चार्ज जरूर किया था। ये महंगा था और अपने खर्चों में किसी तरह कतर-ब्योंत कर ही इसे खरीद पाया था। दरअसल नया फोन, नया सोफा, नया जूता या फिर कोई भी नई चीज लेने के बाद हफ्ते भर बीतते न बीतते वह चीज साधारण, बासी और पुरानी लगने लगती है। तब फिर हम उसे अपने उपयोग में नहीं लाते। ऐसा होने के बाद उसके लिए हमारी इच्छा की तीव्रता भी कम होने लगती है, वह ढलने लगती है। साथ ही बहुतेरी इच्छाओं के बीच से चुनने का अतिभार जैसा भी होने लगता है। हमारे सामने सवाल है कि इसे कैसे कम किया जाय या किफायती कैसे बना जाय? हमारे मस्तिष्क की पुरस्कार प्रणाली को अधिक जीवंत और संतोषप्रद कैसे बनाया जाय? "थोड़ा और" की प्रवृत्ति बताती है कि हमारा मस्तिष्क नए-नए संसाधनों को इकट्ठा करने में जुटा रहता है। आदिम मनुष्य के जीवन में भोजन इकट्ठा करने और दीर्घ जीवन के लिए यह युक्ति कारगर थी। आज के दौर में पुरस्कार की जगह बदलाव और अप्रत्याशित फायदे हमें अधिक आकर्षित करते हैं। इस व्यवस्था ने हमारे पूर्वजों को इस बात के लिए प्रेरित किया था कि वे "बस थोड़ा सा और" पाने की जुगत में ही उलझे रहें। तब यह निश्चित ही उपयोगी था क्योंकि इससे वे अस्पष्ट और अनिश्चय की स्थिति में भी जीवन यापन कर सके थे। सुरक्षा ही इसके पीछे यह जरूरी था। आज की बात कुछ और है। हमारी दुनिया बहुत बदल चुकी है। अब वैसी असुरक्षा और अनिश्चय की स्थिति नहीं रही। "थोड़ा और" अर्जित करने के अवसर अब हम पुराने माडल को अपग्रेड करने और अन्य चीजों के विकल्पों में बदल चुके हैं। इस बदली परिस्थिति में हम लोग जो कुछ हमारे पास पहले से है उससे जो ज्यादा है या बढ़-चढ़ कर है उसे चाहने लगते हैं। यह नियति का खेल है कि एक समय जिस बात ने जीवन को खुशहाल बनाया था वह अब बेकार की फिजूलखर्ची और भयानक असंतोष के दुष्चक्र को जन्म दे रही है। यह तरीका उस दौर के लिए था जब परिवेश में असुरक्षा थी और उपलब्ध साधन सीमित थे। आज के अतिशय और अतिरेक के दौर के लिए वह मौजू नहीं रहा। आज सामाजिक मीडिया का भी तेजी से उभार है। हम सब लगातार किसी को अपने से अलग कुछ और करते या खरीदते देखते हैं। इस तरह का अनुभव करते हुए हम खुद को बड़ा मजबूर महसूस करने लगते हैं। हमारे लिए "पर्याप्त" का आशय उस चीज को पाने से होता है जो हमारे पास मौजूद चीज से बाहर होता है। ऐसे में "कुछ और" या "थोड़ा और" कभी प्राप्त ही नहीं हो सकता । इच्छाओं के अनुकूलन की प्रवृत्ति के चलते आदमी जल्दी ही एक स्थिर खुशी के स्तर पर वापस लौट आता है। "थोड़ा और" कभी भी पर्याप्त इसलिए नहीं लगता कि हम इच्छाओं के अनुकूलन के शिकार होते रहते हैं। यानी हमारी प्रवृत्ति है कि हम बहुत जल्द एक अपेक्षाकृत स्थायी सुख के सामान्य स्तर पर आ टिकते हैं।

युवाओं को हिंदुत्व की शक्ति पहचानने की जरूरत

प्रमोद भार्गव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी यात्रा एक वैचारिक यात्रा है। मनुष्य की शारीरिक खुराक रोटी-पानी और हर हाथ को रोजगार के बाद जो सर्वाधिक जरूरी है, वह है मानसिक वैचारिक खुराक! इस खुराक में सब अस्मिताएं दर्ज हैं, जो किसी भी राष्ट्र के जीवंत रहने को प्रमाणित करती हैं। इसमें राष्ट्र की सीमाएं और उसमें आलोड़ित धर्म एवं संस्कृति के वे मूल्य अंतर्निहित रहते हैं, जिनमें भाषा, भेष-भूषा, खान-पान और रीति-रिवाज पारंपरिक रूप में गतिशील रहते हैं। इन भारतीय अस्मितावादी मूल्यों पर सबसे पहला बड़ा प्रहार इस्लामी आक्रांताओं ने किया, तो दूसरा प्रहार अंग्रेजों ने किया। इन प्रहारों ने सनातन संस्कृति के उन सब मूल्यों पर प्रबल आघात किए जो वैदिककाल से लेकर वर्तमान तक न केवल वर्चस्व बनाए हुए हैं, बल्कि अपनी संस्कृति के मूल स्त्रोतों से आज भी आंदोलित हो रहे हैं। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के यही अक्षुण्ण मूल्य भारत की अखंडता के आधार स्तंभ हैं।इस संदर्भ में विशिष्ट उपलब्धियां प्राप्त कर चुके युवाओं को भोपाल में संदेश देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि 'विश्व सत्य नहीं शक्ति की सुनता है। दुर्बल व्यक्ति सत्य भी बोले तो उसे कोई नहीं सुनेगा। ताकतवर की बात सही-गलत का विचार किए बिना सभी सुनते हैं। अतएव हमारे मत-पंथ संप्रदाय,भाषा और जाति भले ही अलग हों,लेकिन वह हिंदुत्व की पहचान ही है,जो हमें जोड़ती है। हमारी संस्कृति,धर्म और पूर्वज समान हैं।'वाकई यही समरस शक्ति हमें विश्व-शक्ति के रूप में स्थापित करने की ताकत रखती है। जैसे-जैसे हम इस गुरुत्वीय बल की एकरूपता में ढलते जा रहे हैं, वैश्विक स्तर पर हमारी शक्ति की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है।

सनातन इतिहास और बड़े पैमाने पर अतीत में हुए धर्मांतरण के परिप्रेक्ष्य में यह याद रखने की जरूरत है कि भारत में कोई भी अहिंदू नहीं है, क्योंकि सबके मूल में हिंदुत्व है। तथाकथित सांस्कृतिक मार्क्सवाद की अस्मिता के लिए यह बड़ा प्रतिकार है। यह एक ऐसा क्षितिज है, जो भारत विभाजन और मतांतरण की पड़ताल करता है। 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल के विभाजन और 30 दिसंबर 1906 को ढाका में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग का गठन हुआ। इसके बाद से ही दो राष्ट्रों के रूप में भारत विभाजन की सुगबुगाहट आरंभ हो गई थी। ज्यादातर कांग्रेस नेता इन सुगबुगाहटों से या तो निश्चिंत थे या फिर नजरअंदाज कर रहे थे। किंतु दूरदर्शी स्वतंत्रता सेनानी डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने अपने कानों में इस अनुगूंज को अनुभव किया और भारत की तत्कालीन धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों के आकलन के उपरांत इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि विभाजन की संभावना को टालने के लिए हिंदू समाज को न केवल संगठित करने की जरूरत है, अपितु राष्ट्रीय चेतना को जागृत करने की भी जरूरत है। हिंदुओं में परस्पर एकता का अभाव और जातीय अस्मिता को बनाए रखने वाली सुप्त पड़ी चेतना के कारण बड़े हिंदू समाज में आंतरिक विखंडन और आत्मगौरव का क्षरण निरंतर बढ़ रहा है। हिंदुओं की लाचार मनस्थिति और मुस्लिम लीग का इस्लाम के आधार पर बढ़ते विस्तार की पृश्ठभूमि में 27 सितंबर 1925 को विजयादशमी के दिन, मात्र 50 स्वयंसेवकों के साथ हेडगोवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नींव रख दी। राष्ट्र और भारतीय समाज के निर्माण में लगे इस संघ की उम्र अब सौ वर्ष हो गई है। आज संघ अपने पुनीत उद्देश्य के साथ संपूर्ण समाज को संगठित बनाए रखने का मूल-मंत्र देते हुए भारत को एक सशक्त और परम वैभवशाली राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर है। इस मंत्र की अवधारणा के चरित्र में राष्ट्रीय संस्कारों के बीजारोपण के साथ समरसता और स्वदेशी के भावों को परिपक्व करना है।

प्रत्येक मनुष्य के शरीर में एक अवचेतन मन होता है। यह हमारे दिमाग का वह हिस्सा है, जो हमारी चेतन जागरूकता के नीचे काम करता है। यह हमारे मस्तिष्क में दर्ज विचारों, भावनाओं और अंतक्रियाओं की पृष्ठभूमि में रहते हुए अंतर्चेतना को प्रभावित करता है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटने के बाद कांग्रेस नेता और मंत्री रहे गुलाम नबी आजाद ने कहा था कि "इस्लाम का उद्भव तो मात्र 1500 वर्ष पहले हुआ है, अतएव भारत में कोई भी बाहरी नहीं है। हम सभी मुसलमान इसी देश के वासी हैं। मूल रूप में वे हिंदू ही हैं। बाद में उनका मतांतरण हुआ। कश्मीर में सभी मुसलमान कश्मीरी पंडितों से धर्मांतरित हुए हैं। अतएव सभी का जन्म सनातन हिंदू धर्म में ही हुआ है।" आजाद ने यह बात डोडा के चिरल्ला गांव में 09 अगस्त 2023 को एक सभा में कही थी। बाद में यह वीडियो खूब वायरल हुआ था। फारुख अब्दुल्ला भी भगवान राम को सबके भगवान कहने के साथ अपने मूल में हिंदू होने को स्वीकार चुके हैं। सनातन संस्कृति की अवचेतन में आंदोलित हो रही जागृति की यह बात मजबूती से पाकिस्तान के प्रखर सिंधी राष्ट्रवादी नेता रहे जीएम सैयद ने बहुत तार्किक ढंग से उठाई थी। वे एक विद्वान लेखक थे। उन्होंने ही सिंधी पहचान के लिए वैचारिक आधार तैयार किया और सिंधुदेश आंदोलन की नींव रखी थी। वे 1937 में सिंध विधानसभा के सदस्य चुने गए और 1940 में शिक्षा मंत्री बने थे। इन्होंने ही 1946 में कट्टरवादी मुस्लिम लीग से अलग होकर 'प्रोगेसिव मुस्लिम लीग' की स्थापना की थी। 1970 के दशक में उन्होंने ही 'जय सिंध मुत्ताहिदा महाज' एक सिंधी राष्ट्रवादी दल बनाया जिसका लक्ष्य सिंध को पाकिस्तान से पृथक कर स्वतंत्र देश का निर्माण था। आज भी पाकिस्तानी सेना की दमनकारी नीतियों के विरोध में जय सिंध मुत्ताहिदा महाज और जय सिंध कौमी महाज जैसे संगठन स्वतंत्र सिंधुदेश की मांग का अलख जगाए हुए हैं। ऐसा ही संदेश नए साल 2026 के स्वागत में विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर बलोच नेता मेरे यार बलोच ने कहा, " भारत और बलूचिस्तान के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संबंध पुराने समय से हैं। यहां स्थित हिंगलाज माता का मंदिर दोनों देशों की साझा धार्मिक-आध्यात्मिक विरासत है।"

अवचेतन में निहित इसी सांस्कृतिक जागरण के परिप्रेक्ष्य में जीएम सैयद ने कहा था, " मैं पाकिस्तानी तो मात्र 43 साल से हूं, जबकि मुसलमान 700 साल से हूं। परंतु सिंधी पांच हजार वर्ष से हूं।" यानी वैदिक काल से अवचेतन में बैठी अपनी संस्कृति के आत्मबोध की यह स्वीकारता, उसी ऋग्वैदिक भू-सांस्कृतिक वैचारिकता का उद्घोष है, जिसे आज संघ ह्यहिंदुत्वह्य या सनातन हिंदुत्व कह रहा है। सांस्कृतिक पहचान का यह आत्मबोध प्रत्येक उस धर्मांतरित हिंदू के अवचेतन में अंगड़ाई ले रहा है, जो आक्रांताओं की तलवार की नोक पर लाचारी की अवस्था में अपने धर्म से विमुख हुए। कालांतर में जैसे-जैसे आत्मबोध के भाव जागृत होंगे, वैसे-वैसे घर वापसी में तेजी आएगी ?

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज अपनी शताब्दी यात्रा पर है। एक सदी की यह यात्रा केवल संगठन एवं अपने अनुषांगिक संगठनों का विस्तार या उन्हें कट्टर हिंदू बनाना भी नहीं है, बल्कि भारत में रहने वाले सभी जाति एवं धर्म समुदायों के बीच समावेशी सद्भाव विकसित करना है। यह यात्रा सामाजिक जीवन में रचनात्मक बदलाव के लिए राष्ट्रीय चेतना का पुनर्जागरण है। यही वह भाव है, जिसका उद्घोश जीएम सैयद ने किया था और अब गुलाम नबी आजाद तथा बलूच नेता मीर यार कर रहे हैं। इसी समावेशी भाव को पुरातत्वशास्त्री केके मोहम्मद ने समझते हुए इस्लामिक कट्टरता का परिचय दिए बिना अयोध्या के विवादित ढांचे के गर्भ में समाए अवशेष को आक्रांताओं द्वारा तोड़े गए राम मंदिर के साक्ष्य बताया। उनका मानना है , " हिंदू आस्था के स्त्रोत काशी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह हिंदुओं को सौंप देना चाहिए। क्योंकि इन स्थलों से मुस्लिमों की कोई भावना नहीं जुड़ी है। राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम इसी समावेशी भाव के अनुगामी थे। जिस राष्ट्र की मूल वैदिक संस्कृति की सांस्कृतिक अवधारणा में संपूर्ण मानव जाति के लिए समावेशी जीवन-दर्शन और कल्याण के भाव हैं, वह वैशिष्ट्य अन्य संस्कृतियों में कहीं नहीं है।" इसी परिप्रेक्ष्य में 'भारत एक हिंदू राष्ट्र है।' हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का अर्थ किसी को बाहर करना नहीं है, अपितु सभी समुदायों और आस्थाओं का इसमें समावेशन करना है, क्योंकि भारत सभी का है। इसीलिए भारत में अब जातिगत बाधाओं को जड़-मूल से खत्म करने के लिए एक कुआं, एक मंदिर और एक शमशान की भावना से काम हो रहा है। इस संदर्भ में वास्तव में हिंदू राष्ट्र और भारतीय राष्ट्र एकभाव हैं।

विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुग : बदली सोच, उभरी शक्ति

ललित गर्ग

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105: 100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है। सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह 'बाहरी शक्ति' है-भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है।

इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को 'सहायता पाने वाली' नहीं, बल्कि 'निर्णय लेने वाली' बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है।

माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ-सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है।

सूडोकु नवताल- 7667

★★★✬✩ मध्यम

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7666 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार : मानवाधिकारों की चुप्पी और सभ्यता की शर्म

कृष्णमोहन झा

बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय के साथ हो रही घटनाएं अब किसी 'आंतरिक कानून-व्यवस्था' का विषय नहीं रहीं। यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों की खुली अवहेलना अल्पसंख्यकों के विरुद्ध सुनियोजित हिंसा और वैश्विक नैतिकता की कठोर परीक्षा बन चुकी हैं। जब एक हिन्दू विधवा के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसके बाल काट दिए जाते हैं और उसे पेड़ से बांध दिया जाता है, जब एक हिन्दू नागरिक की हत्या कर दी जाती है, जब एक स्थानीय अखबार के संपादक को केवल इसलिए सिर में तीन गोलियां मार दी जाती हैं क्योंकि उसने सच लिखने का साहस किया–तो यह केवल अपराध नहीं, बल्कि सभ्यता के विरुद्ध अपराध है।

सबसे भयावह तथ्य यह है कि ये घटनाएं अपवाद नहीं हैं। वर्षों से बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हमले, हत्याएं, महिलाओं के साथ यौन हिंसा, मंदिरों पर हमले, जबरन पलायन और भय का वातावरण–लगातार रिपोर्ट होते रहे हैं। हर घटना के बाद आश्वासन दिए जाते हैं, जांच के वादे होते हैं, लेकिन जमीन पर हिन्दुओं की असुरक्षा जस की तस बनी रहती है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार घोषणा, अंतरराष्ट्रीय नागरिक एवं राजनीतिक अधिकार संधि और अल्पसंख्यक अधिकारों से जुड़े तमाम वैश्विक दस्तावेज स्पष्ट कहते हैं कि धर्म, आस्था और पहचान के आधार पर किसी भी समुदाय को हिंसा, भेदभाव और उत्पीड़न से बचाना राज्य का दायित्व है प्रश्न यह है कि क्या बांग्लादेश इस दायित्व का निर्वाह कर पा रहा है? या फिर राज्य की कमजोरी–या मौन सहमति–हिंसक तत्वों को खुली छूट दे रही है? जब किसी देश में एक समुदाय की महिलाएं बार-बार यौन हिंसा का शिकार होती हैं, उनकी धार्मिक पहचान के कारण उन्हें निशाना बनाया जाता है, और दोषियों को दंड नहीं मिलता–तो वह स्थिति Systematic Persecution की श्रेणी में आती है। यह केवल मानवाधिकार उल्लंघन नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय है।

मानवाधिकार इतिहास बताता है कि जब किसी समुदाय को भयभीत कर तोड़ना होता है, तो महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। बांग्लादेश में हिन्दू महिलाओं के साथ हो रही हिंसा को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। एक विधवा के साथ सामूहिक दुष्कर्म, उसके बाल काटना, सार्वजनिक अपमान–यह सब केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि सामूहिक आतंक फैलाने की रणनीति है। यह सवाल अंतरराष्ट्रीय महिला अधिकार संगठनों से भी है–क्या महिला अधिकार केवल कुछ भौगोलिक क्षेत्रों या कुछ पहचानों तक सीमित हैं? क्या हिन्दू महिला होना वैश्विक संवेदना को कम कर देता है?

एक स्थानीय अखबार के हिन्दू संपादक की हत्या–जिसे सिर में तीन गोलियां मारी गईं–केवल एक पत्रकार की हत्या नहीं है। यह स्वतंत्र पत्रकारिता लोकतंत्र और सत्य के अधिकार पर सीधा हमला है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार, पत्रकारों की हत्या राज्य की विफलता मानी जाती है। जब हत्याएं होती हैं और दोषी बच निकलते हैं, तो संदेश साफ होता है सच बोलोगे तो मारे जाओगे

यह प्रश्न अंतरराष्ट्रीय मीडिया संगठनों और प्रेस फ्रीडम इंडेक्स तैयार करने वाली संस्थाओं से भी है–क्या हिन्दू पत्रकार की हत्या उनकी प्राथमिकताओं में आती है? बांग्लादेश में हिन्दू जनसंख्या का लगातार घटना–यह किसी प्राकृतिक जनसांख्यिकीय परिवर्तन का परिणाम नहीं है। यह डर, हिंसा और असुरक्षा से उपजा मौन पलायन है। इतिहास गवाह है कि जब कोई समुदाय अपने ही घर में सुरक्षित नहीं रहता, तो वह या तो झुकता है या पलायन करता है। यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए चेतावनी होनी चाहिए।

यह प्रश्न केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं है। यह प्रश्न भारत का है–उस भारत का, जो स्वयं को सनातन सभ्यता का केंद्र और लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक मानता है। यदि हम सांस्कृतिक रूप से हिन्दू राष्ट्र के नैतिक नेतृत्व की बात करते हैं, तो सीमाओं के पार पीड़ित हिन्दुओं के प्रति संवेदनहीनता कोई विकल्प नहीं हो सकती

यह न तो युद्ध की मांग है, न हस्तक्षेप की घोषणा। यह नैतिक हस्तक्षेप की मांग है अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्पष्ट और निरंतर आवाज संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार परिषद में औपचारिक मुद्दा बांग्लादेश सरकार से जवाबदेही और पीड़ितों को यह भरोसा कि वे अकेले नहीं हैं यह भी एक असहज सत्य है कि वैश्विक मानवाधिकार विमर्श चयनात्मक संवेदनशीलता से ग्रस्त है। कुछ क्षेत्रों और कुछ समुदायों पर अत्याचार होते ही दुनिया जाग जाती है। लेकिन जब हिन्दू अल्पसंख्यक पीड़ित होते हैं, तो वही दुनिया असहज चुप्पी ओढ़ लेती है।क्या मानवाधिकारों की परिभाषा धर्म देखकर तय होती है?क्या पीड़ित की पहचान तय करती है कि उस पर कितनी चर्चा होगी?इतिहास बताता है कि अत्याचार केवल हथियारों से नहीं होते–वे मौन से भी होते हैं। जब समाज, राष्ट्र और विश्व पीड़ित की चीख पर चुप रहते हैं, तब अत्याचारी को वैधता मिलती है। बांग्लादेश में आज जो हो रहा है, वह केवल वहां के हिन्दुओं की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की परीक्षा है।

यह समय बयान जारी करने का नहीं, दृढ़ कार्रवाई और स्पष्ट नैतिक पक्ष लेने का है। यदि आज भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय, मानवाधिकार संगठन और लोकतांत्रिक राष्ट्र चुप रहते हैं, तो इतिहास उन्हें निर्दोष नहीं मानेगा। बांग्लादेश के हिन्दू कोई पराए नहीं हैं। उनका दर्द किसी दूसरे देश का आंतरिक मामला नहीं है। यह मानवाधिकारों का वैश्विक प्रश्न है।और यदि आज भी हम चुप रहे, तो कल जब इतिहास पूछेगा जब निर्दोषों पर अत्याचार हो रहा था, तब तुम कहाँ थे? तो हमारे पास देने के लिए कोई उत्तर नहीं होगा।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

दैनिक पंचांग

7 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.16 बजे से
चंद्र	सिंह में	कुंभ	09.03 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.36 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.46 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.44 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.58 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.14 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.26 बजे से
राहुकाल		तुला	00.37 बजे से
12.00 से 1.30		वृश्चिक	02.51 ब.से
बजे तक		धनु	05.07 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का सातवा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 06.53 बजे तदनन्तर पंचमी 06.34 बजे प्रात: को समाप्त। **नक्षत्र** मघा 11.57 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 18.34 बजे को समाप्त। **करण** बालव 06.53 बजे, कौलव 18.37 बजे तदनन्तर तैतिल 06.34 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 24' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872582 **जूलियन दिन** 2461047.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 17

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

पतरातू अंचल के क्लर्क के निधन पर हुई शोक सभा

रामगढ़ : पतरातू अंचल के क्लर्क के निधन पर हुई मंगलवार को समाहरणालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। पतरातू अंचल के उच्च वर्गीय लिपिक मनोज उरांव का आकस्मिक निधन हो गया था। इस दौरान डीडीसी आशीष अग्रवाल सहित अन्य जिला स्तरीय वरीय अधिकारियों, अधिकारियों एवं कर्मियों के द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गयी।

फायरिंग मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के भूपतडीह में जमीन विवाद को लेकर हुई हवाई फायरिंग और मारपीट की घटना में शामिल आरोपित रानू साव सहित चार आरोपितों को जमुआ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया है। जमुआ थाना प्रभारी ने मंगलवार को बताया कि चारों को जेल भेज दिया गया है। बताया गया कि प्रमुख आरोपित रामू साव जमुआ थाना क्षेत्र के द्वारपहरी का रहने वाला है। उल्लेखनीय है कि रविवार को जमुआ थाना क्षेत्र के भूपतडीह में जमीन विवाद को लेकर हवाई फायरिंग और मारपीट की घटना घटित हुई थी। जिसमें संतोष कुमार विश्वकर्मा पर जमीन खरीदारी करने के बाद पैसा नहीं देने पर रामू साव और विजय साव (जमुआ थाना क्षेत्र के द्वारपहरी निवासी) ने पहले हवाई फायरिंग कर लोगों के बीच दहशत फैलाने का काम किया और उसके बाद पिस्टल के बट से मारपीट की वारदात को अंजाम दिये जाने का मामला सामने आया था। घटना की जानकारी मिलने के बाद जमुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से खोखा बरामद करते हुए मामले में कार्रवाई करने में जुटी थी । इसी दौरान पुलिस ने रामू साव सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। सभी को सोमवार देर शाम सदर अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पलामू के 34वें डीआईजी बने आईपीएस किशोर कौशल, संभाला कार्यभार

पलामू ; पलामू के 34वें पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) के रूप में वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी किशोर कौशल ने मंगलवार सुबह करीब 11 बजे विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया। पुलिस लाइन रोड स्थित डीआईजी कार्यालय पहुंचने पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। कार्यभार संभालने के दौरान पलामू की पुलिस अधीक्षक (एसपी) रीष्मा रमेशन ने डीआईजी किशोर कौशल को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद डीआईजी ने कार्यालय के पुलिस पदाधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और सभी को निष्पक्ष एवं प्रभावी पुलिस प्रशासन देने का आश्वासन दिया। मीडिया से बातचीत में डीआईजी किशोर कौशल ने कहा कि पलामू में बेहतर पुलिसिंग उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराध और नक्सलवाद पर कड़ी चोट की जाएगी और विधि-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिसकर्मियों से टीम भावना के साथ काम करने का आह्वान किया और कहा कि समन्वय और अनुशासन से ही बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। डीआईजी ने आम नागरिकों से भी पुलिस प्रशासन को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास और सहयोग से ही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि आईपीएस अधिकारी नौशाद आलम के स्थानांतरण के बाद से पलामू डीआईजी का पद लंबे समय से रिक्त था।

छात्रवृत्ति और कल्याणकारी योजनाओं की हुई समीक्षा, डीसी ने समय पर निपटारे के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मंगलवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में जिला कल्याण विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी ने पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति और प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में प्राप्त आवेदनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सत्यापन के उपरांत इन आवेदनों का भुगतान किया जाना है।

उपायुक्त ने प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ देने के लिए आवेदनों को स्वीकृति देने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आवेदनों का समय पर निपटारा किया जाए ताकि विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति मिल सके। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, साइकिल वितरण योजना, सरना मसना कब्रिस्तान घेराबंदी निर्माण सहित अन्य योजनाओं में आए आवेदनों का समय पर निपटारा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योग्य लाभुकों को चिन्हित करते हुए योजना का लाभ दिया जाए। बैठक में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, जिला शिक्षा पदाधिकारी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएं और लाभुकों को समय पर लाभ पहुंचाएं। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि सभी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों तक पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने उपायुक्त को आश्वस्त किया कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाएंगे और लाभुकों को समय पर लाभ पहुंचाएंगे।

कुजू में बालू कारोबारी के घर पर अंधाधुंध फायरिंग, इलाके में दहशत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के कुजू सीसीएल क्षेत्रीय चिकित्सालय कार्यालय स्थित नया मोड़ इलाके में बालू कारोबारी डब्बू सिंह उर्फ सागर सिंह के आवास पर हथियारबंद अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन क्षेत्र में दहशत फैल गई। सूत्रों के अनुसार, दो अपराधी एक बाइक पर सवार होकर आए और करीब 10 राउंड गोलियां चलाईं। फायरिंग के दौरान आवास की खिड़कियों, गेट और वहां खड़ी गाड़ियों में गोलियों के निशान पाए गए हैं। घटना के बाद मौके पर राहुल दुबे गैंग ने एक लेवी का पर्चा छोड़ दिया, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल से खोखे बरामद किए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और अपराधियों की पहचान कर बहुत जल्द गिरफ्तारी कर ली जाएगी। इस घटना के बाद नया मोड़ और आसपास के क्षेत्रों में व्यवसायियों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। मौके पर पुलिस बल के जवान मौजूद हैं और जांच जारी है। बता दें कि पूरे रामगढ़ जिले में बालू का टेंडर डब्बू सिंह को मिली है, जिसके कारण अपराधियों ने निशाना बनाया है।

यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन ने मनाया 88वां स्थापना दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन (वउहव) का 88वां स्थापना दिवस समारोह 6 जनवरी 2026 को भुरकुंडा कोलियरी के बांसगड़ा खदान में एक सभा के माध्यम से मनाया गया। इस बैठक की अध्यक्षता सीसीएल सुरक्षा समिति के सदस्य विकास कुमार ने की। इस अवसर पर यूनियन के केंद्रीय सचिव नरेश मण्डल ने अपने भाषण में कहा कि यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की स्थापना 4 जनवरी 1939 को हुई थी, जिसकी स्थापना गिरिडीह के बनियाडीह वेश वर्कशॉप कामगारों के द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि एटक त्याग, बलिदान और आंदोलन का प्रतीक है। 1972 में धनबाद में तीन यूनियन को मिलाकर यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन की स्थापना की गई थी। नरेश मण्डल ने कहा कि 4 श्रम संहिता कानून से कोल इंडिया के मजदूरों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। चार श्रम संहिता कानून के लागू होने पर मजदूरों की आवश्यकताओं में कटौती की जाएगी, काम का घंटा 8 घंटे से बढ़कर 12 घंटे से 16 घंटे तक होंगे, हड़ताल करने की आजादी नहीं रहेगी, कोयला मजदूरों का वेतन समझौता दो पक्षीय नहीं होगा, इत्यादि। समारोह में जेसीएससी मेंबर सह केंद्रीय सचिव नरेश मण्डल, सीसीएल सुरक्षा सदस्य विकास कुमार, शाखा सचिव लखेन्द्र राय, सहायक सचिव अनुज कुमार, रंजीत कुमार, अफजल हुसैन, संतोष कुमार, शाखा कोषाध्यक्ष अशोक राम, आदि साथियों ने सम्बोधित किया। साथ ही भूरकुण्डा हॉस्पिटल, परियोजना कार्यालय, सिविल विभाग, आरडब्ल्यूएस आदि, भूरकुण्डा के कर्मचारियों /मजदूरों का मुंह मीठा भी कराया गया।

पैसा नही लौटाने के कारण काम से निकाले मजदूरों की पुन वापसी हो : बिके चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पाकर्मीयों एवं ठेकाकर्मीयों के ज्वलंत समस्याओं को लेकर आज एस एम एस 2/ सी सी एस के मुख्य महाप्रबंधक दीप कुमार सक्सेना सहाब के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के नेतृत्व मे बिभागीय शाखा कमिटी के सदस्यों के साथ सभी समस्याओं पर बहुत हीं सकारात्मक बार्ता हुआ जिसमे ई एल बोनस का पैसा नही लोटाने बाले दो मजदूरों को काम से निकाल दिया था जो क्रमशः दिलीप बाउरी और बिकाश कुमार महतो मे से मेडिकल, सेफ्टी कर चूके दिलीप बाउरी को दो दिन के भीतर काम पर वापस बुला लिया जायगा जबकि बिकाश कुमार महतो को मेडिकल, सेफ्टी कराकर जनबरी माह के भीतर काम पर वापस लाया जायगा ।साथ साथ क्रेन नम्बर-2-3,4 कास्टर वे पर लिफ्ट लगाने,एल एफ -1 मे साउंड एवं डस्ट इत्यादि पर बहुत सकारात्मक रहा क्योंकि यह मांगे 2005 से लम्बित था जिसे लगातार ई डी से एम डी स्तर पर जय झारखंड मजदूर समाज उठाते रहा है। अन्त मे बि के चौधरी ने कहा कि जिस तरह ठेकाकमीर्यों का मनी कट के कारण काम से निकालना एवं सुरक्षा तथा अन्य मांगो पर सी जी एम का आन द मिटिंग मे निर्णय लिया वह काविले तारीफ है। सभी बिभागाध्यक्ष को सक्सेना सहाब से सीख लेना चाहिए। बार्ता मे ईन्जिनियर ईन्चार्य महाप्रबंधक दिनेश साहू, बिभागीय कार्मिक पदाधिकारी अभिशेख कुमार एवं युनियन प्रतिनिधिमंडल मे संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, आई अहमद, जे एल चौधरी, अमोद कुमार, जसदीप सिंह, मनीष कुमार इत्यादी ने बार्ता मे भाग लिया।

कुख्यात चोर बबलु राम गिरफ्तार, एक किलो चांदी के पायल समेत लूट का माल बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि बोकारो शहर का कुख्यात चोर बबलु राम उर्फ भाटिया बड़ी चोरी की योजना बना रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसपी ने डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में छापामारी दल गठित किया। दल ने कोर्ट के बाहर घूमते आरोपी को धर दबोचा। पूछताछ में उसने कई चोरियों की बात कबूल की और निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद कर लिया।गिरफ्तार आरोपी बबलु राम उर्फ भाटिया (30 वर्ष), पुत्र स्व. राजू राम, निवासी कथारा बाजार सब्जी मंडी, डोमपाड़ा, थाना बीटीपीएस, बोकारो का रहने वाला है। उसके कब्जे से एक लेनेवो लैपटॉप, लैपटॉप चार्जर, 9 जोड़ी चांदी के पायल (वजन लगभग 1 किलोग्राम) और ताला-अलमारी तोड़ने वाले लोहे के औजार बरामद हुए।लंबा अपराधिक इतिहासः आरोपी के खिलाफ 8 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें चोरी, घर में घुसपैठ और लूट जैसे अपराध शामिल हैं। इनमें चंद्रपुरा थाना कांड 134/23 (04.10.2023, धारा 457/380 भादवि), बीएस सिटी कांड 157/23 (27.07.2021, धारा 356/379/34), कांड 230/2021 (22.11.2021, धारा 356/382/34), दुग्दा कांड 76/23 (15.09.2023, धारा 380/411/34), बीटीपीएस कांड 02/22 (06.01.2022, धारा 457/380/34), पिरजोराजोरा कांड 51/21 (17.05.2021, धारा 379/461/411), बीएस सिटी कांड 257/2025 (26.11.2025, धारा 331(4)/305(ए) बीएनएस) और कांड 265/2025 (13.12.2025, धारा 334(2)/303(2) बीएनएस) प्रमुख हैं।

महिलाएं ठान लें, तो महिलाओं पर अत्याचार नहीं होगा, आप सशक्त हैं : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पेटरवार प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में सुरक्षित एवं सशक्त झारखंड अभियान के अंतर्गत अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, बाल विवाह पर रोकथाम, डायन कुप्रथा उन्मूलन एवं लैंगिक समानता को सुदृढ़ करना रहा। कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, डीएसडब्ल्यूओ डा. सुमन गुप्ता, स्टेट नोडल पदाधिकारी सुजाता कुमारी, नोडल रिसोर्स पर्सन विक्रम कुमार आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि यदि महिलाएं ठान लें तो महिलाओं पर अत्याचार नहीं हो सकता। महिलाएं स्वयं में सशक्त हैं, जरूरत है तो केवल आत्मविश्वास और जागरूकता की। उन्होंने समाज से महिलाओं के प्रति सम्मान और समान अवसर की भावना विकसित करने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि बेटियां देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं। जिस घर में बेटी का जन्म हो, वहां खुशियां मनाई जानी चाहिए। उन्होंने समाज के लोगों से आह्वान किया कि वह ऐसे घरों में जाकर बधाई दें, उपहार दें और गर्व के साथ कहें - बधाई हो, बेटी हुई है...। इससे बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जो लोग आपको आशीर्वाद देने के लिए हाथ उठाते हैं, जो कहते हैं खुश रहो और खूब तरक्की करो - उन्हीं का आशीर्वाद लें। नकारात्मक सोच रखने वालों से प्रभावित होकर स्वयं को कमजोर नहीं समझें। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि कैसे सती प्रथा, बेटियों के पढ़ने के लिए क्रमशः राजा राम मोहन राय - सावित्री बाई फुले ने पहल किया। कैसे बाल विवाह रोकने के लिए कानून बना आदि की जानकारी दी। उपायुक्त ने महिलाओं के अधिकारों पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं का श्रृंगार, पहनावा और जीवनशैली उनका निजी अधिकार है। पति के निधन के बाद कोई दूसरा व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि महिला कैसे रहे या कैसे दिखे। यह महिलाओं की गरिमा और आत्मसम्मान से जुड़ा विषय है। उपायुक्त ने कहा कि हम सभी मिलकर बोकारो जिले को बाल विवाह मुक्त जिला बनाएंगे। साथ ही उन्होंने समाज में व्याप्त डायन जैसी अमानवीय कुरीतियों को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने कहा कि बेटा और बेटी में कोई फर्क नहीं है। बेटियों को खूब पढ़ाएं। जो राशि उनकी शादी के लिए एकत्र की जा रही है, उसे उनकी शिक्षा और कौशल विकास पर खर्च करें।

संक्षिप्त खबरें

नवजात शिशु के इलाज में कर्णधार संस्था ने बढ़ाया मदद का हाथ

रामगढ़ : कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था, रामगढ़ ने एक नवजात शिशु के इलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। गिरिडीह के माथा टोली निवासी चंदन हाजरा के नवजात शिशु का जन्म के साथ ही स्वास्थ्य सामान्य नहीं था। शिशु को सांस लेने में परेशानी हो रही थी, जिस कारण पहले देवघर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने शिशु को रांची स्थित रानी चिल्ड्रन हॉस्पिटल रेफर कर दिया। चंदन हाजरा ने बताया कि इलाज के दौरान आर्थिक परेशानी को देखते हुए उन्होंने कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था, रामगढ़ से संपर्क किया। मामले की जानकारी मिलते ही संस्था के संस्थापक एवं सचिव विक्रांत गुप्ता के नेतृत्व में संस्था द्वारा शिशु के इलाज हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की गई। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि नवजात शिशु के इलाज में सहयोग करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर इस तरह के सामाजिक कार्य किए जाते हैं। संस्था के सदस्यों ने नवजात शिशु के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष जयदीप सोनी, राकेश कुमार, विकास वर्मा, सूरज देखा, जितेंद्र कुमार एवं जयप्रकाश भाई उपस्थित रहे। संस्था के सदस्यों ने कहा कि वे आगे भी इस तरह के सामाजिक कार्य करते रहेंगे और लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था, रामगढ़ की स्थापना समाज सेवा के उद्देश्य से की गई थी। संस्था द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा शिविर जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संस्था के सदस्यों का कहना है कि वे समाज के हर वर्ग की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

गुमशुदा मूक बालक की सकुशल घर वापसी परिजनों में खुशी

रामगढ़ : एक गुमशुदा मूक बालक को सकुशल उसके परिजनों से मिलाने का एक खुशी का क्षण रामगढ़ में आया। चाइल्डलाइन रामगढ़ के सदस्यों ने 28 मार्च 2025 को इस बालक को बरामद किया था और वात्सल्या धाम बाल गृह में पहुंचाया था। जिला बाल संरक्षण इकाई ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बालक की पहचान सुनिश्चित करने और आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शुरू की। जिला परियोजना पदाधिकारी (यूआईडी) के सहयोग से चितरपुर प्रखंड कार्यालय स्थित स्थाई आधार केंद्र में बालक का आधार पंजीकरण कराया गया। जांच में पता चला कि बालक का आधार पंजीकरण पहले ही किया जा चुका था। इसके बाद भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण क्षेत्रीय कार्यालय, रांची ने बालक के बारे में विवरण उपलब्ध कराया। विवरण के अनुसार, बालक बिहार राज्य के मुजफ्फरपुर जिले का निवासी है। जिला प्रशासन ने तुरंत उसके परिजनों से संपर्क किया और 5 जनवरी 2026 को बालक को विधिवत रूप से उसके परिजनों को सौंप दिया। इस अवसर पर जिला योजना पदाधिकारी संतोष भगत, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खलखो, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग शंकर प्रसाद, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी शांति बागे, सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष रूपा कुमारी, सीडब्ल्यूसी सदस्य अमन कुमार टोप्पो, डीपीओ आरती पंकज और यूआईडी क्षेत्रीय कार्यालय रांची के पदाधिकारी अब्दुल कलाम अंसारी उपस्थित थे। बालक और उसके परिजन एक-दूसरे से मिलकर अत्यंत भावुक और प्रसन्न दिखाई दिए। परिजनों ने बालक को सकुशल वापस मिलाने के लिए जिला प्रशासन, चाइल्डलाइन और संबंधित सभी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। यह घटना रामगढ़ जिले में सामाजिक सेवाओं की एक सफलता की कहानी है, जहां जिला प्रशासन और विभिन्न संगठनों के संयुक्त प्रयास से एक गुमशुदा बालक को उसके परिवार से मिलाया गया।

बलिदान सरदार गया मुंडा को जिला प्रशासन ने अर्पित की श्रद्धांजलि

खूंटी : बलिदानी सरदार गया मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से मुरहू प्रखंड अंतर्गत एटकेडीह गांव में मंगलवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त आर. रॉनिटा के निदेर्शानुसार परियोजना निदेशक आईटीडीए आलोक शिकारी कच्छप ने सरदार गया मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर शहीद सरदार गया मुंडा के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए कहा गया कि वे भगवान बिरसा मुंडा के प्रमुख सेनापति थे और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका बलिदान देश और समाज के लिए अमूल्य है। उपायुक्त ने अपने संदेश में कहा कि शहीद सरदार गया मुंडा ने स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए संघर्ष का जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज और देश के उत्थान के लिए कार्य करना हम सभी का दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी प्रमोद राम सहित अन्य पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने भी शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया।

कोल माइंस में दुर्घटना रेट 0.93 से घटकर पहुंचा 0.12 तक

धनबाद : खनन क्षेत्र में बढ़ते टेक्नोलॉजी की रफ़्तार के फलस्वरूप दुर्घटना रेट में कमी आई है। कोल माइंस में होनेवाले दुर्घटनाओं में कमी लाकर डीजीएमएस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वर्ष 2047 में विकसित भारत का लक्ष्य पूरा होने तक डीजीएमएस भी शून्य दुर्घटना का लक्ष्य प्राप्त करने की तैयारी में है। डीजीएमएस की एक रिपोर्ट के अनुसार एक अच्छी खबर है। कोल माइंस, यानी कोयला खदानों में दुर्घटना दर 0.93 से घटकर 0.12 तक आ गई है, जो सुरक्षा उपायों के सफल क्रियान्वयन और कोयला खदानों में काम करने वाले कर्मियों के लिए एक सुरक्षित और जोखिम-मुक्त वातावरण बनाने के महानिदेशालय के दृष्टिकोण को दशार्ता है। जोकि शून्य दुर्घटना तथा शून्य हार्म के लक्ष्य को पाने के लिए 2047 तक लक्ष्य पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। डीजीएमएस के महानिदेशक उज्जवल ताह ने बताया कि दुर्घटना में कमी आने के पीछे टेक्नोलॉजी का महत्वपूर्ण योगदान है। भारत जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ रहा है वैसे-वैसे देश वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की ओर भी अग्रसर है। उन्होंने बताया ये आंकड़े इस बात का संकेत है कि भारत के कोयला खनन क्षेत्र में सुरक्षा के प्रति गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं और सफलता भी मिल रही है। यह डीजीएमएस के संगठनात्मक ढांचे, खान सुरक्षा विधानों और सुरक्षा को बढ़ाने के उपायों का परिणाम है।

एक नजर

चोरों ने बायसी मंदिर को बनाया निशाना, माता का पायल चोरी

साहिबगंज: जिले में चोरी की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। वही नगर थाना क्षेत्र के बायसी मंदिर में एक बार फिर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। बायसी मंदिर में चोरी की घटना का वीडियो सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। वही साहिबगंज की जनता ने कहा कि जिले के कई थाना क्षेत्रों में चोरों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। वही चोरों को पकड़ने में पुलिस नाकाम है। मंदिर कमेटी के अनुसार मां काली के पैरों के पायल की चोरी हुई है। इधर नगर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता ने बताया कि इस मामले में अभी तक मंदिर कमेटी ने कोई सूचना पुलिस को नहीं दी है।

स्वास्थ्य विभाग की बैठक में स्वास्थ्य मेले की तैयारी की समीक्षा

साहिबगंज: बोरियो सीएचसी के सभागार में स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक मंगलवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता सीएचसी प्रभारी डॉ. पंकज कुमार ने की। बैठक में सीएचसी प्रभारी ने उपस्थित एएनएम, सीएचओ, एमपीडब्ल्यू एवं चिकित्सकों को आगामी 10 जनवरी को प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला के आयोजन की जानकारी दी। स्वास्थ्य मेला को सफल बनाने का निर्देश दिया। महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लाभुकों तक पहुंचाने का निर्देश दिए। मौके पर डॉ. बिनोद कुमार, डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. विवेक भारती, बीपीएम विष्णु भगत, एमटीएस मनोहर पंडित, देवेन्द्र कुमार आदि उपस्थित थे।

तेज रफ्तार बाइक ने मारी चाय दुकान में टक्कर, चालक घायल

साहिबगंज: बरहरवा-बरहेट मुख्य पथ पर सोमवार की देर शाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा के सामने तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर चाय दुकान में टक्कर मार दी। इसमें बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बाइक संख्या जेएच 18 एल 4009 पतना चौक की ओर से बरहरवा स्टेशन चौक की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप तेज गति के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे स्थित एक चाय दुकान में टक्कर मार दी। दुर्घटना में राधानगर थाना क्षेत्र के लखीजोड़ निवासी जौहर टुडू (25) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात गार्ड पवन कुमार दास की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए सीएचसी बरहरवा लाया गया। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. सादिक अंसारी ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक ने युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे बाहर रेफर कर दिया।

जहरीले सांप काटने से युवक हुआ मूर्छित

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटी कोदरजन्ना निवासी उमर हयात (33) पिता मो शमशुल हक को सांप काटने से मूर्छित हो गया। परिजनों ने युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के देख रेख में इलाज किया जा रहा है। परिजनों ने बताया कि मवेशी को चारा देने के लिए भूषा निकालने के दौरान भूषा के अंदर बैठा जहरीला सांप ने काट लिया और मूर्छित हो गया।

अवैध खनन की जांच के लिए सीबीआई की टीम पहुंची साहिबगंज, 100 करोड़ के अवैध खनन की पुष्टि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के साहिबगंज में अवैध खनन की जांच के लिए रांची से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की एक विशेष टीम मंगलवार शाम साहिबगंज पहुंची। जांच टीम में सीबीआई के छह अधिकारी शामिल हैं, जो अगले तीन से चार दिनों तक साहिबगंज में रहकर अवैध खनन से जुड़े मामलों की गहन जांच करेंगे। इस दौरान अवैध रूप से निकाले गए खनिजों का मूल्यांकन भी किया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सीबीआई टीम ने मंगलवार को छोटू यादव और पवित्र यादव के क्रशर साइट का दौरा किया और मौके की स्थिति का जायजा लिया। झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में चल रही जांच के दौरान सीबीआई अब तक

करीब 100 करोड़ रुपये के अवैध खनन की पुष्टि कर चुकी है। अब तक की जांच में यह सामने आया है कि नीबू पहाड़ क्षेत्र में तीन लोगों द्वारा अवैध खनन किया गया। सीबीआई ने यह जांच विजय हांसदा की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी, लेकिन जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर इसका दायरा लगातार बढ़ाया गया है। सीबीआई ने जांच के दायरे में केवल अवैध खनन करने वालों को ही नहीं, बल्कि उन्हें प्रशासनिक और राजनीतिक संरक्षण देने वालों को भी शामिल किया है। जांच के क्रम में सीबीआई ने साहिबगंज के तत्कालीन जिला खनन पदाधिकारी के ठिकानों पर छापेमारी कर दो करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए सीबीआई जांच के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। वर्ष 2024 में उच्चतम न्यायालय ने सरकार की याचिका पर सुनवाई के बाद अवैध खनन मामले में आरोप पत्र दायर करने पर रोक लगा दी थी, हालांकि सीबीआई को जांच जारी रखने की अनुमति दी गई थी। इसके बाद वर्ष 2025 में सीबीआई ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर आरोप पत्र पर लगी रोक हटाने का अनुरोध किया। अदालत ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के बाद आरोप पत्र दायर करने पर लगी रोक हटा ली, जिसके बाद से सीबीआई ने अवैध खनन मामले में जांच की गति तेज कर दी है।

डीसी ने जनता दरबार लगाकर सुनी आम जनों की समस्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार ने एक बार फिर यह साबित किया कि यह पहल अब लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन चुकी है। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। भूमि विवाद, पेंशन भुगतान, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न विभागीय मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। उपायुक्त ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश देते हुए साफ शब्दों में कहा कि - जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर

पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है हर नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराना। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभागों को अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से उपायुक्त कार्यालय को सौंपनी होगी, ताकि मॉनिटरिंग और पारदर्शिता बनी रहे। ज्ञात हो कि साहिबगंज में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित किया जाता है। इस व्यवस्था ने प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दी है। लोग बिना किसी मध्यस्थ के अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन तक पहुँचा रहे हैं। प्रशासन उनकी समस्याओं को सुनने और समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के तहत सड़क सुरक्षा शपथ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत आज साहिबगंज जिले के सभी प्रमुख कार्यालयों में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए हेलमेट, सीट बेल्ट सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करना है। जिला परिवहन कार्यालय, साहिबगंज में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी एवं जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू द्वारा सभी उपस्थित कर्मियों को सड़क सुरक्षा शपथ

दिलाई गई। इस अवसर पर अधिकारियों द्वारा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने, शराब या नशे की अवस्था में वाहन न चलाने तथा यातायात संकेतों का पालन करने का संदेश दिया गया। डी.टी.ओ. मिथिलेश कुमार चौधरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात मानकों का पालन कर, हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करके हम सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर में प्रभावी रूप से कमी ला सकते हैं। साथ ही सभी कर्मियों को नेक नागरिक बनने तथा जिम्मेदार यातायात व्यवहार अपनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर एम.बी.आई. अभिषेक मुंडा, कुमार उत्कर्ष, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

बस स्टैंड सहित विभिन्न स्थलों पर युवाओं व मजदूरों को नशा मुक्त भारत अभियान के तहत किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पाकुड़ के तत्वावधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पाकुड़ दिवाकर पांडे के निर्देश पर तथा प्रभारी सचिव सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल मांझी के मार्गदर्शन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। इस क्रम में पाकुड़ बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड, मुख्यमंत्री दाल-भात केंद्र सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर युवाओं एवं मजदूर वर्ग को नशामुक्त जीवन एवं स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान लोगों को नशा सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों

के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें गंभीर बीमारियाँ, पारिवारिक कलह, मानसिक तनाव, आर्थिक तंगी तथा सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ एवं खुशहाल जीवनशैली अपनाने की अपील की गई। वक्ताओं ने कहा कि नशामुक्त युवा ही समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

पर्ची वितरण व स्लोगन के माध्यम से फैलाई गई जागरूकता

अभियान के दौरान नशा उन्मूलन से संबंधित जागरूकता पर्चियों का वितरण किया गया तथा प्रभावशाली स्लोगनों के माध्यम से लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अभियान को सफल बनाने में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स-विजय राजवंशी, भरत कुमार साहा, पिंकी मंडल, मोकमाउल शेख, चंद्रशेखर घोष एवं नीरज कुमार राउत की सक्रिय भूमिका रही।

आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका बहाली को लेकर ग्रामीणों ने डीसी को सौंपा आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड अंतर्गत विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका बहाली को लेकर ग्रामीणों ने उपायुक्त को आवेदन समर्पित किया है। जिसमें ग्रामीणों ने आदिम जनजाति पहाड़िया बाहुल्य एरिया के आंगनबाड़ी केंद्रों में नियमित सेविका व सहायिका की बहाली करने, शादी-शुदा पहाड़िया बहु-बेटी का ही चयन करने, बिना शादी शुदा को प्राथमिकता नहीं देने, ग्राम प्रधान की उपस्थिति में ग्रामसभा करने, व बाल विकास पदाधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने आवेदन की प्रतिलिपि डीडीसी, एसडीओ व जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को प्रेषित की है। मौके पर ग्राम प्रधान मैसा पहाड़िया, चंदू पहाड़िया, सुरजा पहाड़िया, लखमा पहाड़िया, चुलमा पहाड़िया सहित ग्रामीण मौजूद थे।

पाकुड़ जिले के तीन कबड्डी खिलाड़ियों का झारखंड टीम में चयन

- 19वीं सीनियर राष्ट्रीय सर्किल कबड्डी चैंपियनशिप में करेंगे राज्य का प्रतिनिधित्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के लिए यह अत्यंत गौरव एवं हर्ष का विषय है कि तीन प्रतिभाशाली कबड्डी खिलाड़ी–बिशाल सिंह, अभिजीत कुमार एवं तुषार पहाड़िया–का चयन 19वीं सीनियर राष्ट्रीय सर्किल कबड्डी चैंपियनशिप में भाग लेने हेतु झारखण्ड राज्य टीम में किया गया है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 10 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक उत्तराखंड के बाजपुर शहर में आयोजित की जाएगी। खिलाड़ियों

के इस चयन से जिले में खेल प्रतिभाओं के निरंतर विकास, बेहतर प्रशिक्षण व्यवस्था एवं जिला प्रशासन द्वारा खेल को प्रोत्साहित करने हेतु किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है।

उपायुक्त एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने दी शुभकामनाएं

इस उपलब्धि पर उपायुक्त, पाकुड़ मनीष कुमार एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, पाकुड़ श्री राहुल कुमार ने चयनित खिलाड़ियों बिशाल सिंह, अभिजीत कुमार एवं तुषार पहाड़िया को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त ने कहा कि पाकुड़ जिले के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जो जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले एवं राज्य का नाम रोशन करेंगे।

खेल अधोसंरचना को मिल रहा बढ़ावा

जिला क्रीड़ा पदाधिकारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा खेल अधोसंरचना के विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में पाकुड़ जिले से और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

टोटो से बैट्री चोरी करने के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गुल्ली भट्ठा व टमटम स्टैंड के पास से टोटो की बैट्री चोरी मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में चंदन मंडल ने आवेदन देकर पुलिस से इसकी शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने थाना कांड संख्या 01/26 दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने बड़तल्ला निवासी बिट्टू साहनी व महादेवगंज निवासी अनीस मंडल को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने उनके पास से टोटो की 6 बैटरी सहित एक टोटो बरामद किया है। नगर थाना से जारी रिलीज के अनुसार 5 जनवरी को टमटम स्टैंड के। पास से एक टोटो से बैटरी की चोरी हुई थी। पुनः 6 जनवरी की सुबह गुल्ली भट्ठा जद्दू मोड़ के पास से एक टोटो से बैटरी चोरी करते हुए बिट्टू साहनी व अनीस मंडल को पकड़ा गया। उनके पास से गुल्ली भट्ठा, जद्दु मोड़ से चोरी दो बैटरी व चोरी में प्रयुक्त टोटो बरामद किया गया। बाद में दोनों की निशानदेही पर टमटम स्टैंड से चोरी की गई टोटो की बैटरी दुसाध पाड़ा के कबाड़ी के यहां से बरामद किया गया। बिट्टू साहनी पहले भी चोरी मामले में जेल जा चुका है। नगर थाना की पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत दोनों आरोपी को शारीरिक जांच के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज ले गया, जहां चिकित्सक के द्वारा शारीरिक जांच करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

विद्युत आपूर्ति प्रमंडल की बैठक, बकाया बिजली बिल वसूली पर जोर

साहिबगंज: विद्युत आपूर्ति प्रमंडल के प्रांगण में मंगलवार को विद्युत अधीक्षण अभियंता डॉ नाथन रजक एवं विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभू नाथ चौधरी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सहायक विद्युत अभियंता शहरी ज्ञानचंद, ग्रामीण सहायक विद्युत अभियंता शिवम पांडे, राजमहल सहायक विद्युत अभियंता पूरण कुमार घासी, बरहरवा सहायक विद्युत अभियंता सत्यम कुमार मरांडी, उधवा कनीय विद्युत अभियंता चंदन कुमार, जूनियर मैनेजर जयकुमार, राजस्व शाखा से संजीत कुमार, अन्य कर्मचारी व कार्यकारी एजेंसी ने भाग लिया। इस दौरान बिलिंग एवं राजस्व को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। पदाधिकारियों ने बकाया बजली बिल संग्रहण, अधिक बकाएदारों का कनेक्शन काटने, प्रखंड से मुख्यालय तक बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया।

ढलाई मशीन का टायर फटने से एक व्यक्ति गंभीर घायल

साहिबगंज: राजमहल थाना क्षेत्र के फुलवरिया निवासी ऐनुल हक (55) का ढलाई मशीन का टायर फटने से गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने आनन–फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज रेफर कर दिया गया। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के देख रेख में इलाज किया जा रहा है। घायल ने बताया कि घर के बगल में ढलाई का काम कर रहे थे। अचानक ढलाई मशीन का टायर फट गया और गंभीर रूप से घायल हो गए। वही सदर अस्पताल में ड्यूटी पर रहे चिकित्सक के द्वारा सी.टी. स्कैन कराने की बात की हैं।

जल साहियाओं का एक दिवसीय समीक्षा बैठक हुई आयोजित

साहिबगंज: उधवा प्रखंड सभागार कक्ष में बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रखंड के सभी जल साहियाओं का एक दिवसीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता से संबंधित विभिन्न योजनाओं जैसे,अबुआ आवास के लाभार्थियों का शौचालय व जल जांच आदि कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। ताकि विभिन्न कार्यों को गति दी जा सके और लंबित कार्यों को पूरा किया जा सके। वहीं बैठक में प्रभारी जीपीएस जनकदेव यादव ने कहा सभी जल सहिया अपने–अपने गांव में प्रत्येक माह के 2 व 19 तारीख को मुखिया के अध्यक्ष में बैठक करना है। बैठक में ग्रामीण व पंचायत सचिव भी मौजूद रहेंगे। वहीं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रखंड समन्वयक राजेश कुमार ने बताया कि उधवा प्रखंड में करीब एक सौ चापाकल में जल की शुद्धता की जांच कीट के माध्यम से जल सहियाओं द्वारा किया गया है जिसमें सभी जगहों पर शुद्ध पानी मिला है। हानिकारक तत्व नहीं मिला है। उधवा में सभी जल सहियाओं को स्वच्छता कीट वितरण नहीं किया गया है। एक सप्ताह में अन्य जगहों पर जल की शुद्धता की जांच की जाएगी। जल्द ही सभी जल सहियाओं को कीट वितरण किया जाएगा। बैठक में पंचायत सचिव संतोष सुमन, मोनिका मूर्मू,रोजगार सेवक, मास्टर जल सहिया आसनारा बीबी, रीता कुमारी, मेनका दास, रूपाली मंडल, सावित्री देवी, रिजवाना खातुन, बाले बेटी हांसदा,मुन्नी बास्की सहित काफी संख्या में जल सहिया मौजूद थी।

दुनिया का सबसे ऊंचा शिवलिंग विराट रामायण मंदिर पहुंचा

पटना। दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग पूर्वी चम्पारण के जानकीपुर में बन रहे विराट रामायण मंदिर पहुंच गया है। यहीं पर 17 जनवरी को 5 नदियों के जल से अभिषेक किया जाएगा। हरिद्वार, प्रयागराज, गंगोत्री, कैलाश मानसरोवर, सोनपुर आदि के जल से शिवलिंग का अभिषेक होगा।हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए जाएंगे। इधर, सोमवार को विराट शिवलिंग जैसे ही पूर्वी चंपारण की धरती पर पहुंचा, श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थापना से 12 दिन पहले श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का भव्य स्वागत किया। शिवलिंग को लेकर सबसे बड़ी चुनौती डुमरियाघाट थाना क्षेत्रके रामपुर-खजुरिया ओवरब्रिज को पार करना रहा। इसे पार करने में पांच घंटे लग गए। कड़ाके की ठंड के बावजूद हजारों की संख्या में भक्त घंटों पहले से सड़क किनारे खड़े होकर शिवलिंग के स्वागत का इंतजार करते नजर आए। डुमरिया घाट पुल पार करते ही चारों ओर हर-हर महादेव के नारे गूंजे। जगह-जगह भव्य स्वागत द्वार बनाए गए थे, फूल-मालाओं और रोशनी से पूरे रास्ते को सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने ढोल-नगाड़ों और शंखनाद के साथ भगवान शिव का अभिनंदन किया। कई स्थानों पर शिवलिंग को कुछ देर के लिए रोका गया, जहां भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना की और जयकारे लगाए। शिवलिंग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मोतिहारी प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आई। चकिया के ऊढ संतोष कुमार खुद सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए हैं। उनके नेतृत्व में करीब 150 से अधिक पुलिस बल को तैनात किया गया है। इनमें सीनियर पुलिस अधिकारी से लेकर सिपाही तक शामिल हैं। सोमवार सुबह खबर आई थी कि 210 मीट्रिक वजन वाला शिवलिंग पिछले 2 दिनों से गोपालगंज के बलथरी चेक पोस्ट पर फंसा हुआ है। दरअसल, विशाल आकार और भारी वजन के कारण इसके आगे बढ़ने में परेशानी हो रही थी। शिवलिंग को पूर्वी चंपारण ले जाने के लिए डुमरिया पुल पार करना था। NH-27 पर स्थित डुमरिया पुल लंबे समय से जर्जर है। भारी वाहनों के लगातार परिचालन के कारण पुल कमजोर हो चुका है। शिवलिंग को लेकर जा रहा ट्रक 110 चक्के वाला है, ऐसे में ट्रेलर और शिवलिंग का कुल वजन सैकड़ों टन है। ऐसे में मौके पर इंजीनियर्स की टीम बुलाई गई। फैसला हुआ कि पुल से जब शिवलिंग गुजरेगा दूसरे ट्रैफिक का लोड नहीं होना चाहिए। इसके बाद पुल पर ट्रैफिक को रोककर शिवलिंग को निकाला गया। एक्सपर्ट इंजीनियर्स की टीम बुलाई गई थी इस समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने विशेषज्ञ इंजीनियरों की एक टीम बुलाई थी। इस टीम में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञ शामिल थे। टीम ने पुल के पिलर्स और गर्डर के भार सहने की क्षमता की जांच की, ताकि सबसे कमजोर हिस्सों की पहचान की जा सके। गोपालगंज के डीएम पवन कुमार सिन्हा ने बताया, 'इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ लगातार विचार-विमर्श किया गया। सभी पहलुओं सुरक्षा, तकनीकी क्षमता और वैकल्पिक व्यवस्था पर मंथन के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया गया। पूरी तैयारी और अनुमति के साथ ही शिवलिंग को नारायणी नदी पार करवाई गई। एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि 'शिवलिंग को देखने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी विशेष योजना लागू की जा रही है, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो।' बता दें कि तमिलनाडु के महाबलीपुरम में 33 फुट ऊंचा और 33 फुट लंबा शिवलिंग तैयार किया गया था। दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग 2178 किलोमीटर की लंबी यात्रा पूरी कर गोपालगंज पहुंचा है। जिसे पूर्वी चंपारण के कल्याणपुर में नवनिर्मित विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जाएगा। यह विशाल शिवलिंग फिलहाल यूपी-बिहार बलथरी चेकपोस्ट पर रुका हुआ है। इसे नारायणी नदी (गंडक) पार कर पूर्वी चंपारण पहुंचाया जाएगा। शिवलिंग निर्माण करने वाली कंपनी के संस्थापक विनायक वेंकटरमण के अनुसार, इस शिवलिंग के निर्माण पर करीब 3 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यह विशाल शिवलिंग एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बनाया गया है। यह शिवलिंग 33 फीट ऊंचा और 210 मीट्रिक टन वजनी है। तमिलनाडु के महाबलीपुरम के पट्टीकाडु गांव में बीते 10 साल से विशाल शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा था। शिवलिंग के मुख्य शिल्पकार लोकनाथ हैं, उनकी टीम ने इसे तराशा है। सड़क मार्ग से इसे 21 नवंबर को महाबलीपुरम से पूर्वी चंपारण स्थित विराट रामायण मंदिर के लिए रवाना किया गया था। शिवलिंग को रवाना करने के पहले पूजा-पाठ की गई थी, जिसमें स्थानीय गांव के लोग भी शामिल हुए थे। गोपालगंज से शिवलिंग खजुरिया, हुसैनी होते हुए केसरिया पहुंचेगा, जहां 17 जनवरी को इसे स्थापित करने की तैयारी चल रही है। उस दिन शिवलिंग की पीठ पूजा होगी। हालांकि, शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा बाद में होगी। विराट रामायण मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ललन सिंह के मुताबिक, जनवरी-फरवरी 2026 में शिवलिंग को विधिवत स्थापित किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि 33 फीट का यह शिवलिंग विश्व के सबसे बड़े विराट रामायण मंदिर की भव्यता को और बढ़ाएगा। अंतिम चरण में मंदिर का निर्माण कार्य रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति द्वारा कराया जा रहा है। विराट रामायण मंदिर का प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी, शिवलिंग, गर्भ गृह का पाइलिंग, आदि का काम पूरा हो गया है। आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर और 22 मंदिर होंगे। मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट, चार शिखर की ऊंचाई 180 फीट, एक शिखर की ऊंचाई 135 फीट, आठ शिखर की ऊंचाई 108 फीट और एक शिखर की ऊंचाई 90 फीट होगी।

संक्षिप्त डायरी

किशनगंज में कोचिंग टीचर पर दुष्कर्म का आरोप

किशनगंज। के ठाकुरगंज प्रखंड के पाठामारी थाना क्षेत्र में एक निजी कोचिंग शिक्षक पर 11 वर्षीय नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगा है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी शिक्षक राकिब उसे अपने घर में कोचिंग पढ़ाता था। यह घटना 15 नवंबर 2025 की बताई जा रही है।आरोपी ने सलवार-सूट फाड़कर किया जबरदस्ती दुष्कर्म पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि उस दिन वह अपनी सहेलियों के साथ कोचिंग से घर लौट रही थी, तभी आरोपी राकिब ने उसे रोक लिया। सहेलियों के चले जाने के बाद, आरोपी ने कथित तौर पर उसका सलवार-सूट फाड़कर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। घटना के बाद, आरोपी ने पीड़िता के फोटो और वीडियो बना लिए। उसने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने किसी को बताया तो वह वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा। आरोपी ने पीड़िता से यह भी कहा कि बड़ी होने पर वह उससे शादी कर लेगा। पंचायत में की शिकायत, नहीं सुलझ मामला डर के कारण पीड़िता ने काफी दिनों बाद अपने माता-पिता को इस घटना के बारे में बताया। परिजनों ने पहले स्थानीय पंचायत में शिकायत की, जहां पंचायती हुई, लेकिन आरोपी पक्ष के टाल-मटोल के कारण मामला सुलझ नहीं सका। इसके बाद परिजन ठाकुरगंज थाने पहुंचे, लेकिन वहां उनका आवेदन नहीं लिया गया। अंततः, परिवार किशनगंज महिला थाने गया, जहां पुलिस ने पीड़िता का आवेदन स्वीकार कर प्राथमिकी (FIR) दर्ज की। महिला थाने में एफआईआर दर्ज, मामले की जांच शुरू महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, आरोपी शिक्षक राकिब के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के साथ-साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस फिलहाल आरोपी की तलाश कर रही है। यह घटना कोचिंग सेंटरों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल उठा रही है। स्थानीय लोगों में आरोपी के खिलाफ रोष है और उसकी जल्द गिरफ्तारी की मांग की जा रही है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेने और जल्द कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

BSNL रिटायर्ड कर्मचारी की मौत हत्या करार:

किशनगंज में बीएसएनएल के सेवानिव

किशनगंज। राघवेंद्र दुबे ने रानी कुमारी पर हत्या से जुड़े सबूत मिटाने और राजेंद्र द्विवेदी की संपत्ति पर अवैध कब्जा करने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने स्थानीय मिंटू उर्फ मुकेश कुमार और विकासचंद सरकार को भी इस साजिश में शामिल बताया है।5 अक्टूबर को हुआ था पोस्टमार्टम, हुआ खुलासा राजेंद्र द्विवेदी का निधन 13 अक्टूबर को सिलीगुड़ी के थैलेमस हॉस्पिटल में हुआ था। उनके शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद 15 अक्टूबर को पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें मौत का कारण हत्या बताया गया।राघवेंद्र के अनुसार, 7 नवंबर को रानी कुमारी एक अज्ञात पुरुष के साथ रूईधासा स्थित राजेंद्र द्विवेदी के मकान में पीछे के रास्ते से घुसीं। उन्होंने ताला तोड़कर घर की सफाई की और संभावित सबूत मिटाने की कोशिश की।इसके बाद, 9 नवंबर की सुबह फिर सामने के दरवाजे का ताला तोड़ने का प्रयास किया गया, जब स्थानीय लोग मौजूद थे। इस घटना की शिकायत 112 पर पुलिस को दी गई। पुलिस की मौजूदगी में रानी कुमारी ने घर से कपड़े, मच्छरदानी, अटैची सहित कई सामान एक वाहन में लादकर ले गईं।हत्या के सबूत मिटाने की सुनियोजित साजिश राघवेंद्र को आशंका है कि यह सब हत्या के सबूत मिटाने की सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। उनका कहना है कि यह मकान मृतक राजेंद्र द्विवेदी और उनके भाई की संयुक्त संपत्ति है, जिस पर रानी कुमारी अवैध कब्जा करने की फिराक में हैं।अभियोगी ने मांग की है कि उनका आवेदन मौजूदा केस रिकॉर्ड में जोड़ा जाए, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। पुलिस मामले की जांच कर रही है, हालांकि अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। संपत्ति विवाद और सबूत मिटाने के आरोपों ने मामले को और उलझा दिया है।

कोचिंग संचालक पर शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग का आरोप

किशनगंज। के पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र के छत्तरगाछ में 16 वर्षीय छात्र देवनंदन रॉय उर्फ सुरजीत की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने एक कोचिंग संचालक पर शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए थाने में मामला दर्ज कराया गया था। जिसपर पुलिस ने कारवाई की है। मृतक छात्र देवनंदन रॉय का शव बीते 28 अक्टूबर को पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र के कोल्था कॉलोनी, छत्तरगाछ स्थित उसके कमरे में लटका हुआ मिला था। देवनंदन दसवीं कक्षा का छात्र था। इस घटना के बाद, परिजनों और ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर छत्तरगाछ बैंक चौक पर मुख्य मार्ग जाम कर विरोध प्रदर्शन भी किया था। मृतक के बड़े भाई देवाशीष रॉय ने छत्तरगाछ मियांबस्ती निवासी कोचिंग संचालक आदिल रब्बानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। देवाशीष के अनुसार, आदिल लंबे समय से देवनंदन का शारीरिक शोषण कर रहा था। आरोप है कि होस्टल में अकेला पाकर उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें की जाती थीं और अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया जाता था। इस मामले में पुलिस प्रशासन ने शिकंजा कस दिया है। नामजद अभियुक्त आदिल रब्बानी और जीशान के घर पर सोमवार को बैंड पार्टी के साथ इस्तिहार चिपकाया गया। थाना अध्यक्ष फुलेंद्र कुमार ने बताया कि जल्द सरेंडर नहीं करने पर कुर्की-जब्ती की कारवाई की जाएगी।

किशनगंज में चार घर जलकर राख

किशनगंज। जिले के बहादुरगंज थाना क्षेत्र के महेशबथना पंचायत के वार्ड नंबर 12 स्थित झींगाकाटा हाट में सोमवार को भीषण आग लग गई। इस घटना में चार घर जलकर राख हो गए। आगजनी में आवासीय घरों के साथ-साथ जलावन आदि के घर भी जल गए। इसमें लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर अचानक घरों में आग लग गई थी।आग की लपटों को देख इलाके में अफरा तफरी मच गई। घटनास्थल पर मौजूद आसपास के लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दो परिवारों के आवासीय और जलावन के घर पूरी तरह जल चुके थे। घरों में रखा सारा सामान भी जलकर नष्ट हो गया। जिससे लाखों का नुकसान बताया जा रहा है। आगजनी से बिल्किस बेगम और हारून के घर प्रभावित हुए हैं। स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन दमकल के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। ग्रामीणों की त्वरित कार्रवाई से आग को फैलने से रोका जा सका, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। पीड़ितों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। घटना की जानकारी मिलने पर राजस्व कर्मचारी ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया है।

सरस-मेला में महानंदा लीफ टी की 2 लाख की बिक्री

किशनगंज। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित सरस मेला में किशनगंज जिले की जीविका दीदियों द्वारा तैयार महानंदा लीफ चायपत्ती की 700 किलो बिक्री हुई। पटना के गांधी मैदान में आयोजित इस मेले में लोगों ने इसे काफी पसंद किया, जिससे लगभग दो लाख रुपये का कारोबार हुआ। सरस मेला के समापन समारोह में ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्रवण कुमार ने महानंदा लीफ चाय के बढ़ते कारोबार को लेकर जीविका दीदियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जीविका किशनगंज की डीपीएम अनुराधा चंद्रा ने बताया कि जीविका दीदियों द्वारा तैयार महानंदा लीफ चायपत्ती तेजी से अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने कहा कि यह बिक्री दशार्ती है कि लोगों को किशनगंज की चाय पसंद आ रही है। आने वाले समय में टी बोर्ड और जीविका के ग्रामीण बाजारों व हाटों के माध्यम से भी महानंदा चायपत्ती की बिक्री की जाएगी। डीपीएम ने बताया कि जिले में जीविका दीदियों द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री और ब्रांडिंग पर काम किया जा रहा है। जीविका दीदियों को स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। महानंदा लीफ चाय का उत्पादन किशनगंज के केचकेचीपाड़ा स्थित महानंदा जीविका महिला एग्रो प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा संचालित टी प्रोसेसिंग एंड पैकेजिंग इकाई में किया जा रहा है। यह कंपनी चाय पत्ता की खेती और पत्ता तोड़ने के कार्य से जुड़ी किसान जीविका दीदियों द्वारा संचालित है और महानंदा लीफ उनके लिए आर्थिक स्वावलंबन का आधार बन रहा है। सरस मेला में किशनगंज सदर प्रखंड के पानीसाल की पांच स्वयं सहायता समूह की लगभग चालीस जीविका दीदियों द्वारा ओखली में तैयार मसालों की भी काफी बिक्री हुई। इन दीदियों ने हल्दी, जीरा, धनिया और मिर्च जैसे मसालों को ओखली में तैयार कर उनकी पैकेजिंग और बिक्री की। मेले में लगभग डेढ़ लाख रुपये के मसालों की बिक्री दर्ज की गई।

पाकिस्तान से आ रही हवाओं ने बढ़ाई बिहार में ठंड

पटना। पश्चिमी विक्षोभ के उत्तरी भारत के ऊपर से गुजरने के चलते पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है। इससे मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ गई है। पाकिस्तान से आ रही ठंडी हवाओं से बिहार में कड़ाके की ठंडी पड़ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, इस सप्ताह बहुत ज्यादा ठंड पड़ेगी। पटना, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सहरसा और गयाजी में 10 जनवरी तक कोल्ड डे जैसी स्थिति रह सकती है। बिहार में 40 साल बाद इतनी लंबी सर्दी पड़ रही है। 15 जनवरी से पहले राहत की उम्मीद नहीं है।मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, पूरे जनवरी ठंड अधिक रहेगी। अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान में बहुत बदलाव नहीं होगा। न्यूनतम तापमान 2-4 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। 14-15 जनवरी तक बहुत अधिक ठंड रहेगी। पश्चिमी बिहार के 11 जिलों (पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीवान, छपरा, गोपालगंज, बक्सर, भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद और अरवल) में शीतलहर ज्यादा दिनों तक रह सकती है। 15 जनवरी के बाद मौसम साफ रहने की उम्मीद है। इससे थोड़ी राहत मिलेगी। रात में अधिक ठंड पड़ेगी। न्यूनतम तापमान गिरेगा। दिन में धूप निकलेगी। दिसंबर में 6 दिन रहे भीषण शीत दिवस दिसंबर 2025 में बिहार में कहीं बारिश नहीं हुई। 6 दिन भीषण शीत दिवस (Severe Cold day) और 11 दिन शीत दिवस (Cold day) रहा। 14 दिसंबर को सर्वाधिक तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस मोतिहारी में रिकॉर्ड किया गया। 31 दिसंबर को गया में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस रहा। यह महीने का सबसे ठंडा दिन रहा। दिसंबर में पटना का औसत अधिकतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस और औसत न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिसंबर से जनवरी तक 22 दिन कोल्ड डे रहा है। यह सामान्य से 8 दिन अधिक है। बिहार में 40 साल बाद इतनी लंबी सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार 3 जनवरी को समस्तीपुर में न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगा जैसे 1998 वाली सर्दी वापस आ गई है। 27 साल पहले न्यूनतम तापमान इतना कम हुआ था। मौसम वैज्ञानिक डॉ. आशीष कुमार ने बताया कि अगले दो दिनों तक बिहार में कोल्ड डे रहने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान बढ़ेगा। पछुआ हवा चलने के चलते ऐसी स्थिति है। यह हवा पाकिस्तान से चलकर जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा व राजस्थान होते हुए बिहार आ रही है। आने वाले 2-3 दिनों तक घना कोहरा छाने की संभावना है। क्या है कोल्ड डे? मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार कोल्ड डे तब माना जाता है जब मैदानी इलाकों के लिए असल न्यूनतम तापमान 10त्ऽ या उससे कम हो और पहाड़ी इलाकों के लिए 0त्ऽ या उससे कम हो। इसके साथ ही अधिकतम तापमान में 4.5त्ऽ-6.4त्ऽ तक गिरावट आ जाए। अगर अधिकतम तापमान में गिरावट 6.4त्ऽ से भी अधिक हो तो ऐसे दिन को भीषण शीत दिवस कहते हैं। शीतलहर क्या है? शीतलहर हवा के तापमान की एक ऐसी स्थिति है जो इंसानी शरीर के लिए जानलेवा हो सकती है। हवा की गति के कारण शीतलहर का असर और बढ़ जाता है। इसे विंड चिल इफेक्ट कहा जाता है। शीतलहर तब मानी जाती है जब किसी जगह का न्यूनतम तापमान मैदानी इलाकों के लिए 10त्ऽ या उससे कम और पहाड़ी इलाकों के लिए 0त्ऽ या उससे कम हो जाता है। बिहार में ठंड बढ़ने से हर्ट अटैक और ब्रेन हेमरेज की घटनाएं 30-35% बढ़ गईं हैं। बीते 3 दिन में 2 दर्जन से अधिक लोग इसके चलते मरे हैं। अस्पतालों के ICU और इमरजेंसी में जगह की कमी हो गई है। डॉक्टरों के अनुसार ठंड की वजह से ऐसी स्थिति है। बीपी के मरीजों को खासतौर से दिक्कत हो रही है। फिजिशियन डॉ. राजीव कुमार सिंह ने बताया कि बच्चों और बुजुर्गों पर ठंड का ज्यादा असर हो रहा है। PMCH सहित सभी अस्पतालों में बीपी, हर्ट और ब्रेन स्ट्रोक से जुड़े मरीजों की संख्या बढ़ गई है। सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। उन्होंने कहा, ह्यबहुत अधिक ठंड बुजुर्गों के लिए खतरनाक है। वे घर में रहें। मॉर्निंग वाक कुछ दिन स्थगित रखें। कमरे के अंदर लकड़ी आदि न जलाएं। उसके धुएं से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। गर्म कपड़े ठीक से पहनें और गुनगुना पानी पिएं। खाना भी गर्म खाएं। सांस से जुड़ी कठिनाई जैसे कि दमा आदि की शिकायत है तो भाप लें या नेबुलाइजर का इस्तेमाल करें। बच्चों को भी ठंड से बचा कर रखें।

क्या है पश्चिमी विक्षोभ, किस तरह डालता है असर? पश्चिमी विक्षोभ (WesternDisturbances) महत्वपूर्ण वेदर सिस्टम है। यह भूमध्य सागर के क्षेत्र में बनता और पूरब की ओर बढ़ता है। इससे उत्तर-पश्चिमी भारतीय उपमहाद्वीप (जैसे भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान) में सर्दियों में बारिश और बर्फबारी होती है। यह बारिश सर्दियों की फसलों के लिए फायदेमंद होती है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते हिमालय के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई है। यहां से ठंडी हवा बिहार आ रही है, जिससे तापमान गिरा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पछुआ हवा अभी जारी रहेगी, जिससे आने वाले कुछ दिनों में ठंड से राहत की उम्मीद नहीं है। सुबह-शाम दिख रहा घना कोहरा, डाल रहा क्या असर? ठंडी हवा की वजह से रात के समय कम तापमान और अधिक सतही नमी की वजह से सुबह और शाम को कोहरा दिख रहा है। कोहरा सूरज की धूप को रोक रहा है। इससे दिन में भी सूरज की तपिश जमीन तक नहीं आ रही। नतीजा सूरज निकलने के बावजूद दिन में तापमान कम बढ़ता है। धूप नहीं मिलने से कनकनी ज्यादा महसूस हो रही है। कोहरे की वजह से हवा गर्म होकर ऊपर की ओर नहीं उठ पा रही है, इससे पॉल्यूशन हट नहीं रहा। कोहरे के चलते यात्रा करना मुश्किल कोहरे के चलते यात्रा करना मुश्किल हो गया है। सड़क हादसे बढ़े हैं। फ्लाइट से लेकर ट्रेन तक लेट चल रही हैं। ट्रेनें लगातार लेट चल रही हैं। रविवार को तेजस राजधानी, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस सहित 16 ट्रेनें लेट रहीं। दिल्ली अमृत भारत 4 घंटे, इंदौर-पटना 4 घंटे, साउथ बिहार एक्सप्रेस 2 घंटे, मगध एक्सप्रेस 7 घंटे और दानापुर इंटरसिटी, इस्लामपुर-हटिया, डीडीयू-पटना मेमू, फरक्का एक्सप्रेस, वैशाली फास्ट मेमू, बिक्रमशिला एक्सप्रेस, विभूति एक्सप्रेस, आरा कैपिटल एक्सप्रेस एवं बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस 1-1 घंटा लेट रही। रविवार को इंडिगो की दिल्ली की एक फ्लाइट रद्द हो गई। विजिबिलिटी कम रहने से 14 जोड़ी विमान लेट रहे। पटना एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट कोलकाता से इंडिगो की 6ए6348 समय से 9 मिनट पहले 11:11 बजे आई। शेड्यूल के मुताबिक, पहली फ्लाइट एअर इंडिया की एआई 1749 सुबह 9:40 बजे है, लेकिन यह 1 घंटे 37 मिनट देर से आई।

दिल्ली-पटना की 6 जोड़ी, बेंगलुरु-पटना की 2 जोड़ी, हैदराबाद-पटना की 2 जोड़ी, मुंबई-पटना की 2 जोड़ी, रांची-पटना की 1 जोड़ी और कोलकाता-पटना की 1 जोड़ी फ्लाइट लेट रही। विमानों के लेट होने से टर्मिनल भवन में यात्रियों की भारी भीड़ थी। ठंड बढ़ने से किस तरह की परेशानी हो रही है। इस संबंध में हमने पटना के लोगों से बात की। कपिल शाह ने कहा, 'मुझे दिमाग की बीमारी है। दवा खाता हूं। ठंड के चलते बहुत परहेज रख रहा हूं। सुबह खाना खाकर वापस बिस्तर में चला जाता हूं। शाम को अलाव जलाकर खुद को गर्म रखने की कोशिश करता हूं।' हमें अलाव के पास बैठी पूजा यादव मिलीं। गोद में अपने बच्चे के लिए हुईं थी। उन्होंने कहा, 'इतना अधिक ठंड है कि पूरा दिन रूम में बंद होकर रहती हूं। छोटा बच्चा है। इसे बहुत अधिक कपड़े पहनाकर रखती हूं।' आग के सामने बैठीं सविता देवी ने कहा, 'बहुत ठंड है। घर से निकलने का मन नहीं करता है। बहुत परेशानी है। किसी तरह घर के काम करती हूं।' लोगों को सर्दी से राहत दिलाने के लिए सरकार क्या कर रही? भ्पंचायत स्तर पर अलाव जलाए जा रहे हैं। 5 जनवरी 2026 तक राज्य में 5816 जगहों पर अलाव जलाए गए। 1453782 किलो लकड़ियां जलाई गईं। 85 (अधिक पटना में 26) रैन बसेरा बनाए गए हैं। यहां 16038 लोग आए हैं। सरकार ने 33941 कंबल बांटे हैं। फसलों में बीमारी, पशुओं में दूध की कमी, उपाय जानिए अधिक ठंड और पाला पड़ने के चलते गाजर, मटर, टमाटर, धनिया, लहसुन सहित अन्य रबी फसलों में झुलसा रोग तेजी से फैल सकता है। इस रोग में पौधे की पत्तियां पीली होकर सूख जाती हैं। यह पत्तियों के किनारे से शुरू होकर पूरे पौधे में फैलता है। सबौर कृषि विश्वविद्यालय की सलाह के अनुसार इससे बचाव के लिए डाइथेन-ऐम- 45 फफूंदनाशक दवा 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर 10 दिन के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें। ठंड बढ़ने से दुधारू पशुओं के दूध कम जाते हैं। ऐसे में हरे और सूखे चारे के मिश्रण के साथ नियमित रूप से 50 ग्राम नमक, 50-100 ग्राम खनिज मिश्रण को प्रति पशु दें। पशुओं के लिए बिछावन में सूखी घास का उपयोग करें।

ये टिप्स अपनाएंगे तो हर कोई हो जाएगा आपके पर्सनैलिटी का फैन

आप पर्सनालिटी डेवलपमेंट शब्द को परिभाषित करने का प्रयास करते हैं तो आपके मन में क्या ख्याल आता है? क्या आपको लगता है अच्छे कपड़े पहनना या अंग्रेजी बोलना या फिर लोगों से मिलना पर्सनालिटी डेवलपमेंट है? तो जवाब मिलेगा नहीं। केवल यह शब्द मिलकर पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य नहीं करते बल्कि कई ऐसी चीजें हैं जो पर्सनालिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं। आइए कुछ टिप्स के विषय में जान लेते हैं जो पर्सनैलिटी डेवलपमेंट का कार्य करते हैं।

कॉन्फिडेंस बनाएं रखें

किसी भी कार्य को आसान करने का सबसे पहला मंत्र है कॉन्फिडेंस। अगर आप किसी भी काम करते समय कॉन्फिडेंस रखते हैं तो आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं। कॉन्फिडेंस से भरे लोगों से हर व्यक्ति आकर्षित हो जाता है। अगर आप अपनी पर्सनालिटी को अच्छे से डेवलप करना चाहते हैं को खुद में कॉन्फिडेंस बिल्ड करने का प्रयास करें। कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए आप ज्यादा से ज्यादा पढ़ना शुरू करें और नए-नए विषयों को एक्सप्लोर करना शुरू करें।

हर विषय पर ओपिनियन बनाने का प्रयास करें

अगर आप खुद को दूसरों से अलग बनाना चाहते हैं तो प्रयास करें कि आप हर विषय में अपना एक ओपिनियन बनाएं ताकि कभी आपसे पूछा जाए तो आप जवाब दे सकें। लेकिन ध्यान रखें कि बिना मांगे ओपिनियन देने से आपकी पर्सनालिटी को नेगेटिव रूप में भी प्रदर्शित कर सकता है।

अच्छे श्रोता बनें

हम हमेशा उन लोगों को दूसरे के मुकाबले अधिक तवज्जो देते हैं जो हमारी बातों को सुनते हैं। कई लोग ऐसा मानते हैं कि अच्छा श्रोता होना एक अच्छे व्यक्तित्व की निशानी है। अगर आप भी अपनी पर्सनालिटी को बेहतर बनाना चाहते हैं तो लोगों को सुनना शुरू करें और एक अच्छा श्रोता बनने का प्रयास करें।

बॉडी लैंग्वेज को सुधारें

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए बॉडी लैंग्वेज पर काम करना बेहद जरूरी है। आपकी बॉडी लैंग्वेज भी आपके बारे में कई बातें बताती है। आपके चलने, बैठने, बातें करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। अच्छी बॉडी लैंग्वेज एक अच्छी पर्सनालिटी की तरफ कार्य करती है।

इन तरीकों से खुद को कर सकते हैं जॉब में मोटिवेट

आज के दौर में जब जॉब की इतनी बहुतायत है, वहीं लोगों में उस जॉब को पानी के लिए जरूरी स्किल्स की कमी है। अक्सर ऐसा देखने में आता है कि कुछ लोगों में अपनी सब्जेक्ट की नॉलेज तो है, पर कहीं न कहीं कई ऐसी वजहें होती है जो उन्हें अपने फील्ड में बहुत अच्छा करने से रोकती हैं। ये लोग डिमोटिवेट होते हैं। तो आइए जानते हैं खुद को मोटिवेट कैसे किया जाए

- खुद को शांत रखना सीखिए। ऐसा करने से आपका दिमाग ठीक तरीके से काम करता है और आप किसी भी समस्या का सामना कर सकते हैं।
- ऐसे विचारों को माइंड में कभी न लाएं जो आपके किसी अच्छे काम को प्रभावित करें। हम अक्सर दूसरों से राय लेने में नहीं चूकते। जब कुछ नया करने जा रहे होते हैं। अब यह निर्भर करता है कि जिससे आपने राय ली है, वह आपका हित चाहने वाला है या नहीं, तो तुरंत किसी की बात को न मानें। उस पर विचार करें। उसके बाद ही कोई कदम उठाएं।
- अगर आप किसी काम के लिए जा रहे हों तो अपने डर पर विजय हासिल करें। कॉन्फिडेंट रहिए, डर दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप सामने वालों को भी अपनी ही तरह एक आम इंसान ही समझें। सोचिए कि अगर आप किसी ऊंची पोस्ट पर होते हैं तो सब आपके हाथ में होता।
- जब आप कोई इंटरव्यू के लिए जा रहे हों तो ये सोचिए कि आप कई इंटरव्यू दे चुके हैं। भले ही यह आपका पहला इंटरव्यू रहो। इससे आपका कॉन्फिडेंस हाई रहेगा। अपनी सक्सेस को हमेशा अपने साथ लेकर चलें। यह कभी न सोचें कि अगर सिलेक्शन न हुआ तो।
- जब आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं तो अपना बेस्ट देने की कोशिश करें। अपनी कमियों को खुद पर हावी न होने दें। जो भी स्किल या नॉलेज आपके पास है उसे बेहतर ढंग से एक्सप्रेस करें।
- साफ-सुथरी बात सभी को अच्छी लगती है। आपका बात करने का अंदाज विनम्र होना चाहिए। साथ ही स्पष्ट और कम शब्दों में होना चाहिए।

बहुत बड़ा है एविएशन इंडस्ट्री का दायरा

अगर आप भी एविएशन इंडस्ट्री में अपना करियर बनाने की सोच रहे हैं, लेकिन अपने आप को पायलट व केबिन क्रू बनने के काबिल नहीं पाते, तो निराश मत हो, क्योंकि इसके अलावा भी अब इस सेक्टर में कई डिपार्टमेंट ऐसे हैं जहां आप अपना करियर बना सकते हैं। ज्यादातर लोग एविएशन क्षेत्र के दायरे को पायलट, एयर होस्टेज व केबिन क्रू तक सीमित कर देते हैं, लेकिन इसका दायरा बहुत बड़ा है। आप इस इंडस्ट्री में एयरपोर्ट मैनेजमेंट, एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, फ्लाइट इंजीनियर, एयर टिकटिंग, एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स, एयर कार्गो मैनेजमेंट, मीटिरियोलॉजिस्ट आदि जॉब प्रोफाइल पर भी कार्य कर सकते हैं।

ग्राउंड स्टाफ

एविएशन इंडस्ट्री में ग्राउंड स्टाफ महत्वपूर्ण होते हैं। इनका कार्य एयरपोर्ट की साफ-सफाई के साथ उसके रखरखाव करना है। एयरपोर्ट पर प्लेन जब उतर जाता है, तो उसके बाद पैसेंजरों की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखना होता है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर सामान ढुलाई और माल स्टॉक का कार्य भी ग्राउंड स्टाफ को ही कराना होता है। ग्राउंड स्टाफ की एयरपोर्ट पर अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी संभालते हैं। एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ में करियर बनाने के लिए आप एयरपोर्ट मैनेजमेंट से रीलेटेड सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, बैचलर और मास्टर लेवल के कोर्स कर इस फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। 12वीं के बाद आप इस सेक्टर में प्रवेश कर सकते हैं।

एयर कार्गो मैनेजमेंट

इस जॉब प्रोफाइल पर रहकर करियर बनाने के लिए आपको डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स करना होगा। जिसमें आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होंगे। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। यह कोर्स आपको 6 माह से 1 वर्ष तक का होता है।

एयर टिकटिंग

एविएशन के एयर टिकटिंग में करियर बनाने के लिए न्यूनतम 12वीं की शैक्षणिक योग्यता के साथ 18 वर्ष से ऊपर की आयु होनी चाहिए। न्यूनतम 6 माह से 9 माह तक की अवधि वाले कोर्स डिप्लोमा इन एयर टिकटिंग एंड ट्रैवल मैनेजमेंट में ट्रैवल एजेंसी बिजेनस, वर्ल्ड टाइम जोन, एयरपोर्ट व एयरलाइन कोड्स, पेमेंट मोड्स, फॉरेन करेंसी, पासपोर्ट व वीजा आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

फ्लाइट इंजीनियर

एविएशन के क्षेत्र में फ्लाइट इंजीनियर का कार्य बहुत अहम होता है। प्लेन के सभी पुर्जों की जांच करना इनकी जिम्मेदारी होती है। इसके लिए इलेक्टॉनिक्स इलेक्ट्रिकल्स, मैकेनिकल, एयरोनॉटिकल या कम्प्यूटर में से किसी एक में ग्रेजुएशन होना जरूरी है। अगर आपके पास फ्लाइट इंजीनियर का ग्राउंड पाठ्यक्रम या एयर क्राफ्ट इंजीनियर लाइसेंस या सीपीएल है तो आप अप्लाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि आपने 12वीं विज्ञान विषयों से पास की हो और आपकी उम्र तीस साल से ज्यादा ना हो, तो आप इसमें करियर बना सकते हैं।

एयर ट्रैफिक कंटोलर्स

एविएशन के क्षेत्र में यह एक और महत्वपूर्ण जॉब प्रोफाइल है। एयरपोर्ट पर बने टॉवर से एयर ट्रैफिक कंटोलर्स हर वक्त प्लेन की उड़ानों पर नजर रखते हैं। इस फील्ड में करियर बनाने के आपको रेडियो इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक इंजीनियरिंग बीटेक या डिप्लोमा करना होगा।

मीटिरियोलॉजिस्ट

एविएशन में मीटिरियोलॉजिस्ट का भी बड़ा रोल होता है। इसमे कैरियर बनाने के लिए अगर आपके पास मौसम विज्ञान, भौतिक, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, गणित और दूरसंचार में ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री है तो आप इसके लिए अप्लाई करने योग्य हैं।

टूर एंड ट्रैवल

अगर आप एविशन के क्षेत्र में रहकर अतिरिक्त कमाई करना चाहते हैं तो टूर एंड ट्रैवल आपके लिए बेस्ट होगा, इस क्षेत्र में आपको बहुत काम मिलेगा। इस क्षेत्र में आने के लिए आप 6 माह का सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन वर्षीय बैचलर इन ट्रैवल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी कर सकते हैं।

यहां से कर सकते हैं कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स, नई दिल्ली
- फ्रांकलिन एविएशन एकेडमी, दिल्ली
- विंग्स कॉलेज ऑफ एविएशन टेक्नोलॉजी, पुणे
- ए जे एविएशन एकेडमी, मुम्बई
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स साइंस, जमशेदपुर
- हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, बंगलूरू

क्या है आर्कियोलॉजी? किस कोर्स के बाद मिलेगी हाई सैलरी

अगर आप इतिहास से लगाव रखते हैं और आप रोमांच के साथ रहस्य से पर्द उठाना चाहते हैं। साथ ही आपमें ऐतिहासिक चीजों को जानने और उनके बारे में तरह-तरह की जानकारियां पता करने की इच्छा है तो आप आर्कियोलॉजिस्ट के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। इतिहास और भूगोल के रहस्यों से पटे भारत में इसके अच्छे

हड़प्पा सभ्यता के बाद से भारत में ऐतिहासिक खोज न के बराबर हुई है और फिलहाल इतिहास संबंधित खोज को लेकर एक बड़ा वैक्यूम यहां बना हुआ है, जो बड़े आइडियाज और क्रिएटिविटी का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही दुनियाभर में शोध के लिए आर्कियोलॉजी के विद्यार्थियों की मांग है।

क्या है आर्कियोलॉजी

पृथ्वी पर छपी पुरानी सभ्यता और संस्कृति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन करना व उनकी खोज करना आर्कियोलॉजी कहलाता है। आर्कियोलॉजी में उस इतिहास के बारे में यह जानने की कोशिश की जाती है कि पुरानी सभ्यताओं में लोगों का रहन- सहन कैसा था। किस तरह की वस्तुओं का वो इस्तेमाल करते थे। अनुमानों

लेकर तत्कालीन समाज और परिवेश के आकलन का काम भी एक आर्कियोलॉजिस्ट को करना होता है। साथ ही वह कार्बन डेटिंग और समय गणना का काम भी करता है। सभी तरह के ऐतिहासिक वस्तु या सभ्यता के वर्तमान से जुड़ाव और विकास के क्रम को निर्धारित करने की जिम्मेदारी भी एक आर्कियोलॉजिस्ट की होती है।

किस तरह का होता है कोर्स

अगर आप इस क्षेत्र में जाना चाहते हैं तो आपको 12वीं की परीक्षा इतिहास विषय के साथ पास करनी होगी। इसके बाद आप

आर्कियोलॉजी में डिप्लोमा, बैचलर, मास्टर और पीएचडी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें प्रवेश के लिए अलग-अलग योग्यताएं निर्धारित की गई हैं। इससे जुड़े कोर्स देश के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों से किए जा सकते हैं। मास्टर इन कंजर्वेशनए प्रिजरवेशन एंड हेरिटेज मैनेजमेंट और मास्टर इन आर्कियोलॉजी एंड हेरिटेज मैनेजमेंट जैसे कोर्स इस क्षेत्र में आगे बढ़ने की सीढ़ी हो सकते हैं। इसके अलावा आप हिस्टॉरिकल आर्कियोलॉजी, जिओ आर्कियोलॉजी, आर्कियोबॉटनी, क्रॉनोलॉजिकल, एथनोआर्कियोलॉजी, एक्सपेरिमेंटल ऑर्कियोलॉजी, आर्कियोमेट्री जैसे कोर्स भी कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

एक बेहतरीन आर्कियोलॉजिस्ट अथवा म्यूजियम प्रोफेशनल बनने के लिए प्लीस्टोसीन पीरियड अथवा क्लासिकल लैंग्वेजए मसलन पाली, अपभ्रंश, संस्कृत, अरेबियन भाषाओं में से किसी की जानकारी आपको कामयाबी की राह पर आगे ले जा सकती है। आर्कियोलॉजी न केवल दिलचस्प विषय है बल्कि इसमें कार्य करने वाले प्रोफशनल्स के लिए चुनौतियों में भरा क्षेत्र भी है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी विश्लेषणात्मक क्षमताए तार्किक सोचए कार्य के प्रति समर्पण जैसे महत्वपूर्ण गुण जरूर होने चाहिए। कला की समझ और उसकी पहचान भी आपको औरों से बेहतर बनाने में मदद करेगा।

यहां से कर सकते है कोर्स

- आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट
- कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी

जॉब ऑप्शन क्या हैं

आर्कियोलॉजी में कोर्स पूरा करने के बाद आपको जॉब के कई ऑप्शन मिलेंगे। जिनमें मुख्य रूप से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, नई दिल्ली, राज्यों में स्थित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, विभिन्न संग्रहालय, एनजीओ और यूनिवर्सिटी, विदेश मंत्रालय का हिस्टोरिकल विभाग, शिक्षा मंत्रालय, पर्यटन विभाग, इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च आदि।

सैलरी व संभावनाएं

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर आपको रोमांच और रहस्य के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। अगर आपने किसी प्राइवेट सेक्टर में जाना चाहते हैं तो आप 30 से 50 हजार रूपये प्रतिमाह की जॉब आसानी से पा सकते हैं, जो अनुभव व आपकी खोज के साथ

जॉब प्रोफाइल के हिसाब से लाखों रूपये की सैलरी पा सकते हैं।

इंश्योरेंस इंडस्ट्री में करियर बनाना है बेहद आसान

इंश्योरेंस इंडस्ट्री एक ऐसी इंडस्ट्री है जो पिछले कुछ सालों से लगातार तेजी से विस्तार कर रही है, जिसके चलते एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड काफी बढ़ गया है। अगर आप भी इंश्योरेंस सेक्टर में करियर बनाने का सोच रहे हैं तो यह समय काफी अच्छा है, खास कर कोरोना के बाद इंश्योरेंस के हेल्थ सेक्टर में बूस्ट आया है। आज के समय लगभग हर परिस्थिति से निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास पॉलिसी हैं। जीवन बीमा, यात्रा बीमा, वाहन बीमा, स्वस्थ्य बीमा तथा गृह बीमा इनमें सबसे ज्यादा प्रचलित हैं।

एजुकेशन

इस क्षेत्र में जाने के लिए आप 12वीं व ग्रेजुएशन के बाद भी जा सकते हैं, लेकिन विषय का पूरा ज्ञान लेने के लिए एक्चुरियल साइंस से संबंधित कोर्सेस में स्नातक डिग्री के लिए मैथ्स या स्टेटिस्टिक्स में 55 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना आवश्यक है जबकि पीजी डिप्लोमा, मास्टर्स डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मैथ्स-स्टेटिस्टिक्स, इकोनॉमेट्रिक्स सब्जेक्ट से स्नातक जरूरी है। स्टूडेंट्स, इंस्टीट्यूट ऑफ एक्चुरीज ऑफ इंडिया को मेंबर के तौर पर भी ज्वाइन कर सकते हैं। एक्चुरी प्रोफेशनल बनने के लिए स्टूडेंट्स को एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया का फेलो मेंबर होना जरूरी है। यह संस्थान इसमें कोर्सेस भी कराता है।

इंश्योरेंस का कार्य क्षेत्र

इसके लिए मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स के मेथड्स का इस्तेमाल करके इंश्योरेंस और फाइनेंस इंडस्ट्री में जोखिम का अनुमान लगाते हैं। एक्चुरियल प्रोफेशनल्स यह हिसाब लगाते हैं कि किसी पॉलिसी होल्डर को प्रीमियम के तौर पर कितनी राशि का भुगतान करना होगा या किसी कंपनी को पेंशन या रिटर्न पर कितना खर्च करना होगा। प्रोफेशनल का काम अचानक घटी घटना के आर्थिक प्रभाव का अंदाजा लगाने का भी होता है। आज इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स को इंश्योरेंस इंडस्ट्री का बैकबोन भी कहा जाने लगा है।

स्किल व एलिजिबिलिटी

इस क्षेत्र में कार्य करने के लिए खुद को अपडेट रखना जरूरी है। खुद में लोगों की परेशानी को समझने, नई तकनीक सीखने में हिचकिचाहट न होने, कम्युनिकेशन के साथ मैथ और स्टेटिस्टिक्स पर पकड़ मजबूत रखने जैसे स्किल का होना जरूरी है। अपनी योग्यता के आधार पर आप एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर एंड असिस्टेंटए डेवलपमेंट ऑफिसरए इंश्योरेंस एजेंटए इंश्योरेंस सर्वेयरए एक्चुरी मैनेजरए रिस्क मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं।

जॉब्स के अवसर

अगर आपके पास एक्चुरियल साइंस की डिग्री है तो आपके लिए इन दिनों नौकरियों के लिए कई रास्ते खुल गए हैं। इंश्योरेंस, बैंकिंग, बीपीओ-केपीओ, आईटी सेक्टर, मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल कंपनियों आदि में इनके लिए अच्छे मौके होते हैं। दूसरी तरफ, बीपीओ कंपनी में भी जोखिम के बारे में विश्लेषण करने के लिए बड़े पैमाने पर एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की हायरिंग होती है। बीपीओ में काम करने वाले एक्चुरी प्रोफेशनल्स की सैलरी भी आम बीपीओ एंप्लॉइज की तुलना में दो से तीन गुना अधिक होती है।

भारत में संभावनाएं इसलिए भी अधिक हैं, क्योंकि वैश्विक ग्राहकों को कम संसाधन और न्यूनतम लागत में अच्छी सुविधाएं मुहैया करा रहे हैं। वहीं एक्चुरियल प्रोफेशनल्स की डिमांड सरकारी और प्राइवेट इंश्योरेंस कंपनियों में ही नहीं, बल्कि टेरिफ एडवाइजरी कमिटी, इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, सोशल सिक्योरिटी स्कीम, फाइनेंशियल एनालिसिस फर्म में भी है।

सैलेरी

इस क्षेत्र में आप फ्रेशर के तौर पर प्रतिमाह 20 से 30 हजार रुपये तक आसानी से पा सकते हैं। वहीं अनुभव व समय के साथ किसी उच्च पद पर पहुंचने पर आप 1 लाख रुपये का मासिक वेतनमान भी ले सकते हैं। यदि आपने किसी टॉप कॉलेज से एमबीए इन इंश्योरेंस किया है तो आप अपनी फर्स्ट जॉब में ही ज्यादा बेहतर वेतनमान की अपेक्षा कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, दिल्ली विश्वविद्यालय
एकेडमी ऑफ इंश्योरेंस मैनेजमेंट, दिल्ली
बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, दिल्ल
इंश्योरेंस इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
एक्चुरियल सोसाइटी ऑफ इंडिया
अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़
यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, पुणे
एमिटी स्कूल ऑफ इंश्योरेंस एंड एक्चुरियल साइंस, नोएडा

महिला टी20 रैंकिंग में हरमनप्रीत कौर का जलवा, गेंदबाजी में दीप्ति को नुकसान

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन का इनाम पाया है। मंगलवार को जारी ICC महिला टी20 की ताजा रैंकिंग में हरमनप्रीत बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर 13वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

निर्णायक पारी से बदली रैंकिंग

तिरुवनंतपुरम में खेले गए अंतिम टी20 मुकाबले में हरमनप्रीत ने 43 गेंदों पर 68 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। भारत ने यह मुकाबला 15 रन से जीता और 30 दिसंबर को समाप्त हुई सीरीज में श्रीलंका का 5-0 से क्लीन स्वीप किया।

शीर्ष 10 के करीब हरमनप्रीत

इस शानदार पारी के बाद हरमनप्रीत अब बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 के और करीब पहुंच गई हैं। भारतीय बल्लेबाजों में स्मृति मंधाना तीसरे और शेफाली वर्मा छठे स्थान पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी ने बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है। हालांकि जेमिमा रोड्रिग्स को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह शीर्ष 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति को झटका

गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शीर्ष स्थान से फिसल गई हैं। पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उन्होंने 28 रन देकर एक विकेट लिया, लेकिन यह प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को शीर्ष पर पहुंचने से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं रहा। दीप्ति और सदरलैंड के बीच अब सिर्फ एक रेटिंग अंक का अंतर है सदरलैंड के 736 अंक हैं।

अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में बदलाव

भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरनी ने शानदार उछाल लगाते हुए पांच स्थान की छलांग के साथ 47वां स्थान हासिल किया। श्रीलंका की कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 32वें और कप्तान चमारी अटापट्टू तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें पायदान पर पहुंच गई हैं।

मलेशिया ओपन 2026: लक्ष्य सेन की दमदार शुरुआत, दूसरे राउंड में किया प्रवेश

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में नए सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। लक्ष्य ने कड़े मुकाबले में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले मैच में हराया। वहीं, महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य सेन ने संघर्षपूर्ण जीत के साथ किया आगाज

24 वर्षीय लक्ष्य सेन ने विषम परिस्थितियों से जूझते हुए विश्व रैंकिंग में 21वें स्थान पर काबिज जिया हेंग जेसन तेह को 70 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 15-21, 21-14 से शिकस्त दी। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने लंबी रैलियों और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पिछले सत्र के अंत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले लक्ष्य ने इस जीत के साथ अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखा है।

दूसरे दौर में कठिन चुनौती के लिए तैयार लक्ष्य

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन का अगला मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव और हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। यह मुकाबला लक्ष्य के लिए टूर्नामेंट में आगे की राह तय करने में अहम साबित होगा।

मालविका बंसोड़ की वापसी पर ब्रेक

महिला एकल में भारत की मालविका बंसोड़ की वापसी निराशाजनक रही। बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद कोर्ट पर लौटीं मालविका को पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21, 11-21 से सीधे गेमों में हार झेलनी पड़ी। हालांकि, चोट के बाद वापसी कर रही मालविका के लिए यह टूर्नामेंट लय हासिल करने के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी नहीं चला शुभमन गिल का बल्ला, सस्ते में लौटे पवेलियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की सीमित ओवरों में खराब फॉर्म का सिलसिला जारी है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के खिलाफ पंजाब की ओर से खेलते हुए गिल रनचेज में खास प्रभाव नहीं छोड़ सके और सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब को 212 रन का लक्ष्य मिला था।

गोवा के अनुभवी गेंदबाज ने किया गिल का शिकार

पंजाब की पारी के दौरान शुभमन गिल ने शुरुआत में अर्जुन तेंदुलकर और वासुकी कौशिक के खिलाफ एक-एक चौका जरूर लगाया, लेकिन पांचवें ओवर की पहली गेंद पर वासुकी कौशिक ने उन्हें चलता कर दिया। गिल 12 गेंदों में 11 रन बनाकर सुयश प्रभुदेसाई को कैच दे बैठे। यह वही मुकाबला था, जो टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम से बाहर होने के बाद गिल का पहला प्रतिस्पर्धी मैच था।

10 महीने से जारी है सफेद गेंद क्रिकेट में अर्धशतक का सूखा

शुभमन गिल का सफेद गेंद क्रिकेट में खराब दौर चिंता बढ़ा रहा है। उन्हें आखिरी बार 10 महीने पहले अर्धशतक बनाते देखा गया था। इसके बाद से उन्होंने 7 वनडे, 15 टी20 अंतरराष्ट्रीय और अब विजय हजारे ट्रॉफी का एक मुकाबला खेला है, लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं आई।

हालांकि इसके उलट, टेस्ट क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन शानदार रहा। 2025 में खेले गए टेस्ट मैचों में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज़ रहे, भले ही चोट के कारण वह गुवाहाटी टेस्ट और ईडन गार्डन्स में रनचेज का हिस्सा नहीं बन सके।

स्टीव स्मिथ शतक लगाकर एशेज में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी, 06 जनवरी (वेब वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मंगलवार को एक शानदार शतक लगाकर एशेज के इतिहास में अपना नाम और मजबूती से दर्ज कराया। वह इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हॉब्स को पीछे छोड़कर एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अपना 37वां टेस्ट शतक बनाया, जब उन्होंने ट्रैविस हेड के शानदार 163 रनों की बदौलत मिली मजबूत नींव पर पारी को आगे बढ़ाया। इससे मेजबान टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल स्कोर को पार करने में सफल रही और सीरीज़ के आखिरी टेस्ट में एक महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

इस प्रक्रिया में, स्मिथ ने हॉब्स के 3,636 एशेज रनों के आंकड़े को पार कर लिया और अब वह ऑल-टाइम लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरे स्थान पर हैं। 36 वर्षीय खिलाड़ी एशेज शतकों की सूची में भी दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, इंग्लैंड के खिलाफ उनके 13 शतकों से ज़्यादा सिर्फ ब्रैडमैन के 19 शतक हैं। स्मिथ का एशेज का सफर 2010 में पर्थ में शुरू हुआ था, हालांकि इस मशहूर प्रतिद्वंद्विता में अपना पहला शतक लगाने में उन्हें 15 पारियां लगीं, जो 2013 में द ओवल में आया था। तब से, वह इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए लगातार परेशानी का सबब बने हुए हैं, उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2019 में इंग्लैंड में हुए एशेज के दौरान आया था, जहां उन्होंने 110.57 के शानदार औसत से 774 रन बनाए थे।

सिडनी में बनाया गया शतक स्मिथ का मौजूदा सीरीज का पहला और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के तौर पर 18वां शतक था। खास बात यह है कि कप्तान के तौर पर उनके छह शतक इंग्लैंड के खिलाफ आए हैं, जो किसी

भी विरोधी टीम के खिलाफ कप्तान के तौर पर बनाए गए सबसे ज़्यादा शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन की शुरुआत दो विकेट पर 166 रन से की, हेड ने अपना आक्रामक रवैया जारी रखा और अपना 12वां टेस्ट शतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आउट होने से पहले ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के कुल स्कोर के करीब पहुंचाने के लिए 63 रन और जोड़े। कैमरन ग्रीन के अच्छे साथ से स्मिथ ने फिर कमान संभाली, ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई और व्यक्तिगत मील के पत्थर हासिल करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के पहले तीन टेस्ट जीतकर पहले ही एशेज अपने नाम कर लिया था। हालांकि, इंग्लैंड ने मेलबर्न में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत के लिए 14 साल का सूखा खत्म किया, जिससे उनका आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अभियान ज़िंदा रहा।

अनाहत सिंह ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश के फाइनल में पहुंची

नई दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की। फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा। अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है। इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

हेड ने सिडनी में शतक के साथ ही बनाया रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज टेविस हेड ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के पांचवें क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपना शतक पूरा किया। ये हेड का इस सीरीज में तीसरा शतक है। इसी के साथ ही हेड ने सात घरेलू मैदानों पर शतक लगाने का नया रिकार्ड अपने नाम किया है। हेड ने 105 गेंदों में 24 चौके और एक छक्के की सहायता से 166 गेंदों पर 163 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ही हेड ने अपने टेस्ट करियर का 12वां शतक लगाया। ये इस सीरीज में उनका तीसरा शतक रहा।

यह शतक हेड के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि उन्होंने पहली बार सिडनी क्रिकेट मैदान में कोई शतक लगाया है। इसी के साथ ही वह अब अपनी धरती पर सात अलग-अलग मैदानों पर टेस्ट शतक लगाने वाले विश्व के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में पहले से ही स्टीव वॉ, जस्टिन लैंगर, मैथ्यू हेडन और डेविड वॉर्नर शामिल हैं। हेड का ये 65वां टेस्ट मैच है। इससे पहले उन्होंने एडिलेड ओवल में लगातार चार टेस्ट शतक जबकि गाबा में दो शतक लगाये हैं। वहीं मेलबर्न क्रिकेट मैदान के अलावा पर्थ, होबार्ट, कैनबरा और अब सिडनी क्रिकेट मैदान में एक-एक शतक उनके नाम है। वहीं विदेशी धरती पर उनके नाम केवल एक शतक है। ये शतक उन्होंने इंग्लैंड के ओवल मैदान में साल 2021-23 में हुए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत के खिलाफ लगाया था। तब हेड ने 174 गेंदों पर 163 रनों की आक्रामक पारी खेली थी।

वैभव की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने दूसरे यूथ एकदिवसीय मैच में भी दक्षिण अफ्रीका को हराया

-सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी के 68 रनों की आक्रामक पारी से भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका को वर्षा प्रभावित दूसरे यूथ एकदिवसीय मैच में आठ विकेट से हरा दिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने 2-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय टीम ने पहले मैच में भी 25 रनों से जीत दर्ज की थी। वैभव इस सीरीज में टीम की कप्तानी कर रहे हैं और उन्होंने इस मैच में अपना कप्तानी कौशल भी दिखाया।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जेसन राउल्स के 114 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 245 रन बनाये। इसके बाद वैभव की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने ये सीरीज आसानी से अपने नाम कर ली। इस मैच को बारिश के कारण दो बार रोका गया था। दूसरी बार मैच रोके जाने के बाद डकवर्थ लुइस नियम के तहत ही भारतीय टीम को जीत के लिए 27 ओवर में 174 रन का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने दो विकेट विकेट खोकर 23.3 ओवर में ही 176 रन बनाकर हासिल कर लिया। वेदांत त्रिवेदी 31 और अभिज्ञान कुंडू 48 रन बनाकर नाबाद रहे। अभिज्ञान ने छक्का लगाकर इस मैच में भारतीय टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मैच का आकर्षण वैभव की आक्रामक पारी रही। वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर आक्रामक शुरुआत की। इस बल्लेबाज ने 19 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वैभव ने 24 गेंदों में 10 छक्के और एक चौका लगाकर 283 के स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाये। इस मैच में भारतीय टीम की गेंदबाजी भी अच्छी रही। भारत की ओर से किशन कुमार ने मैच में चार विकेट लिए जबकि आरएस अम्ब्रीश ने दो विकेट लिए। दीपेश देवेन्द्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

आईएसएल 14 फरवरी से होगा शुरु, सभी 14 क्लब होंगे शामिल : खेल मंत्री मांडविया ने किया ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल में पिछले कुछ समय से चल रही अनिश्चितता की स्थिति को समाप्त करते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को घोषणा की कि वाणिज्यिक साझेदार नहीं मिलने के कारण स्थगित हुई इंडियन सुपर लीग (ISL) 14 फरवरी से शुरू होगी। लीग में सभी 14 क्लब हिस्सा लेंगे। मांडविया ने AIFF (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ) और ISL क्लबों के बीच यहां भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यालय पर हुई बैठक के बाद मीडिया को बताया, 'इंडियन सुपर लीग 14 फरवरी से होगी जिसमें सभी क्लब भाग लेंगे। आज सरकार, AIFF और सभी क्लबों के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। पिछले कुछ समय से भारतीय फुटबॉल को लेकर अदालत में चल रहे विवाद के कारण ISL के आयोजन को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी जिस पर अब विराम लग गया।' AIFF अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस मौके पर बताया, 'ISL के संचालन के लिए संचालन परिषद बोर्ड का गठन होगा। ISL में 14 टीमों के 91 मैच एक चरण में होम (घरेलू) और अवे (प्रतिद्वंद्वी टीम का घरेलू मैदान) आधार पर खेले जाएंगे।' चौबे ने कहा कि मैच कहां होंगे, यह क्लब AIFF के साथ मिल कर तय करेंगे। उन्होंने कहा, 'आई लीग में 11 टीमों के बीच 55 मैच खेले जाएंगे जो ISL के साथ ही आरंभ होगी। इसमें आईलीग-दो और आईलीग-तीन में 33 के बजाए 40 टीमें होंगी।' उन्होंने बताया कि ISL के लिए 25 करोड़ रुपए का एक कैप (खर्च की सीमा) बनाया गया है जिसमें 10 प्रतिशत AIFF, 15 प्रतिशत क्लब 30 प्रतिशत व्यावसायिक साझेदार वहन करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब तब व्यावसायिक साझेदार नहीं मिल जाता तब तक AIFF कुल 40 प्रतिशत खर्च वहन करेगा।' उन्होंने कहा कि AIFF का कुल योगदान 14 करोड़ रुपए होगा जिसमें 10 करोड़ ISL और 3.2 करोड़ आई लीग के लिए होंगे।' IWL (इंडियन वुमेन लीग) का शत प्रतिशत फंड AIFF का होगा।

विराट कोहली के संन्यास पर सवाल, संजय मांजरेकर ने जताया अफसोस

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशेज 2025 के पांचवें टेस्ट ने टेस्ट क्रिकेट की महानता और निरंतरता की नई मिसाल पेश की। इंग्लैंड के जो रूट और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने शतक जड़कर एक बार फिर साबित किया कि क्यों उन्हें आधुनिक युग के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाज़ों में गिना जाता है। इसी बीच, पूर्व भारतीय बल्लेबाज़ संजय मांजरेकर ने विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सवाल उठाया कि जब उनके समकालीन नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तब कोहली का इस फॉर्मेट से दूर जाना कितना सही था।

जो रूट का 41वां टेस्ट शतक : ऐतिहासिक उपलब्धि

एशेज के पांचवें टेस्ट के पहले दिन जो रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट के लगभग 150 साल के इतिहास में सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए। रूट ने रिकी पोंटिंग की बराबरी की और अब उनसे आगे सिर्फ़ सचिन तेंदुलकर (51 शतक) और जैक्स कैलिस (45 शतक) हैं। यह उपलब्धि रूट की निरंतरता और तकनीकी मजबूती का प्रमाण है।

स्टीव स्मिथ का करारा जवाब

रूट के शतक के ठीक एक दिन बाद ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने भी बल्ले से जवाब दिया। उन्होंने अपना 37वां टेस्ट शतक पूरा किया, जो एशेज इतिहास में उनका 13वां शतक था। एशेज में इतने शतक लगाने वाले वह दूसरे बल्लेबाज़ बन गए हैं, उनसे आगे सिर्फ़ महान डॉन ब्रैडमैन हैं। स्मिथ की यह पारी एक बार फिर उनकी असाधारण टेस्ट क्षमता को दर्शाती है।

'फैब फोर' की चमक और कोहली की अनुपस्थिति

इन प्रदर्शनों के बीच संजय मांजरेकर ने 'फैब फोर' के चौथे सदस्य विराट कोहली की गैरमौजूदगी पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि जब रूट, स्मिथ और केन विलियमसन टेस्ट क्रिकेट में लगातार ऊंचाइयों को छू रहे हैं, तब कोहली का इस फॉर्मेट से हट जाना दुखद है। मांजरेकर के मुताबिक, कोहली के करियर के आखिरी पांच वर्षों में टेस्ट औसत गिरने के कारणों की गहराई से तलाश नहीं हो पाई।

केन विलियमसन की वापसी से तुलना

मांजरेकर ने केन विलियमसन का उदाहरण भी दिया, जिन्होंने करीब एक साल तक टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने के बावजूद वापसी की। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज़ से पहले उन्होंने घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलकर खुद को तैयार किया। यह दिखाता है कि लंबे ब्रेक के बाद भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी संभव है, अगर खिलाड़ी इसके लिए प्रतिबद्ध हो।

कोहली के फॉर्म में गिरावट और संन्यास

2020 से पहले विराट कोहली को कई लोग 'फैब फोर' में सबसे आगे मानते थे। हालांकि महामारी के बाद उनके टेस्ट फॉर्म में तेज गिरावट आई। ऑफ स्टंप के बाहर गेंदों पर कमजोरी उनके करियर के आखिरी दौर में उजागर हुई। मई 2025 में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया, जबकि उनका करियर औसत 46.85 रहा।

टेस्ट क्रिकेट से दूरी पर मांजरेकर की आपत्ति

मांजरेकर ने यह भी कहा कि उन्हें कोहली का टेस्ट क्रिकेट छोड़कर वनडे खेलते रहना अधिक निराशाजनक लगा। उनके अनुसार, टेस्ट क्रिकेट ही वह फॉर्मेट है जो बल्लेबाज़ को सबसे ज़्यादा परखता है। कोहली की फिटनेस को देखते हुए, उन्हें लगता है कि पूर्व कप्तान चाहें तो फर्स्ट क्लास क्रिकेट के जरिए वापसी की एक और कोशिश कर सकते थे।

आधुनिक टेस्ट क्रिकेट की कहानी

रूट, स्मिथ और विलियमसन के मौजूदा प्रदर्शन यह साबित करते हैं कि आधुनिक युग में भी टेस्ट क्रिकेट सर्वोच्च चुनौती बना हुआ है। ऐसे में विराट कोहली की अनुपस्थिति इस कहानी का एक अधूरा अध्याय बनकर रह गई है, जिस पर क्रिकेट जगत में चर्चा जारी है।

अमेरिकी टेनिस लीजेंड वीनस विलियम्स ऑकलैंड में पहले दौर में हारीं

वेलिंगटन। पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 वीनस विलियम्स मंगलवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक में अपने पहले मैच में पोलैंड की मैग्डा लिनेट से तीन सेट में हार गईं। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन विलियम्स ने महिला टेनिस एसोसिएशन 250 इवेंट में वापसी करते हुए अच्छे संकेत दिखाए, जो 2 से 17 जनवरी तक चलेगा। दुनिया में 53वें नंबर पर मौजूद लिनेट ने 6-4, 4-6, 6-2 से जीत हासिल कर दूसरे राउंड में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला इटली की एलिसाबेटा कोकियारेटो से होगा।

लिनेट ने कहा, 'मुझे लगा कि मैं कम गलतियां कर सकती थी, खासकर इतने पावरफुल हिटर के साथ, मुझे थोड़ा और सॉलिड होने की जरूरत है।' वाइल्डकार्ड एंट्री पाने वाली विलियम्स, जो 582वें नंबर पर हैं, ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरी प्रतिद्वंद्वी ने शानदार खेला। वह निश्चित रूप से जीत की हकदार थी।' 45 साल की खिलाड़ी, जो अगस्त में यूएस ओपन के बाद अपना पहला मैच खेल रही थीं, ने कहा कि इस स्टेज पर उनका मुख्य फोकस इस महीने के आखिर में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले मैच फिटनेस और लय बनाना है। इस हार से टूर्नामेंट के कुछ बड़े नामों के लिए मुश्किल शुरुआत हुई, जब सोमवार को दूसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी एम्मा नवारो टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गईं।

अबू सलेम ने मांगी इमरजेंसी परोल

मुंबई (एजेंसी)। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम को बार-बार मिल रही परोल को लेकर मचे बवाल के बीच अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम ने भी इमरजेंसी परोल की मांग करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। राम रहीम रेप और हत्या के मामले में 20 साल की जेल और उम्रकैद की दोहरी सजा काट रहा है। उसे 8 साल में 15वीं बार परोल मिली है। वहीं अबू सलेम 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट और बिल्डर की हत्या का दोषी है। गैंगस्टर अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद परिवार से मिलने और अंतिम संस्कार की रस्में अदा करने के लिए इमरजेंसी परोल की मांग की है। उसने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) जाने की अनुमति मांगी गई है। सलेम के बड़े भाई अबू हाकिम अंसारी का 14 नवंबर 2025 को निधन हो गया था। सलेम ने उन्हें पिता तुल्य बताया है। अबू सलेम ने अपने बड़े भाई की मौत के बाद इमरजेंसी परोल मांगी है, ताकि 40वें दिन की रस्में, कुरान ख्वानी, कब्रिस्तान पर दुआ और परिवार से मिल सके।

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष ने माफी मांगी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पूर्व सीएम विलासराव देशमुख पर अपनी टिप्पणी को लेकर उनके बेटों से माफी मांगी है। रवींद्र चव्हाण ने मंगलवार को कहा कि मेरी टिप्पणी राजनीतिक मकसद से नहीं थी। अगर इससे दिवंगत नेता के बेटे की भावनाएं आहत हुई हैं तो वह उनसे माफी मांगते हैं। दरअसल, रवींद्र चव्हाण ने सोमवार को लातूर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि आपका (कार्यकर्ताओं का) उत्साह देखकर मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि विलासराव देशमुख की यादें इस शहर से मिट जाएंगी। विलासराव के बड़े बेटे और कांग्रेस नेता अमित देशमुख ने बयान की निंदा करते हुए कहा कि किसी बाहरी व्यक्ति के कहने से उनके पिता की यादें नहीं मिट सकतीं।

मणिपुर में 3 घंटे में दो आईईडी ब्लास्ट

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर सरकार ने बिष्णुपुर जिले में लगातार दो धमाकों की घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। सोमवार को हुए इन ब्लास्ट में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। ये धमाके स्थानीय स्तर पर बनाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से किए गए थे। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और बिष्णुपुर जिले के पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लेने के लिए धमाके वाली जगहों का दौरा किया। घटना में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रहा। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस घर का परिवार फिलहाल केइबुल लामजाओ के एक रिलीफ कैंप में रह रहा है। पहला धमाका होने के बाद जब गांव वाले मौके पर जमा हुए, तो करीब 200 मीटर दूर पर 8-45 बजे दूसरा ब्लास्ट हुआ। इस ब्लास्ट में दो लोग घायल हो गए।

कोर्ट-ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को धमकी दी गई। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, केरल के कन्नूर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 12 देसी विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। सभी मामलों की जांच की जा रही है। गुजरात में हाईकोर्ट और 5 लोकल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। सूरत की कोर्ट के ऑफिशियल ईमेल पर सोमवार रात 2 बजे धमकी भरा ईमेल आया था। सुबह जब कर्मचारियों ने ईमेल चेक किया तो पुलिस को सूचना दी। आणंद, राजकोट, अहमदाबाद और भरूच के सेशन कोर्ट को इसी तरह का ईमेल मिला। हालांकि, बम स्क्वॉड की जांच में कोर्ट से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह धमकी एलटीटीई (लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम) के नाम से दी गई है।

मानहानि मामले में नोटिस जारी होने पर बोले प्रियांक खरगे

-देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है आरएसएस

बंगलूरू (एजेंसी)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को आरएसएस को देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा बताया। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दायर कानूनी मामले संगठन के बारे में उनकी ओर से उठाए गए सवालों की प्रतिक्रिया हैं। प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अखबार का लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य की ओर से दायर मानहानि की शिकायत के मामले में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य के साथी मंत्री दिनेश गुंडू राव को नोटिस जारी किया है। अपने पोस्ट में खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है। इस दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने कहा कि कुछ चुनिंदा लोगों का समूह अपने कठपुतलियों का इस्तेमाल करके हमारे खिलाफ मामले दर्ज करवा रहा है, सिर्फ इसलिए कि हम आरएसएस पर जायज सवाल उठा रहे हैं। आरएसएस राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा कि मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों के दिए गए दान से चलता है। हालांकि, इस दावे के संबंध में कई जायज सवाल उठते हैं- ये स्वयंसेवक कौन हैं और इनकी पहचान कैसे होती है? दिए गए दान का पैमाना और स्वरूप क्या है? ये दान किन तरीकों या माध्यमों से प्राप्त होते हैं?

सुल्तानपुर कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में जिरह पूरी, अगली सुनवाई 19 जनवरी तय

सुलतानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता व सांसद राहुल गांधी के विरुद्ध चल रहे मुकदमे में मंगलवार को निर्धारित सुनवाई हुई। अदालत में परिवादी पक्ष के गवाह रामचंद्र दूबे से बचाव पक्ष द्वारा जिरह पूरी कर ली गई। परिवादी भाजपा नेता एवं कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया कि परिवादी के गवाह से जिरह पूर्ण हो चुकी है। इसके बाद न्यायालय ने राहुल गांधी का बयान दर्ज करने के लिए 19 जनवरी की तिथि नियत की है।

असम में प्रियंका गांधी वाड्रा को कमान देना... सीएम सरमा के लिए एक बड़ी चुनौती मान रही कांग्रेस

सरमा के प्रभाव वाले कांग्रेसियों का असर होगा बेअसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि असम में एक निष्क्रिय आंतरिक नेटवर्क, इस पार्टी संभावित स्लीपर सेल कहती है, वे अभी भी सक्रिय है। वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, जो कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए, अमस में कांग्रेस ढांचे के भीतर कुछ व्यक्तियों पर अपना प्रभाव बनाए हुए हैं। कांग्रेस पार्टी को उम्मीद है कि प्रियंका गांधी वाड्रा की अधिक सक्रिय भागीदारी इस प्रभाव को बेअसर करने में मददगार साबित होगी।

बीते असम विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर्दे के पीछे काफी सक्रिय रहीं, हालांकि चुनाव प्रचार के दौरान वे सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आईं। तब कांग्रेस नेता भूपेश बघेल राज्य के वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत थे। कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों का मानना ??है कि प्रियंका का सशक्त नेतृत्व, रणनीतिक स्पष्टता और कार्यकर्ताओं से जुड़ने की क्षमता संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करने और शर्मा के जाने के बाद बचे किसी भी अप्रत्यक्ष प्रभाव का मुकाबला करने में सहायक हो सकती है।

पार्टी का असम पर दुबारा ध्यान केंद्रित करना स्पष्ट राजनीतिक गणनाओं से प्रेरित है। पश्चिम बंगाल, जहाँ कांग्रेस का कोई मजबूत संगठनात्मक आधार नहीं है, या तमिलनाडु, जहाँ वह एक कनिष्ठ सहयोगी बनी हुई है, के विपरीत, पार्टी नेताओं के अनुसार, असम कांग्रेस को वापसी का मौका देता है। प्रियंका गांधी केरल में संगठनात्मक जिम्मेदारी भी नहीं ले सकतीं, क्योंकि आंतरिक नियमों के अनुसार नेता उन राज्यों में पद धारण नहीं कर सकते जहाँ से वे सांसद हैं, क्योंकि इससे निहित स्वार्थों की आशंका पैदा हो सकती है। इन सीमाओं को देखते हुए, असम प्रियंका गांधी के लिए कमान संभालने और राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने के लिए सबसे आशाजनक क्षेत्र के रूप में उभरा है।

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि प्रियंका की उपस्थिति से पार्टी को एक मजबूत छवि बनाने, लगातार सुर्खियों में बने रहने और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। उनकी भागीदारी से असम में सत्ता पुनः प्राप्त करने के प्रति पार्टी की गंभीरता का संकेत मिलेगा और गठबंधन सहयोगियों को भी गति मिलेगी। पिछले विधानसभा चुनावों में, महाजोत गठबंधन को 43.68 प्रतिशत वोट मिले, जबकि एनडीए को 44.51 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। एनडीए ने 75 सीटें जीतीं, जबकि महाजोत को 50 सीटें मिलीं।

सोनिया गांधी फिर अस्पताल में भर्ती, चेस्ट फिजिशियन की देखरेख में रखा

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी को मंगलवार को फिर दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक सोनिया गांधी की हालत स्थिर है और वह बेहतर महसूस कर रही हैं। उन्हें चेस्ट फिजिशियन की देखरेख में रखा गया है। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें नियमित जांच और निगरानी के लिए ऑब्जर्वेशन में रखा गया है और चिंता की कोई बात नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल के सूत्र ने बताया कि नियमित जांच के तहत उन्हें भर्ती कराया गया है। सोनिया गांधी को खांसी की समस्या है और वह समय-समय पर, खासकर शहर में प्रदूषण के कारण जांच के लिए आती रहती हैं। सोनिया गांधी ने दिसंबर 2025 में ही अपना 79वां जन्मदिन मनाया था। सोनिया गांधी को हाल के सालों में स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कुछ महीने पहले, उन्हें पेट की समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

फरवरी में उन्हें एक दिन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था, इस दौरान वह गैस्ट्रोएंटरोलॉजी स्पेशलिस्ट की देखरेख में रही थीं। इससे पहले 19 जून को सोनिया गांधी को पेट की बीमारी के इलाज के बाद दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। 79 साल की सीनियर नेता को 15 जून को पेट में इन्फेक्शन से जुड़ी शिकायतों के बाद भर्ती कराया गया था। 7 जून को भी कांग्रेस नेता हिमाचल प्रदेश के शिमला में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल गई थीं, उन्हें कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याओं के कारण रूटीन हेल्थ चेक-अप के लिए लाया गया था, यह जानकारी हिमाचल प्रदेश के सीएम के प्रिंसिपल एडवाइजर ने दी थी। सितंबर 2022 में सोनिया गांधी मेडिकल चेक-अप के लिए यूनाइटेड स्टेट्स गई थीं, यह दौरा कोविड-19 महामारी के कारण टाल दिया गया था। उस यात्रा के दौरान उनके साथ उनके बेटे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी थे।

दिल्ली-एनसीआर में कोहरे ने बढ़ाई आफत, विमान सेवाएं प्रभावित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में एक-दो दिनों की मामूली राहत के बाद मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। संपूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) मंगलवार सुबह से ही घने कोहरे और स्मॉग की एक सफेद मोटी चादर में लिपटा नजर आ रहा है। इस भीषण धुंध के कारण न केवल सड़कों पर रफ्तार धीमी हुई है, बल्कि विमान सेवाओं पर भी इसका व्यापक असर पड़ा है। कम दृश्यता (विजिबिलिटी) के चलते दर्जनों उड़ानें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं, जबकि कई फ्लाइट्स को ऐन वक्त पर रद्द करना पड़ा है। कोहरे की मार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में विजिबिलिटी शून्य के करीब पहुंच गई है। दिल्ली के साथ-साथ मुंबई और गुवाहाटी जैसे प्रमुख शहरों से आने-जाने वाली विमानन सेवाएं भी इस मौसमी बदलाव की चपेट में हैं। खराब मौसम के कारण हवाई अड्डे पर विमानों के परिचालन में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे हजारों यात्री टर्मिनल पर फंसे हुए हैं। बिगड़ते हालात को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना साझा की है। प्रशासन के अनुसार, एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन कैट-3 सिस्टम के तहत संचालित किए जा रहे हैं। हालांकि अराइवल और डिपार्चर की प्रक्रिया जारी है, लेकिन कम विजिबिलिटी के कारण उड़ानों में देरी या अचानक बदलाव की पूरी संभावना बनी हुई है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी संबंधित एयरलाइंस के माध्यम से उड़ान की ताजा स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। निजी एयरलाइंस कंपनियों ने भी अपने यात्रियों को अलर्ट करना शुरू कर दिया है। इंडिगो और स्पाइसजेट सहित अन्य विमानन कंपनियों ने एडवाइजरी जारी कर यात्रियों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिए अपनी फ्लाइट का स्टेटस चेक करें। एयरलाइंस का कहना है कि वे यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तर भारत में घने कोहरे और कड़ाके की ठंड का यह दौर अभी कुछ दिनों तक जारी रह सकता है।

कर्नाटक सरकार में नेतृत्व संकट पर सस्पेंस बरकरार, सिद्धरमैया चाहते हैं मंत्रिमंडल विस्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में लंबे समय से चला आ रहा नेतृत्व विवाद 2026 की शुरुआत में भी पूरी तरह समाप्त होता नहीं दिख रहा है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के 15 जनवरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जाकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने की संभावना है। इस प्रस्तावित बैठक को लेकर राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सिद्धारमैया मंत्रिमंडल विस्तार के प्रस्ताव पर आलाकमान की मुहर चाहते हैं ताकि वो ही पांच साल सीएम रहेंगे इसकी मैसेजिंग साफ हो जाए जबकि उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार इस बात पर अड़े हैं कि ढाई ढाई साल सीएम के कथित फार्मूले पर आलाकमान पहले अंतिम फैसला करे। विदित हो सिद्धारमैया के बतौर मुख्यमंत्री ढाई साल पूरा होने के बाद से ही उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दिल्ली पर लगातार दबाव बनाया हुआ है इससे कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में सबकुछ ठीक चल रहा, ऐसा नहीं कहा जा सकता।

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में होने वाली बातचीत में मंत्रिमंडल में फेरबदल पर चर्चा हो सकती है, वहीं नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा भी उठने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, कांग्रेस की ओर से अब तक किसी औपचारिक एजेंडे की घोषणा नहीं की गई है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मंत्रिमंडल में बदलाव के पक्ष में हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार चाहते हैं कि पहले पार्टी नेतृत्व के सवाल पर स्पष्ट निर्णय लिया जाए। इसी मतभेद ने पार्टी के भीतर बहस को और तेज कर दिया है। बीते कुछ महीनों में जो चर्चा केवल अंदरूनी बैठकों तक सीमित थी, वह अब सार्वजनिक मंचों पर भी दिखने लगी है। राज्य के कई हिस्सों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर नेतृत्व पर स्पष्टता की मांग की है। इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने डीके शिवकुमार के समर्थन में नारे लगाए और उन्हें मजबूत संगठनकर्ता तथा जमीनी नेता बताया। पार्टी के अंदर यह धारणा भी मजबूत हो रही है कि डीके शिवकुमार को संगठन और कैडर के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त है। वहीं, कई वरिष्ठ नेताओं ने यह भी कहा है कि वे केंद्रीय नेतृत्व के किसी भी फैसले का समर्थन करेंगे और अंतिम निर्णय हाईकमान का ही होगा।

सार्वजनिक तौर पर सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों ही एकजुटता का संदेश दे रहे हैं। दोनों नेताओं ने कहा है कि पार्टी जो भी फैसला करेगी, वे उसे स्वीकार करेंगे। संयुक्त कार्यक्रमों और बैठकों के जरिए स्थिरता का संदेश देने की कोशिश भी की जा रही है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे पर बातचीत कर समाधान निकाला जाएगा, लेकिन मध्य जनवरी से पहले किसी बड़े फैसले की संभावना कम बताई जा रही है। हाल ही में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में भी कुछ नेताओं ने नेतृत्व परिवर्तन का मुद्दा उठाया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में होने वाली आगामी बैठकें बेहद अहम होंगी। यदि केंद्रीय नेतृत्व स्पष्ट दिशा देता है तो कर्नाटक कांग्रेस फिर से शासन और विकास के एजेंडे पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी, जो पार्टी की 2026 की व्यापक राजनीतिक रणनीति के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल, कर्नाटक कांग्रेस में दोनों खेमे हाईकमान के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और पूरे राज्य की निगाहें दिल्ली पर टिकी हुई है।

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में 80 नए चेहरों को टिकट देने के बयान मची हलचल

– राजा वड़िंग के बयान के बाद पार्टी के युवा नेता खुलकर समर्थन में आए

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में चल रही गुटबाजी के बीच प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने बड़ा राजनीतिक दांव चलते हुए पार्टी में नई बहस छेड़ दी है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर 80 नए चेहरों को टिकट देने के उनके बयान ने जहां युवा और महिला नेताओं में नई उम्मीद जगाई है, वहीं पार्टी के कई दिग्गज नेताओं की बेचैनी बढ़ा दी है। राजा वड़िंग के बयान के बाद पार्टी के युवा नेता खुलकर उनके समर्थन में सामने आ गए हैं। युवाओं का मानना है कि कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। सोशल मीडिया पर भी राजा वड़िंग के समर्थन में लगातार पोस्ट सामने आ रही हैं, जहां इस पहल को राहुल गांधी की सोच से जोड़कर देखा जा रहा है।

पंजाब यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मोहित मोहिंद्रा ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा युवाओं को राजनीति में अवसर देने की बात करते रहे हैं और अब राजा वड़िंग ने उसी सोच को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि कई युवा इस वजह से राजनीति से दूरी बनाए हुए थे कि उन्हें कभी मौका नहीं मिलेगा, लेकिन इस तरह के फैसलों से युवाओं का भरोसा बढ़ेगा। मोहिंद्रा ने कहा कि जब युवा राजनीति में आएंगे और उन्हें विधायक बनने का अवसर मिलेगा, तो पंजाब की राजनीति नए विचारों और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगी।

पंजाब महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गुरशरण कौर रंधावा ने कहा कि पार्टी में कई पढ़ी-लिखी और मेहनती महिलाएं हैं, जिन्हें अब तक पर्याप्त अवसर नहीं मिला है। राजा वड़िंग के बयान से महिलाओं में भी उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं योग्य होंगी, उनके लिए महिला कांग्रेस टिकट की मांग करेगी।

राजा वड़िंग के बयान के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं में असंतोष देखा जा रहा है। पार्टी के भीतर यह चर्चा तेज है कि कहीं यह बयान राहुल गांधी के इशारे पर तो नहीं दिया गया। हालांकि कई सीनियर नेता इस फैसले से सहमत नहीं हैं। पंजाब विधानसभा की कुल 117 सीटों में से यदि 80 सीटें नए चेहरों को दी जाती हैं, तो पुराने नेताओं के लिए केवल 37 सीटें ही बचेंगी। इनमें कांग्रेस के 15 मौजूदा विधायक शामिल हैं। इसके अलावा सांसद राजा वड़िंग, चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा भी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। कुल मिलाकर, राजा वड़िंग का यह बयान पंजाब कांग्रेस में नई सियासी हलचल का कारण बन गया है, जिसका असर आने वाले दिनों में पार्टी की अंदरूनी राजनीति पर साफ नजर आ सकता है।

एसआईआर को लेकर सीएम ममता बनर्जी सुप्रीम कोर्ट में खुद करेंगी पैरवी!

बोलीं-प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और मनमानी से कई लोगों की हो चुकी है मौत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य में एसआईआर के कारण लोगों को हो रही परेशानी के खिलाफ वह सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकती हैं, क्योंकि उन्होंने विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग के साथ अपना टकराव और तेज कर दिया है। ममता ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम कानूनी सहायता ले रहे हैं। बहुत से लोग मारे गए हैं। लोगों को परेशान किया जा रहा है। कल जब अदालतें खुलेंगी, तो हम इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। जरूरत पड़ने पर मैं सुप्रीम कोर्ट में खुद पैरवी करने की अनुमति मांगूंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में याचिका दायर करेंगे। यदि अनुमति मिली तो मैं भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं। हालांकि, बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि याचिका वह दायर करेंगी।

ममता ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को मनमाने ढंग से हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है। उन्होंने दावा किया कि गंभीर रोग से ग्रसित लोगों और बुजुर्गों को यह साबित करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने के लिए मजबूर किया जा रहा कि वे वैध मतदाता हैं। सीएम ने सवाल किया कि अगर कोई बीजेपी नेताओं के बूढ़े माता-पिता को पहचान साबित करने के लिए लाइन में खड़ा कर दे तो उन्हें कैसा लगेगा? जब से एसआईआर शुरू हुआ है, डर से कई लोगों की मौत हो चुकी है। बनर्जी ने बीजेपी शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया।

भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा मजबूत: 75 प्रतिशत हिस्से में लगी नई डिजाइन वाली अभेद्य बाड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश बांग्लादेश में व्याप्त अस्थिरता और सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को चरम स्तर पर पहुंचा दिया गया है। विशेष रूप से सामरिक रूप से अत्यंत संवेदनशील चिकन नेक यानी सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए सीमा सुरक्षा बल ने बड़े पैमाने पर कदम उठाए हैं। इस रणनीतिक गलियारे के लगभग 75 प्रतिशत इलाके में अब नई डिजाइन की सीमा बाड़ स्थापित कर दी गई है, जो घुसपैठ और तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों पर लगाम लगाने में एक मील का पत्थर साबित हो रही है।

करीब 12 फीट ऊंची यह विशेष बाड़ तकनीक और मजबूती का बेजोड़ संगम है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे काटना या पार करना लगभग नामुमकिन है। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, पुरानी बाड़ के मुकाबले इसे क्षति पहुँचाने में कई मिनटों का समय लगता है, जिससे सुरक्षा बलों को त्वरित प्रतिक्रिया देने का पर्याप्त समय मिल जाता है। चिकन नेक क्षेत्र भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह संकरा गलियारा शेष भारत को उत्तर-पूर्वी राज्यों से जोड़ता है। इसकी सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक पूरे पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को प्रभावित कर सकती है, यही कारण है कि यहाँ तकनीक और मानव संसाधन दोनों का समन्वय कर एक स्मार्ट बॉर्डर विकसित की जा रही है।

फिजिकल फेंसिंग के अलावा, सीमा की निगरानी के लिए अत्याधुनिक पैन-टिल्ट-जूम कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे दिन और रात के समय रीयल-टाइम लाइव फीड प्रदान करते हैं, जिससे नियंत्रण कक्ष में बैठे अधिकारी हर छोटी हलचल पर नजर रख पाते हैं। साथ ही, एरिया डोमिनेशन प्लान के तहत सुरक्षा बलों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब सुरक्षा दल न केवल सीमा रेखा पर तैनात रहते हैं, बल्कि तस्करी की कड़ियों को तोड़ने के लिए भारतीय क्षेत्र के भीतर कई किलोमीटर तक छापेमारी कर रहे हैं। विशेष रूप से मवेशी तस्करी के उन अड्डों को निशाना बनाया जा रहा है, जहाँ सीमा पार ले जाने से पहले सामान इकट्ठा किया जाता है।

सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। सुरक्षा बल अब संदिग्ध तस्करों और बिचौलियों के परिवारों के पास जाकर उन्हें अवैध गतिविधियों के कानूनी और सामाजिक परिणामों के बारे में शिक्षित कर रहे हैं। इस जन-भागीदारी और विश्वास-निर्माण के उपायों का परिणाम यह हुआ है कि पिछले एक वर्ष में मवेशी और मानव तस्करी की घटनाओं में भारी गिरावट दर्ज की गई है। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उन बांग्लादेशी नागरिकों को, जो अनजाने में सीमा पार कर आए थे, पूरी जांच और फिंगरप्रिंट रिकॉर्डिंग के बाद फ्लैग मीटिंग के जरिए वापस उनके देश के सीमा प्रहरियों को सौंपा गया है।

आंकड़ों की बात करें तो जनवरी 2025 से अब तक सीमा पर चलाए गए अभियानों में लगभग 8.5 करोड़ रुपये मूल्य के मवेशी, सोना, चांदी, वन्यजीव उत्पाद और हथियार जब्त किए गए हैं। इस अवधि में कुल 440 बांग्लादेशी और 152 भारतीय नागरिकों सहित कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों का स्पष्ट संदेश है कि आने वाले समय में बाड़ के दायरे को शत-प्रतिशत तक ले जाया जाएगा और तकनीकी निगरानी को और अधिक सशक्त किया जाएगा, ताकि देश की इस लाइफलाइन की सुरक्षा में कोई सेंध न लगा सके।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902